{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 02 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 309
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अजीत डोभाल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पुणे में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। तिलक स्मारक ट्रस्ट के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए अजीत डोभाल को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया है। 81 वर्षीय अजीत डोभाल ने मिजोरम, सिक्किम, पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने इस्लामाबाद और लंदन स्थित भारतीय मिशनों में राजनयिक भूमिका भी निभाई है। डोभाल भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। वह भारत-चीन सीमा वार्ता में भारत के विशेष प्रतिनिधि भी रहे हैं।

खाली होगी जम्मू यूनिवर्सिटी की जमीन

जम्मू। केंद्र सरकार ने रक्षा मंत्रालय के जरिए भूमि अदला-बदली (लैंड एक्सचेंज) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही जम्मू विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर से सटी 147 कनाल से अधिक जमीन से सेना के हटने का रास्ता साफ हो गया है। यह जमीन पिछले पांच दशक से अधिक समय से सेना के कब्जे में थी। मंजूर प्रस्ताव के तहत जम्मू-कश्मीर प्रशासन सेना को नगरोटा तहसील में 2,062 कनाल 17 मरला और जम्मू तहसील में 62 कनाल जमीन देगा। इसके बदले सेना विश्वविद्यालय परिसर से सटी अपने कब्जे वाली जमीन खाली करेगी। यह जमीन 1973 में तत्कालीन राज्य सरकार ने जम्मू विश्वविद्यालय को आवंटित की थी। हालांकि इसका एक हिस्सा सेना के कब्जे में बना रहा। इस मामले को सालों तक विश्वविद्यालय प्रशासन और तत्कालीन राज्य सरकार अलग-अलग स्तर पर उठाते रहे।

वाइस एडमिरल एएन प्रमोद बने नौसेना के नए डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने भारतीय नौसेना के डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ के रूप में कार्यभार संभाला है। उन्होंने वाइस एडमिरल तरुण सोबती का स्थान लिया, जो 31 जुलाई को 38 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। अपनी नियुक्ति से पहले, वाइस एडमिरल प्रमोद महानिदेशक नौसेना संचालन (डीजीएनओ) के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने हालिया ऑपरेशन सिंदूर और पश्चिम एशिया संकट के दौरान समुद्री सुरक्षा अभियानों की रणनीति और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय नौसेना अकादमी, गोवा के 38वें इंटीग्रेटेड कैडेट कोर्स के पूर्व छात्र, वाइस एडमिरल प्रमोद को 1 जुलाई 1990 को भारतीय नौसेना में कमीशन किया था।

कुछ ना कहना

जल्द आएंगे प्लास्टिक के नोट

महंगाई की मार...कच्चे माल और ऊर्जा लागत बढ़ने के कारण भारत की कई प्रमुख कंज्यूमर कंपनियां तैयारी में जुटीं

त्योहारों से पहले महंगे होंगे रोजमर्रा के सामान!

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले आम लोगों की जेब पर महंगाई का एक और असर देखने को मिल सकता है। देश की कई बड़ी कंज्यूमर कंपनियां रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले सामान की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। कच्चे माल और ऊर्जा लागत में तेजी के चलते टूथपेस्ट, डिटर्जेंट, पेंट, टायर और अन्य सामान महंगे हो सकते हैं। इससे आने वाले महीनों में घरेलू खर्च और बढ़ने की आशंका है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, देश की सबसे बड़ी कंज्यूमर कंपनियां एक बार फिर कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान यूनिलीवर, डोडला डेयरी और एशियन पेंट्स समेत कम से कम सात कंपनियों ने अपने तिमाही नतीजों के बाद निवेशकों से बातचीत और मीडिया ब्रीफिंग में कीमतें बढ़ाने के संकेत दिए हैं। हिंदुस्तान यूनिलीवर के मुख्य वित्त अधिकारी निरंजन गुप्ता ने कहा कि कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत में लगातार तेजी बनी हुई है। इसी वजह से डिटर्जेंट और डिशवॉशिंग बार जैसे होम केयर उत्पादों में चरणबद्ध तरीके से कीमतें बढ़ाई जाएंगी।

त्योहारी सीजन और आरबीआई की नजर

अगस्त से नवंबर तक का समय भारत में त्योहारी सीजन माना जाता है और इसी दौरान कई कंपनियों की सालाना बिक्री का करीब एक तिहाई हिस्सा आता है। ऐसे में कंपनियों को उम्मीद है कि मजबूत मांग के कारण वे बढ़ी हुई लागत का बोझ ग्राहकों तक पहुंचा सकेंगी। भारतीय रिजर्व बैंक का महंगाई लक्ष्य 4 प्रतिशत है, लेकिन जून में खुदरा महंगाई करीब डेढ़ साल बाद इस स्तर से ऊपर पहुंच गई। आरबीआई का अनुमान है कि मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में औसत महंगाई 5.1 प्रतिशत रह सकती है। केंद्रीय बैंक ने फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है और 3 से 5 अगस्त के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक के फैसले पर सभी की नजर रहेगी।

मांग बनी हुई है मजबूत, लेकिन कंपनियों की नजर बाजार पर

रिपोर्ट के अनुसार, अब तक ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की मांग स्थिर बनी हुई है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सर्वे के मुताबिक जून में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़ी, जो मई के मुकाबले बेहतर रही। हालांकि कंपनियां अब यह भी देख रही हैं कि कीमतें बढ़ने के बाद ग्राहकों की खरीदारी पर कितना असर पड़ता है। साथ ही मानसून और पश्चिम एशिया की भू राजनीतिक स्थिति आने वाले समय में महंगाई की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उद्योग जगत का मानना है कि ओणम और उसके बाद शुरू होने वाले त्योहारी सीजन से पहले यह फिलहाल आखिरी बड़ी मूल्य वृद्धि हो सकती है। कंपनियों को उम्मीद है कि त्योहारी मांग मजबूत रहने से आगे कीमतों में बड़े बदलाव की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ऊर्जा लागत और महंगाई बना रही दबाव

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव के कारण ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतों में तेजी आई है। इसका असर कंपनियों की उत्पादन और लॉजिस्टिक लागत पर भी पड़ा है। इसी दबाव के चलते हैवेल्स इंडिया अपने उत्पादों की कीमतें 8 प्रतिशत तक बढ़ा चुकी है। वहीं टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के नमक की कीमत भी करीब 7 प्रतिशत बढ़ चुकी है। वित्त मंत्रालय ने भी कहा है कि अब महंगाई का दबाव सिर्फ खाद्य वस्तुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि ईंधन और मौसम की वजह से दूसरे उपभोक्ता उत्पाद भी प्रभावित हो रहे हैं।

चाय, तेल, टीवी और कारें महंगी

देश में रोजमर्रा की जरूरतों के कई उत्पादों की कीमतें बढ़ने लगी हैं। पैकेज्ड चाय, हेयर ऑयल, साबुन, घरेलू उपयोग की वस्तुओं से लेकर टीवी, फ्रिज और यात्री वाहनों तक के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल की महंगाई, पश्चिम एशिया में जारी तनाव से बढ़ी मालभाड़ा लागत और रुपये की कमजोरी के कारण उत्पादन लागत बढ़ी है।

किन उत्पादों के बढ़ेंगे दाम

- पैकेज्ड चाय
- हेयर ऑयल
- साबुन और अन्य एफएमसीजी उत्पाद
- खाद्य तेल व पैकेज्ड फूड
- रेडीमेड कपड़े
- टीवी और फ्रिज
- अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स
- यात्री वाहन (कारें)

ऑटो सेक्टर में भी असर

देश की प्रमुख वाहन कंपनियां अगस्त से नई कीमतें लागू कर रही हैं। मारुति सुजुकी की कारें 15 हजार से 30 हजार रुपये तक महंगी हो सकती हैं। होंडा कार्स इंडिया ने भी कीमतें बढ़ाने का फैसला किया है, जबकि मर्सिडीज-बेंज ने अगले कुछ महीनों में मूल्य वृद्धि के संकेत दिए हैं। टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा पहले ही अपने वाहनों के दाम बढ़ा चुकी हैं। टीवी, फ्रिज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे मेमोरी चिप्स की महंगाई, आयात लागत में वृद्धि और वैश्विक सप्लाई चेन की समस्याएं प्रमुख कारण हैं। कंपनियों का कहना है कि लागत बढ़ने के कारण कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है।

एफएमसीजी कंपनियों पर बढ़ा दबाव

खाद्य तेल, पेट्रोलियम आधारित पैकेजिंग सामग्री और अन्य कच्चे माल के महंगे होने से एफएमसीजी कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ गई है। यही अतिरिक्त बोझ अब उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है।

कीमतें बढ़ने की प्रमुख वजहें
- पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित।
- समुद्री मालभाड़ा महंगा होना।
- कच्चे तेल और अन्य कमोडिटी की कीमतों में तेजी।
- रुपये में कमजोरी से आयात लागत बढ़ना।
- कच्चे माल और पैकेजिंग सामग्री का महंगा होना।
- त्योहारी सीजन से पहले आखिरी बढ़ोतरी?

ई-20 फ्यूल पर संसद में सरकार का दावा

एथनॉल नहीं होता तो पेट्रोल 125 रुपये लीटर बिकता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति का संसद में जोरदार बचाव किया है। सरकार ने स्पष्ट किया कि अगर यह कदम न उठाया गया होता, तो वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने पर देश में पेट्रोल की कीमत 125 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच जाती। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, घरेलू स्तर पर तय कीमतों पर खरीदे गए एथनॉल के कारण मिडिल ईस्ट संकट के दौरान उपभोक्ताओं को लगभग 30 रुपये प्रति लीटर की सीधी बचत हुई और उन्हें 94.77 रुपये प्रति लीटर का ही भुगतान करना पड़ा। क्योंकि, भारत में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाया जा रहा था। इथेनॉल अपने ही देश में बनता है और इसकी कीमत पहले से तय रहती है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने का इस पर कोई असर नहीं पड़ा। मंत्रालय ने उन आरोपों का भी खंडन किया कि गरीबों के लिए निर्धारित अनाज को एथनॉल उत्पादन के लिए डायवर्ट किया जा रहा था, या सब्सिडी वाले एफसीआई चावल का उपयोग कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए किया जा रहा था। गौरतलब है कि 28 फरवरी, 2026 को मिडिल ईस्ट में शुरू हुए युद्ध के बाद भारत में सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लगभग 75 दिनों तक स्थिर रखा, फिर मई में इनमें 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। दिल्ली में अब स्टैंडर्ड ई-20 पेट्रोल की कीमत 102.12 रुपये प्रति लीटर है, जबकि बिना एथनॉल वाले पेट्रोल की कीमत 169 रुपये है।

वाहनों की माइलेज

सड़क परिवहन मंत्रालय ने लोकसभा में बताया कि ई-10 ईंधन के लिए डिजाइन किए गए बीएस-3, बीएस-4 और बीएस-6 वाहनों में ई-20 पेट्रोल डालने पर गाड़ी की माइलेज या ईंधन दक्षता में 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत की कमी आ सकती है। इससे पहले पेट्रोलियम मंत्रालय ने माइलेज में 3 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक की ही कमी की बात कही थी। दोनों मंत्रालयों ने साफ किया कि एथनॉल मिश्रण को अचानक नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक और चरणबद्ध तरीके से किया गया है। इसके लिए देश में एथनॉल उत्पादन क्षमता और इंफ्रास्ट्रक्चर को धीरे-धीरे बढ़ाया गया।

जांच और टेस्टिंग के बाद लिया गया फैसला

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में बताया कि ई-20 पेट्रोल शुरू करने से पहले ऑटोमोबाइल कंपनियों, तेल कंपनियों से सलाह ली गई। यह फैसला गाड़ी के इंजन की मजबूती, पार्ट्स की अनुकूलता और प्रदूषण के स्तर की पूरी जांच और सत्यापन के बाद लिया गया।

विदेशी नागरिकों के निर्वासन पर केंद्र सरकार की सुप्रीम कोर्ट में सख्त शर्तें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि किसी भी विदेशी नागरिक को, जिसकी राष्ट्रीयता की पुष्टि नहीं हुई है, उस बिना उसके अपने देश की सहमति के वापस नहीं भेजा जा सकता। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीयता सत्यापित किए बिना निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करना संभव नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राजूबाला दास की याचिका के जवाब में महत्वपूर्ण हलफनामा दिया है। यह हलफनामा सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2025 के उस आदेश के आलोक में दिया गया है, जिसमें उन व्यक्तियों को विदेशी घोषित करने की मांग की गई थी जिनकी नागरिकता की पहचान नहीं हुई है।

केंद्र सरकार के अनुसार, किसी विदेशी नागरिक को उसके देश वापस भेजने के लिए कई मूलभूत शर्तें पूरी होनी चाहिए। इनमें उसकी सजा या कानूनी प्रक्रिया का पूरा होना, उसके पास उचित यात्रा दस्तावेज या पासपोर्ट होना और कोई आपराधिक मामला लंबित न होना शामिल है। हालांकि, सबसे अहम शर्त यह है कि उसका मूल देश उसकी राष्ट्रीयता की आधिकारिक पुष्टि करे और उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हो।

गृह मंत्रालय ने बताया है कि अगर संबंधित विदेशी नागरिक के पास वैध यात्रा दस्तावेज नहीं हैं, तब भारतीय सरकार को संबंधित दूतावास या उच्चायोग के माध्यम से उसकी राष्ट्रीयता की पुष्टि करनी होती है और आवश्यक यात्रा दस्तावेज प्राप्त करने होते हैं। यह प्रक्रिया पूरी होने और संबंधित देश की स्वीकृति मिलने के बाद ही निर्वासन संभव है।

केंद्र सरकार ने जोर दिया है कि जब तक राष्ट्रीयता सत्यापित नहीं होती और वापसी संभव नहीं हो जाती, तब तक ऐसे अवैध प्रवासियों की आवाजाही को रोकना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। सरकार की दलील है कि उन्हें फरार होने से रोकने, राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंततः डिपोर्टेशन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए यह कदम अनिवार्य है। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीयता का सत्यापन करना विदेशी सरकारों पर निर्भर करता है, इसलिए, इसके लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की जा सकती। ऐसी स्थिति में, इन विदेशी नागरिकों को तब तक निर्धारित केंद्रों में रखना अनिवार्य है जब तक उनकी राष्ट्रीयता तय न हो जाए और उनकी वापसी सुनिश्चित न हो सके।

पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

पहले एयरपोर्ट के नाम एक परिवार...अब जननायकों को समर्पित

अमरावती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्रप्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम में अल्लूरी सीताराम राजू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के मौके पर कांग्रेस पर हमलावर दिखे। दिल्ली में सीजेपी के बड़े विरोध के बाद पलटवार कर, पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि पूर्व में हवाई अड्डों का नाम अक्सर एक परिवार के नाम पर रखा जाता था, जबकि उनकी केंद्र सरकार ने परंपरा को बदलकर विकास और जननायकों को समर्पित किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम वाल्मीकि और पंजाब में संत रविदास के नाम पर रखा है, और अब भोगपुरम में नए हवाई अड्डे का नाम महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखने का फैसला हुआ है। उन्होंने इस नए एयरपोर्ट को आंध्र और उत्तर आंध्र की वृद्धि का रनवे और यहां के युवाओं के बेहतर भविष्य का लांच पैड बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वर्ण आंध्र के विजन को साकार करने के लिए केंद्र में एनडीए सरकार की दोगुनी गति से काम करने की बात कही।

पीएम मोदी ने देश के एविएशन सेक्टर में हुई असाधारण प्रगति का उल्लेख कर बताया कि 2014 तक देश में केवल 74 हवाई अड्डे चालू थे, जो आज बढ़कर 166 हैं। उन्होंने कहा कि एक समय था जब हवाई यात्रा बड़े शहरों तक ही सीमित थी, लेकिन एनडीए सरकार के तहत अब छोटे शहरों के आम लोग भी हवाई यात्रा का लाभ मिल रहा हैं। रेल, रोड और एयरपोर्ट को जोड़ने की अपनी नीति पर बात करते हुए उन्होंने आंध्र में चल रही करीब 1 लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं का जिक्र किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार के ब्लू इकोनॉमी को मजबूत करने के विजन पर बात की। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे तटीय क्षेत्र को एक कोस्टल इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में विकसित करना चाहती है। इसी लक्ष्य के साथ विशाखापट्टनम से कृष्णापट्टनम तक पुराने बंदरगाहों का आधुनिकीकरण हो रहा है, और मुलापेटा व रामायापट्टनम में नए बंदरगाह बनाए जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने सीएम चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण के नेतृत्व में पूरी एनडीए टीम की सराहना कर कहा कि वे आंध्रप्रदेश के विकास के लिए दोगुनी रफ़्तार से काम कर रहे हैं। उन्होंने उड़ान योजना के दूसरे चरण के लिए आवंटित 29 हजार करोड़ रुपये के खर्च और हब-एंड-स्पोक एयरपोर्ट मॉडल का जिक्र किया, जिसका उद्घाटन काशी में किया गया था और अब अमृतसर तक पहुंचाया गया है, जिससे अमृतसर 25 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ जाएगा। यह दिन आंध्र प्रदेश के विकास और स्वर्ण आंध्र के विजन को साकार करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

देश में गंदगी फैलाते, विदेश में जाकर जेंटलमैन बन जाते:हाईकोर्ट की कड़ी फटकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने देश में स्वच्छता के प्रति लापरवाही बरतने और जगह-जगह कचरा फैलाने वालों को कड़ी फटकार लगाई दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने तीखी टिप्पणी कर कहा कि ये लोग अपने देश में गंदगी फैलाते हैं, लेकिन विदेश जाते ही सुधर जाते हैं और जेंटलमैन होने का नाटक करते हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने सवाल उठाया कि जब विदेश में तय जगह पर कचरा डाला जा सकता है, तब अपने देश में क्यों नहीं। अदालत ने कहा कि साफ-सफाई की जिम्मेदारी समाज की भी है और लोगों को कम से कम अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए। बॉम्बे हाई कोर्ट में कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड के आसपास गंदगी और बदबू को लेकर दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर फटकार लगाई।

अदालत ने कहा कि यहीं लोग विदेश में चॉकलेट के रैपर भी डस्टबिन में डालते हैं, लेकिन यहां आकर लापरवाही बरतते हैं। क्या यही हमारी आज़ादी और लोकतंत्र का अर्थ है? शहर के बीचों-बीच प्लास्टिक के ढेर लगे हैं, जिससे एक सभ्य समाज की हमारी छवि धूमिल होती है। हाई कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएस) के स्वच्छ मुंबई, सुंदर मुंबई कार्यक्रम की निष्क्रियता पर भी चिंता जाहिर की हैं, यह कहते हुए कि न जनता सहयोग कर रही है और न ही मशीनरी ठीक से काम कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सड़कें कोई डंपिंग ग्राउंड नहीं हैं, जहां सारा कूड़ा-कचरा डाल दिया जाए। यहां तक कि हाई कोर्ट परिसर के पास भी कचरे के ठीक से निपटान न होने और न उठाए जाने पर भी बेंच ने नाराजगी जाहिर की।

बेंच ने गौर किया कि बड़ी संख्या में पर्यटक गंदगी को देखते हैं, जिससे शहर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती है।

रिलायंस एडीए मामले में सीबीआई को झटका, कोर्ट ने कहा-

आरोपपत्र की प्रति देना आरोपी का कानूनी अधिकार

मुंबई। रिलायंस एडीए समूह से जुड़े मामलों की जांच में गिरफ्तार रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) के पूर्व निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) देवांग मोदी को विशेष अदालत ने बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आरोपपत्र (चार्जशीट) की प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। विशेष न्यायाधीश नितिन वी. जिवाने ने सीबीआई की आपत्ति खारिज करते हुए कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत किसी भी आरोपी को बिना अनावश्यक देरी के आरोपपत्र की प्रति प्राप्त करने का अधिकार है, भले ही अदालत ने अभी मामले में संज्ञान (कॉग्निजेंस) न लिया हो। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सीबीआई द्वारा दाखिल आरोपपत्र की विधिवत जांच और पंजीकरण हो चुका है। इसलिए आरोपी होने के नाते देवांग मोदी को चार्जशीट की प्रति प्राप्त करने का पूरा अधिकार है, ताकि वह अपने बचाव के लिए आवश्यक कानूनी सहायता ले सकें। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपपत्र की प्रति देने से सीबीआई की जांच या अभियोजन को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। चूंकि मामले का रिकॉर्ड काफी विस्तृत और बड़ा है, इसलिए अदालत ने चार्जशीट की प्रति इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

- सीबीआई ने किया था विरोध

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि चार्जशीट दाखिल होने के बाद देवांग मोदी को अदालत में पेश किया गया था और कानून में निर्धारित 14 दिनों की अवधि समाप्त होने के बावजूद सीबीआई ने उन्हें आरोपपत्र की प्रति उपलब्ध नहीं कराई। वहीं, सीबीआई ने इस मांग का विरोध करते हुए कहा कि हालांकि आरोपपत्र दाखिल कर दिया गया है, लेकिन मामले में जांच अभी भी जारी है। एजेंसी सार्वजनिक अधिकारियों और अन्य संदिग्धों की भूमिका की जांच कर रही है। सीबीआई का यह भी तर्क था कि चूंकि अदालत ने अभी तक मामले का संज्ञान नहीं लिया है, इसलिए इस चरण में आरोपपत्र की प्रति उपलब्ध नहीं कराई जानी चाहिए। हालांकि, विशेष अदालत ने सीबीआई की दलीलों को स्वीकार नहीं किया और स्पष्ट किया कि कानून के अनुसार आरोपी को समय पर आरोपपत्र की प्रति उपलब्ध कराना उसका वैधानिक अधिकार है।

आजादी का अर्थ मनमर्जी नहीं, देशहित सर्वोपरि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल को पुणे में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। इस मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। सम्मान स्वरूप डोभाल को पारंपरिक पुणेरी पगड़ी, स्मृति चिह्न, चेक और गीता रहस्य की प्रति भेंट की गई। सम्मान ग्रहण करने के बाद अपने संबोधन में डोभाल ने युवाओं को आजादी का सही अर्थ समझने का महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसमें उन्होंने देशहित को सर्वोपरि रखने पर जोर दिया।

एनएसए डोभाल ने स्पष्ट किया कि आजादी का मतलब मनमर्जी या कुछ भी करना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सोच बिल्कुल गलत है कि हर नागरिक को सबसे पहले सिर्फ देशहित के बारे में सोचना चाहिए। डोभाल ने युवाओं से अपील की कि वे किसी भी इसतरह के रास्ते पर न बढ़ें जो राष्ट्रहित के खिलाफ हो, क्योंकि भारत को शक्तिशाली बनाना हम सभी का पहला कर्तव्य है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत वर्तमान में आंतरिक और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों से निपट रहा है, और देश की तीव्र प्रगति से कुछ विरोधी ताकतें परेशान हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मजबूत नेतृत्व की सराहना कर कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि देश को ऐसा नेतृत्व मिला है। डोभाल ने लोकमान्य तिलक को याद कर बताया कि उन्होंने पुणे में अपनी शुरुआती पढ़ाई के दौरान ही तिलक के विचारों को विस्तार से जाना था।

डबल मनी केस में एसआईटी का शिकंजा और कसा, निवेशकों की तीसरी सूची जारी

5 दिन की रिमांड में खुल सकते हैं करोड़ों के खेल के बड़े राज, अब तक 413 निवेशकों के नाम सार्वजनिक, एसपी कार्यालय में दस्तावेज जमा करने उमड़ रही भीड़, सोमेंद्र कंकरायने समेत तीन आरोपी पुलिस रिमांड पर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के बहुचर्चित करोड़ों रुपये के डबल मनी मामले में पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) लगातार शिकंजा कसती जा रही है। एक ओर मास्टरमाइंड सोमेंद्र कंकरायने सहित तीन आरोपियों से पांच दिन की पुलिस रिमांड के दौरान गहन पूछताछ जारी है, वहीं दूसरी ओर पुलिस ने 31 जुलाई की देर रात निवेशकों की तीसरी सूची जारी कर मामले में नई हलचल पैदा कर दी है। इस सूची में भी लगभग 150 निवेशकों के नाम शामिल किए गए हैं। इससे पहले पुलिस पहली सूची में 113 और दूसरी सूची में 150 निवेशकों के नाम सार्वजनिक कर चुकी थी। अब तक कुल 413 निवेशकों की सूची जारी होने के बाद एसपी कार्यालय में आवेदन जमा कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

एसआईटी द्वारा आरोपियों से बरामद रजिस्टरों और दस्तावेजों के आधार पर निवेशकों की पहचान कर सूचीबद्ध किया जा रहा है। जिन लोगों के नाम सूची में शामिल किए जा रहे हैं, उन्हें निर्धारित तिथि पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्पडेस्क पर पहुंचकर निवेश से संबंधित दस्तावेज, रसीदें, चेक एवं अन्य प्रमाण जमा करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह प्रक्रिया केवल निवेश का सत्यापन करने के लिए है। राशि लौटाने की कार्रवाई न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने तथा आरोपियों की जब्त संपत्तियों के वैधानिक निस्तारण के बाद ही की जाएगी। इधर, न्यायालय से पांच दिन की पुलिस रिमांड मिलने के बाद एसआईटी ने सोमेंद्र कंकरायने सहित तीन आरोपियों से पूछताछ का दायरा और बढ़ा दिया है। 31 जुलाई को तीनों आरोपियों को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया, जिसके बाद उन्हें पुन: पूछताछ के लिए ले जाया गया। पुलिस सूत्रों की मानें तो पूछताछ केवल निवेश की राशि तक सीमित नहीं है, बल्कि पैसों के लेन-देन, संपत्तियों के निवेश, बैंक खातों, सोना-चांदी की खरीद, लग्जरी वाहनों और अन्य आर्थिक गतिविधियों की भी गहन पड़ताल की जा रही है। हाल ही में एसआईटी ने सोमेंद्र कंकरायने की दो लग्जरी गाड़ियां भी जब्त की हैं। इनमें एक वाहन गोंदिया और दूसरा ग्वालियर से बरामद किया गया है। इन वाहनों की बरामदगी के बाद जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि मामले से जुड़े कई नए सुराग सामने आ सकते हैं। पुलिस अब इन वाहनों के उपयोग, इनके माध्यम से हुए आवागमन तथा संभावित आर्थिक लेन-देन की भी जांच कर रही है। जिलेभर में अब इस बात

को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है कि पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी किन-किन लोगों के नाम उजागर करेगा। शहर में कई बड़े कारोबारियों, विशेषकर कुछ सर्राफा व्यवसायियों तथा प्रभावशाली लोगों के नामों को लेकर चर्चाएं गर्म हैं। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी भी नए नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन एसआईटी की लगातार चल रही कार्रवाई से यह स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि जांच का दायरा लगातार बढ़ रहा है। दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्पडेस्क पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में निवेशक अपने दस्तावेज लेकर पहुंच रहे हैं। जिन लोगों के नाम अभी सूची में शामिल नहीं हुए हैं, उन्हें पुलिस ने धैर्य रखने और अगली सूची का इंतजार करने की अपील की है। एसआईटी का कहना है कि जब्त रजिस्टरों में दर्ज सभी नामों का क्रमवार सत्यापन किया जा रहा है और प्रत्येक पात्र निवेशक को प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। डबल मनी मामलें की जांच अब ऐसे मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां हर दिन नए दस्तावेज, नए नाम और नए तथ्य सामने आ रहे हैं। पांच दिन की पुलिस रिमांड को इस पूरे मामले का सबसे अहम चरण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि यदि पूछताछ में महत्वपूर्ण खुलासे होते हैं तो आने वाले दिनों में कई और लोगों की भूमिका जांच के दायरे में आ सकती है। फिलहाल जिले की निगाहें एसआईटी की अगली कार्रवाई और सोमेंद्र कंकरायने से होने वाले संभावित खुलासों पर टिकी हुई हैं।

लग्जरी वाहनों की जब्ती के बाद जांच ने पकड़ी नई रफ्तार

हाल ही में एसआईटी ने सोमेंद्र कंकरायने की दो लग्जरी गाड़ियां भी जब्त की हैं। इन वाहनों की जब्ती को जांच की अहम कड़ी माना जा रहा है। पुलिस अब इन वाहनों से जुड़े दस्तावेज, स्वामित्व, उपयोग और आर्थिक लेन-देन की भी पड़ताल कर रही है। जांच एजेंसियों का मानना है कि इनसे कई ऐसे तथ्य सामने आ सकते हैं, जो पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में मददगार साबित होंगे।

शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म, लेकिन पुलिस ने नहीं की किसी नए नाम की पुष्टि

डबल मनी घोटाले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे शहर में तरह-तरह की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। लोग इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि पांच दिन की पुलिस रिमांड के दौरान सोमेंद्र कंकरायने किन-किन लोगों के नाम उजागर करेगा और जांच की दिशा क्या होगी। हालांकि सोशल मीडिया और शहर में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन पुलिस ने अब तक किसी नए व्यक्ति या किसी विशेष वर्ग से जुड़े लोगों की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। एसआईटी का स्पष्ट कहना है कि जांच पूरी तरह दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों और पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है। किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई केवल पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद ही की जाएगी।

पंचेरा के जंगल में भालू का हमला मजदूर घायल

पेड़ पर चढ़कर बचने का किया प्रयास भालू ने नीचे खींच कर किया हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचेरा के जंगल में खरका लाने गए एक व्यक्ति पर भालू ने हमला कर दिया। हमले में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति

बलवान सिंह पिता मानसिंह पन्द्रे 50 वर्ष ग्राम कोड़िया टोला थाना ग्रामीण निवासी है। जिसे तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल बलवान सिंह पन्द्रे ग्राम कोड़िया टोला निवासी खेती किसानी एवं मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके परिवार में पत्नी देवकी पन्द्रे हैं।जबकि उनकी दोनों बेटियों का विवाह हो चुका है और वे अपने अपने ससुराल में रहती हैं। वर्तमान में बलवान सिंह अपनी पत्नी के साथ कोड़िया टोला में निवास करते हैं।बताया गया कि 31 जुलाई की दोपहर लगभग 4 बजे बलवान सिंह बाड़ी के लिए खरका लाने ग्राम पंचेरा के जंगल गए थे। वे जंगल में नाले के किनारे झाड़ियों से खरका काट रहे थे। इसी दौरान अचानक दो शावकों के साथ एक मादा भालू वहां पहुंच गई। भालू को सामने देखकर बलवान सिंह ने अपनी जान बचाने के लिए पास के एक पेड़ पर चढ़ने का प्रयास किया। लेकिन इससे पहले कि वे सुरक्षित ऊपर पहुंच पाते। भालू ने उन पर हमला कर दिया और उसके दाहिने पैर को पकड़कर जोर से नीचे खींच लिया। जिससे बलवानसिह पेड़ से नीचे गिर पड़े। गिरते ही भालू ने उन पर दोबारा हमला कर दिया। हमले के दौरान बलवान सिंह औंधे होकर जमीन पर लेट गए। इसी बीच भालू ने उनके बाएं कान को बुरी तरह नोच डाला तथा शरीर के अन्य हिस्सों पर भी गंभीर चोटें पहुंचाईं। कुछ देर बाद भालू अपने दोनों शावकों के साथ जंगल की ओर चली गई।घायल अवस्था में किसी तरह बलवान सिंह अपने घर पहुंचे और पत्नी देवकी सहित पड़ोसियों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया।जहां चिकित्सक की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है।

मंगेझरी में फिर जंगली सूअर का हमला

खेत में काम कर रहे मजदूर को किया गंभीर

तीन दिन में दूसरी घटना, लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग पर लापरवाही के आरोप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वन परिक्षेत्र वारासिवनी अंतर्गत ग्राम मंगेझरी में जंगली सूअरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को खेत में मजदूरी कर रहे एक युवक पर जंगली सूअर ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घायल मजदूर महेंद्र पिता चंदन मर्सकोले 30 वर्ष मलंगटोला मंगेझरी निवासी को पहले वारासिवनी सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 29 जुलाई को भी इसी गांव में कृषि कार्य के दौरान एक महिला जंगली सूअर के हमले में घायल हुई थी। जिसका उपचार अभी जिला अस्पताल में जारी है। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है।

खेत में काम करते समय जंगली सूअर ने किया हमला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मंगेझरी के मलंग टोला निवासी महेंद्र मर्सकोले मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। परिवार में उनकी मां और दो भाई हैं। जिनमें महेंद्र सबसे बड़े हैं।1 अगस्त की सुबह वह गांव की पंचशीला मेश्राम के खेत में मजदूरी से कृषि कार्य करने गए थे।सुबह लगभग 10 बजे खेत में काम के दौरान समीप के जंगल से अचानक एक जंगली सूअर निकला और महेंद्र पर हमला कर दिया। हमले में उनके सीने और हाथ में गंभीर चोटें आईं। जिससे वह खेत में ही गिर पड़े। उनकी चीख पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान मौके पर पहुंचे और शोर मचाकर जंगली सूअर को भगाया।घायल महेंद्र को तत्काल मोटरसाइकिल से वारासिवनी के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए,जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया।

तीन दिन में दूसरी घटना-पहले भी महिला हो चुकी है घायल

गौरतलब है कि 29 जुलाई को इसी गांव की चेतना उदयपुरे कृषि कार्य के दौरान जंगली सूअर के हमले में घायल हो गई थीं। उनका उपचार अभी जिला अस्पताल बालाघाट में चल रहा है। ग्रामीणों के अनुसार इससे पहले 9 जुलाई को भी इसी प्रकार की घटना हुई थी। लगातार हो रहे हमलों ने गांव के किसानों और मजदूरों में भय का वातावरण बना दिया है।

वनों से घिरा है क्षेत्र खेती करना बन रहा जोखिम भरा

ग्राम मंगेझरी का मलंग टोला चारों ओर से जंगलों से घिरा हुआ है। इस कारण यहां जंगली सूअर सहित अन्य वन्य जीवों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। सबसे अधिक खतरा खेतों में काम करने वाले किसानों और मजदूरों को रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं और लगभग हर महीने दो से चार लोग जंगली सूअरों के हमलों का शिकार बनते हैं।

परिवार पर आएगा आर्थिक संकट

महेंद्र मर्सकोले मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। गंभीर रूप से घायल होने के कारण फिलहाल वे काम करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में उनके परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने की आशंका है। ग्रामीणों ने वन विभाग से उचित मुआवजा एवं शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

वन विभाग पर लापरवाही के आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार शिकायतों के बावजूद वन विभाग जंगली सूअरों के आतंक पर अंकुश लगाने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठा रहा है। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में और भी गंभीर हादसे हो सकते हैं।

क्या बोले वन समिति अध्यक्ष

वन समिति अध्यक्ष दिनेश चौहान ने बताया कि इस क्षेत्र में जंगली सूअरों के हमले लगातार हो रहे हैं। आज एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ है। इससे पहले 29 जुलाई को एक महिला और 9 जुलाई को भी एक व्यक्ति हमले का शिकार हुआ था। लगभग हर महीने दो से चार ऐसी घटनाएं होती हैं। जब भी वन विभाग को सूचना दी जाती है तो अधिकारियों का जवाब होता है कि अपनी व्यवस्था स्वयं करें। विभाग इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज कर रहा है, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने वन विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि जंगली सूअरों के बढ़ते आतंक पर तत्काल प्रभावी नियंत्रण किया जाए, प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए तथा खेतों में काम करने वाले किसानों और मजदूरों की सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

नूतनकला निकेतन में स्व. मोहम्मद रफी को सारेगमप संगीतमयी श्रद्धाजंलि

हिन्दी सिनेमा के स्वर्णिम युग के अमर कलाकारों को किया नमन

पदमेश न्यूज।बालाघाट। जिले की सांस्कृतिक संस्था नूतनकला निकेतन सभागार में 31 जुलाई शुक्रवार की रात स्वर सम्राट मोहम्मद रफी साहब की 46 वीं पुण्यतिथि पर गीतों की महफिल सजाई गई। मोहम्मद रफी को सारेगमप संगीतमयी श्रद्धाजंलि दी गई। वहीं हिन्दी सिनेमा के स्वर्णिम युग के दिवंगत अमर कलाकारों को भी नमन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित

अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अतिथियों ने स्व. मोहम्मद रफी के छायाचित्र पर भी माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी।इस दौरान शहर के जाने माने वरिष्ठ आक्रेस्टा के कलाकारों द्वारा पुराने हिन्दी फिल्मों के रफी साहब द्वारा गाये गीतों सहित अन्य दिवंगत गीतकारों के गीतों की एक से बढकर एक सुमधुर प्रस्तुति दी गई।इस दौरान मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक ललीत शाक्यवार, डीआईजी विनीत जैन, नूतनकला निकेतन के संरक्षक किरण भाई त्रिवेदी, नूतनकला निकेतन के अध्यक्ष रूप बनवाले व काफी संख्या में शहर के गायक कलाकार व प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

5 अगस्त सावन महोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

महिलाओं और बच्चियों के लिए होंगी आकर्षक प्रतियोगिताएं

पदमेश न्यूज।बालाघाट। सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय पंख संस्था द्वारा आगामी 5 अगस्त को भव्य सावन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों और रूपरेखा की जानकारी संस्था के पदाधिकारियों ने शनिवार को नगर मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने बताया कि सावन की पारंपरिक संस्कृति, उत्साह और महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

सावन की खुशियों को, समाज की बीच साझा करना है

पदाधिकारियो ने बताया कि इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य सावन पर्व की पारंपरिक खुशियों को समाज के बीच साझा करना,और महिलाओं और बच्चियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराना है। सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए संस्था ने नगरवासियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने और सावन महोत्सव को सफल बनाने की अपील की।आयोजन समिति को दर्जनों प्रतिभागियों के पंजीयन की उम्मीद है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

मिस सावन एंव मिसेस सावन प्रतियोगिता होगी आकर्षण का केंद्र - पूजा अग्रवाल

संस्था की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव में महिलाओं, युवतियों और बच्चियों के लिए अनेक आकर्षक प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण मिस सावन प्रतियोगिता होगी, जिसमें बच्चियां अपनी प्रतिभा और पारंपरिक परिधानों के साथ भाग लेंगी। वहीं विवाहित महिलाओं के लिए मिसेस सावन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता, व्यक्तित्व और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।उन्होंने बताया कि इसके अलावा भी सावन की थीम पर आधारित कई मनोरंजक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है।

प्रमाण पत्र गुम सूचना

मैं कीर्ति नायडू पिता रामूनायडू उम्र 56 वर्ष निवासी वार्ड नं. 16 थाना तहसील व जिला बालाघाट 30 जुलाई को मेरे पास से हिन्दी टायपिंग का प्रमाण पत्र गुम हो गया है। उक्त प्रमाण पत्र की मुझे अति आवश्यकता है यदि जिस किसी सज्जन को मिलता है तो कृपया मो. 9425853208 में संपर्क करने का कष्ट करे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 02 अगस्त 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सावन में गूंज रही शिवमहापुराण कथा, धर्ममय वातावरण में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन मास और गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बालाघाट शहर के वार्ड क्रमांक 33 श्रीराम नगर, गायखुरी स्थित सुमित्रा

हाईट्स भवन में विलक्षण रामायण महिला मंडल द्वारा सात दिवसीय संगीतमयी सार्वजनिक श्री शिवमहापुराण एवं रुद्राभिषेक महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 29 जुलाई से प्रारंभ हुआ यह धार्मिक आयोजन 5 अगस्त तक चलेगा। आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान शिव की आराधना, रुद्राभिषेक एवं शिवमहापुराण कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। आयोजन समिति की प्रमुख श्रीमती सुमित्रा तिलकचंद भागड़कर ने बताया कि जिले की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की मंगल कामना के साथ सावन मास में इस विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सर्वदेव पूजन एवं भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक कराया जा रहा है। इसके बाद दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक ब्रजरसिकाचार्य मुकेश तिवारी द्वारा श्री शिवमहापुराण कथा का संगीतमय वाचन किया जा रहा है। कथावाचक मुकेश तिवारी भगवान शिव के दिव्य चरित्र, भक्ति, वैराग्य, धर्म, कर्म और मानव जीवन में शिव तत्व के महत्व का सरल एवं भावपूर्ण शैली में वर्णन कर रहे हैं। कथा के दौरान प्रस्तुत किए जा रहे मधुर शिव भजन और संगीतमय प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर रही हैं। कथा पंडाल में प्रतिदिन महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों की उल्लेखनीय उपस्थिति देखी जा रही है। आयोजन समिति ने बताया कि 5 अगस्त को श्री शिवमहापुराण कथा का विधिवत विश्राम होगा। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ-हवन, पूर्णाहुति एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। विलक्षण रामायण महिला मंडल एवं आयोजन समिति ने जिले के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिवमहापुराण कथा का श्रवण करें, रुद्राभिषेक में सहभागी बनें और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में वैभव कश्यप, श्रीमती छाया ललित गुप्ता, तिलकचंद भागड़कर, बेनीराम खोटेले, रमेश पेंढारकर, शिववंशी जी, रामजी गौतम, संतोष लिल्हारे, श्रीमती मंदा बहेकार, राखी रावते, कला भगत, उर्मिला मिसारे, लौंगा बेदरे, अनुसुइया सोनेकर, श्रीमती कौशल्या दौने, विमला सोनेकर, श्रीमती भगत सहित आयोजन समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजन स्थल पर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना हुआ है, जिससे पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा है।

जिला अस्पताल का हाई रिस्क दावा निकला खोखला

निजी अस्पताल भेजी गई प्रसूता का जिला अस्पताल में ही हुआ सुरक्षित ऑपरेशन

विधायक के हस्तक्षेप से खुली रेफरल व्यवस्था की पोल, एक दिन पहले चिकित्सकों ने ऑपरेशन से किया था इनकार, निजी अस्पताल किया था रेफर, अगले ही दिन जिला अस्पताल में हुआ सफल सीजेरियन, स्वस्थ बच्ची के जन्म के बाद उठे बड़े सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला चिकित्सालय बालाघाट में मरीजों और विशेषकर प्रसूताओं को निजी अस्पतालों के लिए रेफर किए जाने के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं, लेकिन हालिया घटनाक्रम ने इन आरोपों को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। जिस प्रसूता को चिकित्सकों ने हाई रिस्क बताकर जिला अस्पताल में ऑपरेशन करने से इनकार कर निजी अस्पताल भेज दिया था, उसी महिला का अगले ही दिन जिला चिकित्सालय में सफल सीजेरियन कर सुरक्षित प्रसव करा दिया गया। प्रसूता ने स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया और जच्चा-बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस घटनाक्रम ने जिला अस्पताल की कार्यप्रणाली, चिकित्सकीय निर्णयों और रेफरल व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मामला सिवनी जिले के कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रामपुरी निवासी प्रीति गहरवाल का है, जिन्हें 30 जुलाई को प्रसव पीड़ा होने पर जिला चिकित्सालय बालाघाट में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि भर्ती के बाद कई घंटों तक न तो चिकित्सकों ने समुचित परीक्षण किया और न ही आवश्यक उपचार शुरू किया गया। काफी इंतजार के बाद जब प्रसूता को ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया, तब एनेस्थीसिया डॉ. अश्विनी भौतेकर ने मरीज को हाई रिस्क बताते हुए जिला अस्पताल में ऑपरेशन करने से इनकार कर दिया और निजी अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों द्वारा संभावित खतरे की बात कहे जाने से परिजन घबरा गए और प्रसूता को निजी अस्पताल ले गए। इसी दौरान पूरे मामले की जानकारी बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे तक पहुंची। विधायक ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए निजी अस्पताल से प्रसूता को वापस जिला चिकित्सालय बुलवाया और सिविल सर्जन के समक्ष पूरे मामले की जानकारी ली। करीब डेढ़ घंटे तक चली चर्चा में विधायक ने रेफर करने वाले चिकित्सकों से पूछा कि आखिर ऐसी कौन-सी स्थिति थी, जिसके कारण जिला अस्पताल में ऑपरेशन संभव नहीं था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि जिला अस्पताल में विशेषज्ञ और संसाधन उपलब्ध हैं तो मरीजों को बिना ठोस कारण निजी अस्पताल भेजना उचित नहीं है। विधायक के हस्तक्षेप और परिजनों की सहमति के बाद जिला चिकित्सालय में ही प्रसूता का सीजेरियन किया गया। 31 जुलाई को शाम 5:11 बजे प्रीति गहरवाल ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। प्रसव पूरी तरह सफल रहा और जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। इस घटनाक्रम ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि यदि जिला अस्पताल में सुरक्षित ऑपरेशन संभव था, तो एक दिन पहले मरीज को हाई रिस्क बताकर निजी अस्पताल क्यों भेजा गया? प्रसूता प्रीति गहरवाल ने बताया कि एक दिन पहले उन्हें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर है और ऑपरेशन के दौरान मां या बच्चे की जान को खतरा हो सकता है। इसी आधार पर उन्हें निजी अस्पताल जाने की सलाह दी गई थी। लेकिन जब जिला अस्पताल में ही सफल ऑपरेशन हो गया और स्वस्थ बच्ची का जन्म हुआ तो उन्हें भी समझ नहीं आया कि आखिर पहले उन्हें इतना भयभीत क्यों किया गया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद जिला चिकित्सालय में वर्षों से उठ रहे उन आरोपों को भी बल मिला है, जिनमें कहा जाता रहा है कि कुछ चिकित्सक मरीजों को विभिन्न चिकित्सकीय कारणों का हवाला देकर निजी अस्पतालों की ओर रेफर करते हैं। कई मरीजों और परिजनों का आरोप रहा है कि कभी हाई ब्लड प्रेशर, कभी ब्लड की कमी, तो कभी हाई रिस्क जैसी स्थितियां बताकर उन्हें निजी नर्सिंग होम जाने के लिए मजबूर किया जाता है। हालांकि चिकित्सकों का पक्ष यह रहता है कि मरीज की चिकित्सकीय स्थिति को देखते हुए ही रेफर किया जाता है, लेकिन प्रीति गहरवाल के मामले ने इन दावों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग के जानकारों का कहना है कि यदि जिला अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञों के बीच सफल ऑपरेशन संभव था, तो प्रारंभिक स्तर पर मरीज और परिजनों की बेहतर काउंसलिंग कर उपचार किया जाना चाहिए था। अनावश्यक रेफरल न केवल मरीज और परिजनों पर आर्थिक बोझ बढ़ाता है, बल्कि गंभीर स्थिति में समय की भी हानि करता है। फिलहाल स्वस्थ बच्ची के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने जिला चिकित्सालय की रेफरल व्यवस्था, चिकित्सकीय निर्णय प्रक्रिया और मरीजों के प्रति व्यवहार को लेकर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करता है या फिर यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह समय के साथ ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

शिक्षा विभाग के जिम्मेदारो की जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता में बड़ी लापरवाही

प्रतियोगिता में पंच से बालिका हुई बेहोश, एंबुलेंस, चिकित्सक व पानी तक कि नही मिली सुविधा
हाथ में उठाकर बालिका को अस्पताल लेकर पहुंची महिला कोच, लगाया लापरवाही का आरोप

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। नगर के उत्कृष्ट विद्यालय सभागार में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कराते प्रतियोगिता के दौरान एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां आयोजित प्रतियोगिता के दूसरे दिन प्रतिद्वंदी युवती के पंच से एक बालिका खिलाड़ी गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गई, इसके उपचार के लिए ना तो वहां चिकित्सक टीम थी और ना ही एंबुलेंस की व्यवस्था की थी। यहां तक की आयोजको द्वारा सभागृह में पेयजल तक के इंतजाम नहीं किए गए थे। हैरानी की बात को यह है कि इतनी बड़ी प्रतियोगिता में नियमों का पालन भी नहीं किया गया था। जहां प्रैक्टिस करवाने वालों को ही रेफरी बनाकर बैठा दिया गया था, तो वही प्रतियोगिता के तहत सुरक्षा से संबंधित अन्य सुविधाएं मुहैया नहीं कराई गई थी।

ना चिकित्सक मिला, ना एम्बुलेंस, घायल को हाथों में उठाकर अस्पताल पहुची महिला ट्रेनर

उधर प्रतियोगिता के दौरान पंच से बालिका के घायल होने पर जब चिकित्सक व एंबुलेंस नहीं मिली तो गंभीर रूप से घायल बेहोश बालिका को महिला ट्रेनर जय श्री सोनवाने ने एक पुरुष साथी के साथ हाथ में उठा लिया और दौड़ते भागते हुए एक निजी अस्पताल पहुंची, जहां उक्त बालिका को भर्ती कराया गया है ।जहा उसका उपचार जारी है। फिलहाल बालिका की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है लेकिन प्रतियोगिता के दौरान बालिका के बेहोश होने और चिकित्सक एंबुलेंस सहित पानी तक की सुविधा न मिलने पर महिला ट्रेनर ने नाराजगी जताई है।

जिला क्रीड़ा अधिकारी बोले मुझसे गलती हो गई

उधर जिला क्रीड़ा अधिकारी ने ऑन कैमरा अपनी गलती स्वीकार की है जिन्होंने सवाल पूछे जाने पर स्पष्ट कह दिया कि यह उनकी गलती है उन्हें नियमों के तहत व्यवस्था बनानी थी, हालांकि क्रीड़ा अधिकारी ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए इस पूरे मामले को शांत कर दिया ।लेकिन सवाल अब भी यही है की प्रतिद्वंदी के पंच से बेहोश हुई बालिका को यदि समय पर उपचार नहीं मिल पाता और उसके साथ कोई अनहोनी हो जाती तो फिर इसका जिम्मेदार कौन होता ?

इसके पहले भी अव्यवस्थाओं की भेंट चढ चुकी है प्रतियोगिता

हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं है, जब स्कूल शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार होने वाले जिलास्तरीय गेम्स में जिम्मेदार, रेफरी के भरोसे खेल को छोड़ देते है। यही नहीं बल्कि खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के दौरान भोजन और कीट से संबंधित सुविधा भी कम ही मिल पाती है, प्रतियोगिता के दौरान खिलाडियों को दिए गए समोसे का छोटा साइज भी चर्चा का विषय बना रहा। हालांकि इसके खिलाफ ऑन कैमरा किसी ने खुलकर नहीं बोला, लेकिन दबी जुबान में हर कोई समोसे के साइज को लेकर अपनी नाराजगी जता रहा था। खिलाड़ियों को दिया गया इस समोसे का साइज इतना अधिक छोटा था कि खिलाड़ियों ने उस पर भी सवाल खड़े किए हैं। जबकि इसका सारा खर्च ना केवल बच्चों की फीस से जमा होता है, बल्कि शासन भी प्रतियोगिता के लिए राशि जारी करता है। अब देखना है कि जिम्मेदार, विभाग की छवि पर लग रहे प्रश्न पर किस तरह का एक्शन लेते है।

क्या है पूरा मामला

दरअसल शनिवार को जिलास्तरीय कराते प्रतियोगिता के दौरान कराते खिलाड़ी बालिका श्रेया घरते, प्रतिद्वंदी खिलाड़ी के पंच पड़ने से गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश गई। जिसे महिला ट्रेनर, जयश्री सोनवाने, अपने एक पुरूष साथी के साथ, बालिका को हाथ में उठाकर पास ही एक निजी अस्पताल लेकर गई। जहां बालिका का उपचार चल रहा है ।उधर महिला ट्रेनर जयश्री सोनवाने ने प्रतियोगिता में आक्रामक खेल कराते के दौरान खिलाड़ियो के चोटिल होन के दौरान तत्काल मिलने वाली मेडिकल सहायता और मान्यता प्राप्त रेफरी की गैरमौजूदगी में प्रतियोगिता कराने के कारण, घटना के घटित होने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसके लिए सीधे शिक्षा विभाग, जिला क्रीड़ा अधिकारी को इसका जिम्मेदार बताया है।

प्रतियोगिता में बरती गई भारी लापरवाही- जयश्री सोनवाने

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान महिला ट्रेनर जयश्री सोनवाने ने बताया कि किसी भी प्रतियोगिता में एम्बुलेंस, डॉक्टर सहित प्रतियोगिता मान्यता प्राप्त रेफरी की मौजूदगी में आयोजित करानी चाहिए लेकिन जिले में खेल प्रतियोगिता को, जिम्मेदार अधिकारी, महज औपचारिकता निभाते हुए करवा रहे है। जिससे खिलाड़ियों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि आज भी ऐसा ही हुआ, सेकंड बाउट में प्रतिद्वंदी खिलाड़ी लगातार नियमों के विपरित श्रेया पर पंच मार रही थी लेकिन इसे रेफरी ने नहीं देखा। जिसके कारण बालिका के नाक पर पंच पड़ने से वह मूर्च्छित हो गई और उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी। घायल खिलाड़ी को तत्काल में स्वास्थ्य सुविधा की कोई व्यवस्था नहीं होने से उसे, पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूं-दीपक गिरी

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी ने, प्रतियोगिता के दौरान बरती गई लापरवाही को लेकर अपनी गलती स्वीकार की है ।उन्होंने बताया कि नियमो के तहत प्रतियोगिता के दौरान चिकित्सीय सुविधा, एम्बुलेंस होना चाहिए, जो यहां नही है, हालाकि पानी की व्यवस्था स्कूल में पहले से है। मान्यता प्राप्त रेफरी नहीं होने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि शिक्षा विभाग में कराते शिक्षक नहीं होने के कारण, कराते के प्रशिक्षकों को रेफरी बनाया गया है। जिन्हें खेल में हो रही गलती पर ध्यान देना था।

सिग्नल विहीन हुआ बालाघाट शहर, चरमाराई यातायात व्यवस्था

4दिन बाद भी अंबेडकर चौक के सिंग्नल का नही हुआ मरम्मत कार्य
यातायात प्रभारी बोली नपा को लिखा पत्र, सीएमओ बोले जल्द होगा सुधार

पदमेश न्यूज ।बालाघाट। नगर में लगातार बढ़ते जा रहे यातयात दबाव को कम करने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए नगर के तीन स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे ।लेकिन इन दिनों नगर के तीनों ट्राफिक सिग्नल बंद पड़े हैं जहां कालीपुतली चौक और हनुमान चौक में लगाया गया ट्रैफिक सिग्नल पिछले कई वर्षों से बंद है, तो वही 4 माह पूर्व अंबेडकर चौक में लगाया लगाए गए ट्रैफिक सिग्लनो में से एक सिग्नल को 4 दिन पूर्व ट्रक ने रौद दिया था, जिसके चलते अंबेडकर चौक का ट्रैफिक सिग्नल भी बंद हो चुका है। कुल मिलाकर कहा जाए तो अब बालाघाट नगर सिग्नल विभिन्न शहर नजर आ रहा है। जिसके चलते यातायात व्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा गई है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल की छुट्टी और शाम के वक्त नगर में देखने को मिल रही है ।आपको बताएं कि चार दिन पूर्व कि इस घटना के बाद अब तक उक्त ट्रैफिक सिग्नल को सुधारने की जहमत तक नहीं उठाई गई है।

28 जुलाई की रात बेलगाम ट्रक ने रौदा था सिग्नल

ज्ञात हो कि करीब 4 माह पूर्व, अंबेडकर चौक में ट्रेफिक सिंग्नल लगाए गए थे, लेकिन 28 जुलाई की देररात बेलगाम ट्रक ने एक सिग्नल पाईप को रौंध दिया। जिसके बाद से आंबेडकर चौक के यातायात सिग्नल बंद पड़ गए जो आज तक बंद ही है। जिससे आंबेडकर चौक पर नजर आने वाली ट्रेफिक व्यवस्था बेलगाम नजर आ रही है।

बिना सिंग्नल पुलिस ने पढ़ाया ट्रेफिक सिंग्नल का पाठ

बालाघाट में शहर के वाहन चालकों को ट्रेफिक सिग्नल की तरह, मूवमेंट बनाने, पुलिस ने बड़ी कवायद की पहले, यातायात कर्मियों के साथ पुलिस जवानो को चौराहो पर लगाकर, वाहन चालकों को बिना ट्रेफिक सिग्नल, ट्रेफिक का पाठ पढ़ाया। जिसके बाद ट्रेफिक सिग्नल लगने पर सभी सिग्नल के पास पुलिस खड़ी रही, लेकिन जब से ट्रेफिक सिग्नल का एक पोल टूटा है और ट्रेफिक सिग्नल बंद पड़े है, जब से ना तो बिना ट्रेफिक सिग्नल, पुलिस ट्रेफिक मैनेज करते दिखाई दे रही है और ना ही पुलिस, सिग्नल पाईट पर खड़ी दिखाई दे रही है ।वही चलानी कार्यवाही भी की जा रही है।

सिग्नल नही होने से वाहन चालक खुश, नही करना पड़ रहा सिग्नल खुलने का इंतेजार

चौराहे पर बंद सिंग्नल के बाद शहर का यातायात, फिर पुराने ढर्रे पर दिखाई दे रहा है, हालांकि, ट्रेफिक सिग्नल से ज्यादा, वाहन चालक पुरानी व्यवस्था पर बिना रोक-टोक वाहन दौड़ाने पर ज्यादा खुश नजर आ रहे है। क्योंकि पहले ट्रैफिक सिग्नल होने से लंबे समय तक सिग्नल पर रुकना पड़ता था और हरी बत्ती जलने का इंतजार करना पड़ता था लेकिन अब वाहन चालकों को लंबे समय के लिए चौराहे पर रुकना नहीं पड़ रहा है और वे बे-रोक टोक वाहन चलाते हुए खुश नजर आ रहे हैं।

विभाग के पास नही है कोई बजट- यीना राहंगडाले

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान यातायात थाना प्रभारी सूबेदार यीना राहंगडाले ने बताया कि सिंग्नल पोल को सुधारने, विभाग के पास कोई बजट नहीं है, जिसके सुधार के लिए हमने नगरपालिका को पत्र लिख दिया है। नगर पालिका द्वारा जल्द ही ट्रैफिक सिग्नल को सुधारने की बात कही गई है जब तक वे दोबारा से सिग्नल शुरू नहीं करते तब तक ऐसा ही रहेगा।

जल्द शुरू कराए जाएंगे सिग्नल- सूर्य प्रकाश उइके

वही मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उईके ने बताया कि जल्द, ही पोल लगाने का कार्य किया जाएगा ।लेकिन कब तक लगेगा, इसका, उन्होंने कोई समय नहीं बताया। उन्होंने बताया कि कंपनी से बात चल रही है जितना जल्दी हो सके ट्रैफिक सिग्नल पुनः शुरू कर दिए जाएंगे।

पुल की टूटी रैलिंग और एंगल दे रहे हादसे को न्यौता, जिम्मेदार मौन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत खारी एवं देवरी के बीच सर्राटी नदी पर शासन द्वारा लाखों रूपये की लागत से निर्मित पुल इन दिनों हादसों का केंद्र बनी हुई है। पुल से गुजरने वाले राहगीरों व ग्रामीणों की सुरक्षा के दृष्टिगत दोनों ओर लोहे के एंगल और मजबूत रैलिंग लगाई गई थी, ताकि कोई अनहोनी न हो सके। किन्तु असामाजिक तत्वों और अज्ञात चोरों द्वारा लोहे के एंगल व रैलिंग काटकर चोरी कर लिये जाने से पुल का बड़ा हिस्सा असुरक्षित हो गया है। वहीं तेज बारिश होने पर नदी में बाढ़ आयेगी जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पुल में खड़े होकर रैलिंग व एंगल का सहारा लेते है। ऐसी स्थिति में यदि रैलिंग व एंगल टूट जाता है या अनियंत्रित हो जाते है तो वहां सीधे 10 से 12 फीट नीचे नदी में गिर सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना भी बनी हुई है। जबकि इस मार्ग से बड़ी संख्या में स्कूल एवं कालेज पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन दिन-रात आवागमन करते है यदि कभी गाड़ी अनियंत्रित होकर पुल से टकराती है तो रैलिंग व एंगल नहीं होने की वजह से वे सीधे नदी में गिर सकते है जिससे वे दुर्घटना का शिकार हो सकते है। जिससे उनकी जान भी जा सकती है एवं पुल के इस टूटी रैलिंग व एंगल से हमेशा डर बना रहता है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने देवरी-खारी के सर्राटी नदी पुल के ऊपर लगे एंगल एवं रैलिंग का मरम्मत कार्य करवाने की शासन-प्रशासन से एवं चोरों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

रैलिंग एवं एंगल का मरम्मत कार्य करवाने की उठी मांग

बाढ़ के समय बढ़ जाता है दुर्घटना का खतरा

आपकों बता दें कि टेकाड़ी ला. जलाशय से निकली सर्राटी नदी ग्राम खारी-देवरी के बीच से होते हुए बहती है जिससे आवागमन के लिए शासन के द्वारा विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपये की लागत से पुल का निर्माण किया गया है। जिसके दोनों ओर लोहे की रैलिंग व एंगल भी लगाये गये है परंतु कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा लोहे के एंगल को काटकर चोरी की जा रही है। जिससे सुरक्षा की दृष्टि से लगाये गये रैलिंग व एंगल जगह जगह से टूट रहे है। रैलिंग व एंगल टूटने की वजह से बारिश के दिनों में नदी का बाढ़ देखने आने वाले लोगों के साथ घटना घटित होने का डर बना हुआ है क्योंकि इसी रैलिंग व एंगल के भरोसे ग्रामीणजन बाढ़ देख पाते है। वहीं कमजोर हो चुकी रैलिंग टूट जाती है तो लोग बाढ़ में बह सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने बताया कि तेज बारिश होने पर सर्राटी नदी में उफान (बाढ़) आने पर आसपास के ग्रामों के लोग बाढ़ का नजारा देखने के लिए पुल पर जमा होते हैं। रैलिंग कमजोर होने या गायब रहने के कारण लोग संतुलन खोकर (अनियंत्रित होकर) सीधे 10 से 12 फीट नीचे उफनती नदी में गिर सकते हैं। साथ ही इस मार्ग से प्रतिदिन दर्जनों स्कूली ब%चे, कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र के ग्रामीण दिन-रात आवागमन करते हैं। रैलिंग न होने के कारण यदि कोई वाहन अनियंत्रित होकर पुल के किनारे टकराता है, तो सीधे नदी में गिरने की पूरी संभावना बनी रहती है। क्षेत्रीय ग्रामीणों एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि सर्राटी नदी के पुल पर टूटी हुई रैलिंग और गायब एंगलों की तत्काल मरम्मत करवाने, साथ ही शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले और लोहे की चोरी करने वाले असामाजिक तत्वों पर पुलिस प्रशासन से कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

सुरक्षा की दृष्टि से लगाई गई है रैलिंग - भाऊराम

कांग्रेस कमेटी जिला सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि यह मार्ग दर्जनों ग्रामों को शहर से जोड़ता है जिससे देवरी, खामघाट, मुरझड़, मोहगांव ध. सहित अन्य गांव के ग्रामीणजन, राहगीर व स्कूली बच्चे आवागमन करते है। इस मार्ग में सर्राटी नदी पर बना पुल पर सुरक्षा की दृष्टि से लगाये गये लोहे की रैलिंग को कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा नुकसान पहुंचाकर चोरी की जा रही है। जिसे शासन के द्वारा मरम्मत भी नहीं किया जा रहा है ऐसी स्थिति अगर कोई वाहन अनियंत्रित होता है तो रैलिंग नही होने से वह सीधे नदी के नीचे गिर सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

टूटी रैलिंग का जल्द मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन - मुन्नालाल

दूरभाष पर चर्चा में देवरी सरपंच प्रतिनिधि मुन्नालाल पटले बताया कि देवरी एवं खारी के बीच से सर्राटी नदी गुजरी है जिसके ऊपर से आने-जाने के लिए विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से पुल का निर्माण किया गया है एवं सुरक्षा की दृष्टि से रैलिंग एवं एंगल दोनों साइड में लगाये गये है परन्तु कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा रैलिंग व पाईप की चोरी की जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि तेज बारिश होने पर नदी में बाढ़ आने पर उसे देखने के लिए लोग रैलिंग के सारे खड़े होकर पानी को देखते है परन्तु रैलिंग कमजोर होने एवं कुछ स्थानों पर रैलिंग नही होने से वे अनियंत्रित होकर नीचे गिर सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। जबकि इस मार्ग से रोजाना छोटे-बड़े ब%चें एवं ग्रामीणजन आना-जाना करते है और नदी का पानी देखने के लिए पुल पर रूक जाते है परन्तु कुछ स्थानों पर रैलिंग नही होने से दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। श्री पटले ने बताया कि प्रशासन को पुल के ऊपर लगे रैलिंग जो चोरी हो चुके है या टूट चुके है उसका जल्द मरम्मत कार्य करवाना चाहिए एवं रैलिंग चोरी करने वालों पर कार्यवाही करें।

नेवरगांव वा. के शास. उमावि. में विश्व स्कार्फ डे पर दिया गया सेवा एवं एकता का संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। विश्व स्कार्फ डे के अवसर पर जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को स्काउट-गाइड इकाई द्वारा प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता तथा विश्व बंधुत्व की भावना का विकास करना था। यह कार्यक्रम स्कूल की प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्कार्फ धारण कर विश्व स्काउट-गाइड परिवार की एकता का संदेश दिया तथा स्काउट प्रतिज्ञा का सामूहिक वाचन किया। साथ ही सभी ने स्व'छता, पर्यावरण संरक्षण, समाज सेवा और प्रतिदिन एक नेक कार्य करने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों को स्कार्फ के इतिहास एवं महत्व की जानकारी भी दी गई, जिससे उनमें स्काउटिंग के प्रति उत्साह और सभी विद्यार्थियों से विद्यालय और समाज में सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख ने विद्यार्थियों से कहा कि स्काउट-गाइड केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ पध्दति है, जो अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर स्काउट मास्टर आरिफ खान, गाइड कैप्टन श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले, शासकीय माध्यमिक शाला से श्रीमती नीता बोपचे, विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्काउट-गाइड छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पांढरवानी से आमाटोला मार्ग की टूटी नाली बनी हादसे का सबब, मरम्मत करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ग्राम पांढरवानी से आमाटोला पहुंच मार्ग पर पानी की टंकी के समीप स्थित नाली की छत (स्लैब) क्षतिग्रस्त हो जाने से राहगीरों एवं वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के एक छोर से दूसरे छोर तक बनी यह नाली भारी वाहनों की आवाजाही के कारण टूट गई है, जिसके चलते मार्ग के बीचों-बीच एक खतरनाक गड्ढा बन गया है। जिससे हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समसया की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में रोष व्याप्त है। आपकों बता दे कि ग्राम पांढरवानी एवं आमाटोला पहुंच मार्ग बालिका छात्रावास के समीप पानी टंकी बनी हुई है। जिसके समीप से गुजरे सड़क के बीच में बनी नाली बनी हुई है, जो ओवरलोड़ वाहनों के आवागमन कारण उसका स्लैब क्षतिग्रस्त हो चुका है, जो दुर से दिखाई नही देता है। अगर दुपहिया वाहन चालक तेज गति से इस मार्ग से गुजरते है और उसे उक्त क्षतिग्रस्त स्थान गड्ढा दिखाई नही देने पर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेतों में जा सकती है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है और सबसे अधिक परेशानी रात के अंधेरे में आवागमन करने वालों को हो रही है। जबकि इस समस्या से विभाग को अवगत करवा दिया गया है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा मरम्मत कार्य नही करवाया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पांढरवानी एवं आमाटोला पहुंच मार्ग के बीच स्थित नाली सड़क को पार करती है, जिसे स्लैब ढालकर ढका गया था किन्तु इस मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन होता है और भारी वाहनों के दबाव से यह स्लैब पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है और नाली खुले रूप में नजर आ रही है। दिन के समय तो वाहन चालक जैसे-तैसे बचकर निकल जाते हैं, लेकिन रात्रि के समय यह गड्ढा दिखाई न देने के कारण लोग लगातार दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

पेड़ की टहनी के सहारे सुरक्षा, उठ रहे सवाल

प्रशासनिक उपेक्षा से परेशान होकर स्थानीय लोगों ने दुर्घटना से बचाव के लिए गड्ढे के पास संकेतक के तौर पर पेड़ की टहनी लगा दी है। हालांकि रात के अंधेरे में यह अस्थायी व्यवस्था भी नाकाफी साबित हो रही है, जिससे हर समय किसी बड़ी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। जबकि यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग है। नाली की छत (स्लैब) टूटने से आवागमन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित विभाग को तत्काल संज्ञान लेकर इसका पक्का मरम्मत कार्य करवाना चाहिए ताकि कोई बड़ा हादसा न हो सके। ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क विभाग से मांग की है कि समस्या की गंभीरता को देखते हुए इस क्षतिग्रस्त नाली की तत्काल मरम्मत करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

जनपद पंचायत बैहर के सभागार में आयोजित हुआ प्रस्फुटन शक्ति संचय विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बैहर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संवाद योजना के अंतर्गत शनिवार को जनपद पंचायत बैहर के सभागार में प्रस्फुटन शक्ति संचय विकासखंड स्तरीय मासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्र संगच्छध्वं संवदध्वं के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ।प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रस्फुटन समितियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा जनसहभागिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। इसके लिए जनभागीदारी और जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने प्रस्फुटन समितियों से ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय होकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देने की अपील की।जिला समन्वयक महेश पटले ने प्रस्फुटन समितियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समितियाँ शासन और समाज के बीच सेतु का कार्य कर रही हैं तथा ग्रामीण विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।प्रशिक्षण के दौरान प्रस्फुटन संस्थाओं के संचालन, अभिलेख संधारण, नियमित रिपोर्टिंग एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सहित अन्य विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही प्रतिभागियों को ग्राम स्तर पर बेहतर समन्वय के साथ विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर नवांकुर संस्था के कुंदन मेरवी, राजीव परते, अमित पाटिल, राजेन्द्र बिसेन, मंजूलता चौधरी, विभिन्न सेक्टरों के मेंटर शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, आकांक्षा तेकाम, संगीता मार्को, भवर सिंह मेरावी, तथा प्रस्फुटन समितियों के सक्रिय सदस्य संदीप गजभिये, अभय यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने माँ के नाम एक पेड़ अभियान को सफल बनाने, पर्यावरण संरक्षण तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

शांतिनगर (लालबर्रा) में लगा नया ट्रांसफार्मर, बिजली की समस्या हुई दुर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी अंतर्गत शांतिनगर (लालबर्रा) में गत दिवस से बनी बिजली की समस्या अब दूर हो गई है। निवासरत लोगों की लगातार मांग को ध्यान में रखते हुए विद्युत विभाग द्वारा शनिवार को क्षेत्र में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया है। नया ट्रांसफार्मर लगने से स्थानीय निवासियों को लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली गुल होने की परेशानी से स्थायी निजात मिल गई है। विद्युत विभाग वितरण केंद्र लालबर्रा के अनुसार नया ट्रांसफार्मर लगाने के कार्य के चलते शनिवार को लालबर्रा 11 केव्ही टाउन 1 फीडर से जुड़ी विद्युत आपूर्ति सुबह 8.30 बजे से 11.30 बजे तक बंद रखी गई। इस शटडाउन के कारण लालबर्रा, पांढरवानी, उदासीटोला, रामजीटोला, अमोली और मानपुर जैसे क्षेत्रों में लगभग 3 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे ग्रामीणों को दैनिक कार्यों में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। विद्युत विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए युध्द स्तर पर नया ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य किया। कार्य समाप्त होते ही प्रभावित क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति तत्काल बहाल कर दी गई। वहीं शांतिनगर लालबर्रा के रहवासियों ने बताया कि काफी समय से लो-वोल्टेज के कारण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सही से काम नहीं कर रहे थे और आये दिन बिजली की समस्या बनी रहती थी। विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए नया ट्रांसफार्मर लगाये जाने पर शांतिनगर वासियों में खुशी का माहौल है। साथ ही इस जनहितैषी कार्य के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया है।

समाज के डर से हैवानियत, अविवाहित बेटी के नवजात को गोबर के गड्ढे में दबाया

गला घोंटकर हत्या की आशंका, पुलिस ने उत्खनन कर बरामद किया नवजात का शव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत नांदगांव के धोबीटोला में मानवीय संवेदनाओं को तार-तार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ लोक-लज्जा और सामाजिक डर के चलते एक नवजात शिशु की निर्मम हत्या कर उसका शव घर के पीछे बने गोबर के गड्ढे घुड़े में दफना दिया गया। मामले का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस ने प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में गड़े हुए शव को बाहर निकाला है। उधर आपराधिक कृत्य उजागर होने पर नाना ने घबराहट में कीटनाशक पी लिया जिसका इलाज अस्पताल में जारी है।

यह है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना २९ जुलाई २०२६ की रात लगभग ११ बजे की है। ग्राम नांदगांव धोबीटोला निवासी धारासिंह मडावी की अविवाहित पुत्री को प्रसव पीड़ा हुई जिसके बाद उसने एक जीवित नवजात बालक को जन्म दिया। हालांकि अगली सुबह ग्रामीणों या आसपास के लोगों को शिशु कहीं दिखाई नहीं दिया। धीरे.धीरे गाँव में यह चर्चा फैलने लगी घटना की भनक जब गाँव की आशा कार्यकर्ता तिरंजा टेंभरे को लगी तो उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए ३१ जुलाई २०२६ को पीडिता के घर जाकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान जब पूरी सच्चाई सामने आई तो आशा कार्यकर्ता ने बिना देरी किए तत्काल डायल ११२ हेल्पलाइन पर कॉल कर वारासिवनी पुलिस को सूचित किया।

बारिश और अंधेरे में पुलिस की मुस्तैदी, सुबह हुआ उत्खनन

सूचना मिलते ही एसडीओपी अभिषेक चौधरी पुलिस बल के साथ ३१ जुलाई की रात में ही मौके पर पहुँचे। हालांकि अत्यधिक तेज बारिश और घने अंधेरे के कारण उस वक्त शव को बाहर निकालना संभव नहीं हो सका। पुलिस ने तुरंत मामले से प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया और विधिवत उत्खनन की अनुमति माँगी। इसके बाद १ अगस्त २०२६ की सुबह नायब तहसीलदार चंदकिशोर ककोड़िया, पुलिस अधिकारियों, डॉक्टरों की मेडिकल टीम नगर पालिका कर्मचारियों और फोटोग्राफ र की मौजूदगी में चिन्हित स्थान गोबर के गड्ढे की खुदाई करवाई गई जहाँ से नवजात शिशु का शव बरामद हुआ।

हत्या की आशंका

बरामदगी के दौरान नवजात बालक के गले और मुँह में कपड़ा बंधा हुआ पाया गया। प्राथमिक परिस्थितियों को देखते हुए अंदेशा जताया जा रहा है कि मासूम का मुँह दबाकर या गला घोंटकर हत्या की गई और साक्ष्य छिपाने की नीयत से उसे गोबर के गड्ढे में गाड़ दिया गया।

पोल खुलने पर नाना ने पिया जहर

प्रशासनिक दबिश और पुलिस की कार्यवाही से घबराकर नाना ४० वर्ष ने ज़हर कीटनाशक का सेवन कर लिया। स्थिति बिगड़ते देख उसे तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी ले जाया गया जहाँ उसका इलाज पुलिस निगरानी में चल रहा है।

पुलिस ने यह की कार्यवाही

वारासिवनी पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा १९४ के तहत मर्ग क्रमांक ४४/२६ कायम कर वैधानिक जाँच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव गृह भेजा गया। पोस्टमार्टम की कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात् पुलिस अधिकारियों ने सम्मानपूर्वक नवजात शिशु का कफ्न.दफ्न अंतिम संस्कार करवाया। मामले में पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आरोपी के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने की संबंधित गंभीर धाराओं में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

अविवाहित ने नवजात शिशु को जन्म दिया था-विजय सहारे

सरपंच विजय सहारे ने बताया कि हमारे गांव में नवजात शिशु को अविवाहित ने बच्चे को जन्म दिया था। मुझे जानकारी मिली तो उनके समाज के साथ बैठक हुई आशा कार्यकर्ताओं को सूचना दी गई उसने डायल ११२ पर पुलिस को सूचना दी। तो कटंगी पुलिस आई थी उन्होंने वारासिवनी पुलिस को सूचना दी और मैंने भी वारासिवनी थाना प्रभारी को फोन किया। लड़की के पिता ने जो बच्चे का नाना लगता है उसने उसे दफ्न किया है। २९ जुलाई २०२६ की घटना है कल पुलिस बैठी थी तो उस समय हमें ऐसा लगा कि लड़की के पिता ने किसी चीज का सेवन कर लिया और उन्होंने खुद बताया।

उत्खनन की कार्यवाही कर शव बरामद किया-अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि हमें सूचना मिली थी तो तत्काल हमारे द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को पत्र लिखकर उत्खनन की अनुमति मांगी गई थी। जिनके द्वारा एक टीम तैयार की गई जिसमें पुलिस डॉक्टर तहसीलदार फोटोग्राफर सभी शामिल थे। मौके पर उत्खनन की कार्यवाही कर शव बरामद किया गया देहाती मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम किया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर अपराध दर्ज किया जाएगा वहीं मां की हालत सुधरते ही बच्चों के पिता का भी पता किया जाएगा।

स्काउट गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र में वार्षिक प्लानिंग बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के टिहलीबाई माध्यमिक शाला परिसर स्थित स्काउट एवं गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र में वार्षिक प्लानिंग बैठक का गरिमामय आयोजन किया गया। यह बैठक स्काउट गाइड के जिला अध्यक्ष छगन हनवत, जिला आयुक्त इनेंद्र डहरवाल, प्रशिक्षण आयुक्त डोलीराम भगत तथा कोषाध्यक्ष भेजेंद्र चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति में प्रारंभ हुई। बैठक की शुरुआत स्काउट.गाइड के मूलभूत सिद्धांतों, प्रतिज्ञाओं और नियमों के स्मरण के साथ हुई। जिसके बाद समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर उपस्थित जनों को विश्व स्कार्फ दिवस का विशेष संदेश भी दिया गया। वार्षिक बैठक के दौरान स्काउट एवं गाइड की अलग अलग बैठकें आयोजित की गईं जिनमें जिले भर से आए शिक्षकों स्काउटर एवं गाइडर ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छगन हनवत ने बताया कि भारत स्काउट एवं गाइड की यह एक महत्वपूर्ण वार्षिक प्लानिंग बैठक है जो हर साल आयोजित की जाती है। इसमें वर्षभर आयोजित होने वाले कैंपों विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों पर गहन विचार विमर्श किया जाता है। साथ ही संस्था के आय.व्यय का लेखा.जोखा मिलाकर आगामी पूरे वर्ष की कार्य योजना तैयार की जाती है,जिसके आधार पर आगे के सभी कार्यक्रम संचालित होते हैं। आयोजन के दौरान जिले के स्काउटिंग आंदोलन को मजबूती देने और विद्यार्थियों में सेवा भावना विकसित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर राजकुमार टेंभरे, हरिप्रसाद देशमुख, श्रीमती लक्ष्मी पटले, श्रीमती नीता बोपचे, श्रीमती जुंगा भलावी, श्रीमती उमावती मार्को, रेवती उइके सहित बडी संख्या में स्काउटर गाइडर उपस्थित रहे।

श्री दिगंबर जैन मंदिर में मंगल चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १४ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में मंगल चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव का भव्य आयोजन अत्यंत भक्तिभाव और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन संत शिरोमणि १०८ श्री विद्यासागर महाराज की परम प्रभावक शिष्या एवं आचार्य भगवन १०८ श्री समय सागर महाराज की आज्ञानुवर्ती परम वन्दनीय आर्यिका १०५ श्री सिद्धांतमती माताजी, आर्यिका १०५ श्री पुनीतमति माताजी एवं आर्यिका १०५ श्री विनयमति माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मचारिणी दीदी के द्वारा प्रस्तुत सुमधुर मंगल गीतों से हुआ। इसके उपरांत यशिता एवं अक्षिता ने मनमोहक मंगलाचरण नृत्य की प्रस्तुति दी। सखी मंडल की बहुओं द्वारा प्रस्तुत कलात्मक एवं भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर आर्यिका माताजी संघ के गृहस्थ अवस्था के परिजनों का सत्कार एवं अभिवादन किया गया। वहीं बाहर से पधारे सामाजिक महानुभावों ने माताजी के चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संगीतमय माहौल में आचार्य भगवन श्री विद्यासागर महाराज एवं आचार्य भगवन श्री समय सागर महाराज का आकर्षक अष्टद्रव्य जल, चंदन, अक्षत आदि से पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भजनों की धुन पर नृत्य करते हुए अर्घ्य समर्पित किए। चातुर्मास हेतु तीन मुख्य कलश स्थापना का सौभाग्य बोलियों के माध्यम से प्राप्त हुआ। इसमें प्रथम कलश ऋषभ अजीत परिवार, द्वितीय कलश संजय कासल परिवार ,तृतीय कलश वीरेंद्र दीपक विवेक जैन परिवार इसके अलावा मॉडल परिवार एवं अन्य दानदाताओं ने भी कलश तथा श्रीफल समर्पित कर पुण्यार्जन किया। अपने ओजस्वी प्रवचन में पूज्य आर्यिका माताजी ने चातुर्मास के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रावक श्राविकाओं को चातुर्मास के दौरान संयम, स्वाध्याय और देव.शास्त्र.गुरु की भक्ति करते हुए अधिक से अधिक पुण्य अर्जित करने की प्रेरणा दी। इस धार्मिक महोत्सव में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल एवं पूर्व विधायक डॉ.योगेंद्र निर्मल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन ब्रह्मचारी अंकित भैया एवं अभिषेक सिंघई द्वारा किया गया जबकि संगीत में नमन एवं संदीप ने सराहनीय सहयोग दिया। इस दौरान आकाश सिंघई, दीपक जैन एवं अंचल जैन ने संयुक्त रूप से चातुर्मास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जैन दर्शन के अनुसार संत जन वर्षा ऋतु में सूक्ष्म जीवों की रक्षा एवं अहिंसा महाव्रत के पालन हेतु चार माह के लिए एक ही स्थान पर ठहरकर वर्षा योग धारण करते हैं। इस दौरान धर्म, ध्यान और साधना की अविरल धारा प्रवाहित होती है। इसी के तहत मंगल चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें विभिन्न आयोजन हुए। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के पदाधिकारी सदस्य एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में सम्राट प्रेमचंद की जयंती मनाई गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शास. एसएसपी महाविद्यालय में स्नातकोत्तर परिषद हिन्दी के सौजन्य से प्रेमचंद साहित्य जागरूकता क्लब की गतिविधियों के अन्तर्गत ३१ जुलाई २०२६ को कथा सम्राट प्रेमचंद की जयंती का आयोजन महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलन कर एवं प्रेमचंद के छायाचित्र पर भी माल्यार्याण कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस गेडाम,डॉ. रक्षा निकोसे ,कृष्णा पराते ,नरेन्द्र डोंगरे ,सरिता नागवंशी ,डॉ. टीना बिसेन उपस्थित रहे। प्रेमचंद जयंती पर व्याख्यान विषय प्रेमचंद के कथा साहित्य एवं भारतीय समाज विषय पर छात्र-छात्राओं के द्वारा विचार रखे गये। सरिता नागवंशी ने प्रेमचंद साहित्य की महत्ता प्रतिपादित कर लेखन कौशल विकसित करने की बात छात्रों के समक्ष रखी। कृष्णा पराते के द्वारा छात्र छात्राओं को प्रेमचदं साहित्य पर शोध करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. टीना बिसेन के द्वारा प्रेमचंद का परिचय एवं साहित्यिक अवदान पर चर्चा की गई। रक्षा निकोंसे ने प्रेमचंद साहित्य और भारतीय समाज पर चर्चा करते हुए कहा कि साहित्य में सभी के हित का भाव छिपा होता है,प्रेमचंद के साहित्य ने समाज के सभी पहलुओं को छुआं चोट लगी हो या पुरूष किया ना हो या जमींदार कार्यक्रम का सफल मंच संचालन नरेन्द्र डोंगरे के द्वारा किया गया। बालक हो या वृद्ध वर्तमान में भी प्रेमचंद साहित्य की प्रासंगिकता बनी हुई है ,सोषल मीडिया के युग में प्रेमचंद की कहानी ईदगाह बाल्यमन का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण करने के साथ वर्तमान में भारतीय समाज के एकल परिवार में बालकों के बीच बढ़ते एकाकीपन, संवाद की कमी और बढ़ते पीढ़ी अंतराल की गहराई हो पाटने का कार्य करती है। इस दृष्टि से प्रेमचंद की ईदगाह कहानी वर्तमान में बड़ी प्रासंगिक है।

उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में पूर्व छात्रों की अनूठी पहल, मेधावी विद्यार्थियों के लिए शुरू हुई नई छात्रवृत्तियां

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में गुरु पूर्णिमा का पर्व इस वर्ष समाज सेवा और गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता की भावना के साथ मनाया गया। विद्यालय के वर्ष 1981 बैच के पूर्व छात्रों ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्तियों की घोषणा कर शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायी पहल की। कार्यक्रम में 1981 बैच के पूर्व छात्र श्री थान सिंह नाहर ने अपने पिता स्वर्गीय श्री लक्ष्मीचंद नाहर की स्मृति में छात्रवृत्ति का वितरण किया। इस योजना के तहत कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 10 हजार, 7 हजार और 5 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस वर्ष कुल 44 हजार रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई। समारोह की मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती मोनिका पटेल थीं। विशिष्ट अतिथियों में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय, समाजसेवी लक्ष्मण खूबचंदानी, विनोद नेमा, शैलेंद्र श्रीवास्त्री तथा 1981 बैच के अन्य पूर्व छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नगर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता स्वर्गीय एम.पी. राव की स्मृति में भी नई छात्रवृत्ति शुरू करने की घोषणा की गई। विनोद नेमा ने बताया कि स्वर्गीय राव की इच्छा के अनुरूप उनकी 12.80 लाख रुपये की बैंक एफडी विद्यालय को समर्पित की जाएगी, जिसके ब्याज से प्रतिवर्ष लगभग 85 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को दी जाएगी। इसी अवसर पर 1981 बैच के पूर्व छात्र श्री कमलेश सिंह ने भी घोषणा की कि वे प्रतिवर्ष कक्षा 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को 5 हजार रुपये तथा कक्षा 10वीं की सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को 3,500 रुपये का पुरस्कार प्रदान करेंगे। नाहर छात्रवृत्ति के अंतर्गत कक्षा 12वीं की अदिति तिवारी (96.4 प्रतिशत), अन्वय क्षीरसागर (94.2 प्रतिशत) एवं अवनी परमार (94 प्रतिशत) तथा कक्षा 10वीं की हिना ठाकरे (98.2 प्रतिशत), दिव्या बनोटे (97.2 प्रतिशत) एवं चिन्मय थानथराटे (96.2 प्रतिशत) को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती मोनिका पटेल ने विद्यार्थियों से लगन और मेहनत के साथ अध्ययन कर ऐसी छात्रवृत्तियां प्राप्त करने का आह्वान किया। वहीं सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी कुमार उपाध्याय ने 1981 बैच के पूर्व छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि यह उनके शिक्षकों द्वारा दिए गए संस्कारों का परिणाम है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अध्ययन करने वाले अनेक विद्यार्थी साधारण परिवारों से आते हैं। ऐसे में इस प्रकार की छात्रवृत्तियां न केवल उनकी प्रतिभा का सम्मान करती हैं, बल्कि उन्हें

खाद्य पदार्थों में मिलावट-स्वास्थ्य और समाज पर बढ़ता संकट

खाद्य पदार्थों में मिलावट आज एक बहुत ही गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्या बन चुकी है। आज के समय में अधिक लाभ कमाने के लालच में भोजन में हानिकारक एवं निम्न गुणवत्ता वाले पदार्थ मिलाए जा रहे हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, हृदय रोग, किडनी की बीमारी तथा अन्य अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसलिए शुद्ध भोजन केवल उपभोक्ता का अधिकार ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता भी है। कहना गलत नहीं होगा कि आज हमारे देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट एक विकराल समस्या बन गई है। इससे न केवल शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है, बल्कि लोग अनेक स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से भी जूझ रहे हैं। यह बहुत ही दुखद है कि केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बावजूद मुनाफाखोरी के इस अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के ताजा आँकड़े भी यही संकेत देते हैं कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का बाजार लगातार फल–फूल रहा है। बहरहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2025–26 में देशभर में पाँच लाख से अधिक खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान दो लाख से अधिक खाद्य नमूने लिए गए, जिनमें से लगभग 40 हजार नमूने गैर–मानक पाए गए। इनमें सबसे अधिक लगभग 20 हजार नमूने उत्तर प्रदेश के थे। हालांकि, अन्य राज्यों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। अक्सर देखा जाता है कि जब भी खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच होती है, उनमें से बड़ी संख्या में मिलावट या गुणवत्ता संबंधी खामियाँ सामने आती हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि खाद्य मिलावट के मामलों में बांग्लादेश को सबसे कठोर कानून वाले देशों में माना जाता है। वहाँ की कुछ कानूनी व्यवस्थाओं के अनुसार यदि खाद्य मिलावट के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाए या अत्यंत गंभीर जनहानि हो, तो दोषी को आजीवन कारावास तथा कुछ विशेष परिस्थितियों में मृत्युदंड तक का प्रावधान है। हालांकि मृत्युदंड केवल अत्यंत गंभीर मामलों में ही लागू किया जाता है और इसका प्रयोग अत्यंत दुर्लभ है। भारत में खाद्य मिलावट के मामलों पर मुख्य रूप से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 लागू होता है। इस कानून के अंतर्गत मिलावट की गंभीरता के आधार पर दोषी पर भारी आर्थिक दंड, कारावास अथवा दोनों का प्रावधान है। यदि मिलावटी खाद्य पदार्थ के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो दोषी को आजीवन कारावास तथा कम से कम रू10 लाख के जुर्माने की सजा दी जा सकती है। वहीं कम गंभीर मामलों में जुर्माना तथा 6 माह से लेकर 6 वर्ष तक के कारावास का भी प्रावधान है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल कठोर कानून पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि उनका सख्त और प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है। यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि आखिर कठोर कानूनी प्रावधानों के बावजूद खाद्य पदार्थों में मिलावट का अवैध कारोबार लगातार क्यों बढ़ रहा है? जिस सरकारी तंत्र पर खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जिम्मेदारी है, क्या वह अपना दायित्व पूरी ईमानदारी से निभा रहा है? जो मामले दर्ज होते हैं, उनमें भी यदि दोषियों को सजा मिलने की दर बेहद कम रहती है, तो यह चिंता का विषय है। कई बार संबंधित विभागों के कुछ कर्मियों की कथित साठगांठ के कारण मिलावट करने वाले बच निकलते हैं।

युद्ध नशेआं विरुद्ध से नशामुक्त भारत @ 2029 तक-मातृशक्ति, परिवार, युवा और जनभागीदारी के बल पर नशे के खिलाफ राष्ट्रीय महाअभियान

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी में नशा और मादक पदार्थों का अवैध व्यापार केवल कानून–व्यवस्था की समस्या नहीं रह गया है,बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य,पारिवारिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण,युवा भविष्य,आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी बहु आयामी चुनौती बन चुका है। नशीले पदार्थों का जाल किसी एक व्यक्ति को प्रभावित करके नहीं रुकता, बल्कि धीरे–धीरे पूरे परिवार की आर्थिक स्थिरता, मानसिक शांति और सामाजिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है। जब किसी घर का युवा,पति,पिता, भाई या अन्य सदस्य नशे की गिरफ्त में आता है,तब उसका सबसे गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव अक्सर महिलाओं और बच्चों को झेलना पड़ता है।परिवार की आय नशे में खर्च होने लगती है,घरेलू तनाव बढ़ता है,बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है, मानसिक स्वास्थ्य पर दबाव पड़ता है और कई परिस्थितियों में घरेलू हिंसा तथा सामाजिक असुरक्षा का खतरा भी बढ़ जाता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इस बात से पूर्णत: सहमत हूं कि नशे के विरुद्ध राष्ट्रीय रणनीति में महिलाओं को सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति के रूप में सामने लाने की आवश्यकता महत्वपूर्ण है क्योंकि माताएं, पत्नियां और बहनें नशे के दुष्प्रभाव को परिवार के भीतर सबसे निकट से देखती और महसूस करती हैं।एक मां अपने बच्चे के व्यवहार, मानसिक स्थिति और मित्र–मंडली में आए परिवर्तन को सबसे पहले पहचान सकती है।एक पत्नी परिवार की आय, घरेलू वातावरण और पति के स्वास्थ्य में हो रहे बदलावों को प्रत्यक्ष रूप से देखती है। एक बहन अपने भाई के जीवन में बढ़ती निराशा, हिंसक व्यवहार या गलत संगति को समय रहते समझ सकती है। इसलिए महिलाओं को केवल नशे की समस्या की पीड़ित या प्रभावित पक्ष के रूप में नहीं,बल्कि रोकथाम, पहचान, युद्ध नशेआं विरुद्ध से नशामुक्त भारत ञ्च 2029 तक- मातृशक्ति,परिवार,युवा और जनभागीदारी के बल पर नशे के खिलाफ राष्ट्रीय महाअभियान –समग्र व्यापक विश्लेषण उपचार और पुनर्वास की अग्रिम पंक्ति की सामाजिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करना चाहिए। यदि हर गांव,वार्ड और शहरी बस्ती में महिला समूहों को नशा–रोधी जागरूकता, प्रारंभिक पहचान, काउंसलिंग सहायता और सरकारी उपचार सेवाओं से जोड़ा जाए, तो नशे के विरुद्ध एक विशाल सामाजिक सुरक्षा–जाल तैयार किया जा सकता है।इसी व्यापक दृष्टि के संदर्भ में पंजाब में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ युद्ध नशेआं विरुद्ध अभियान एक महत्वपूर्ण सामाजिक और प्रशासनिक प्रयोग के रूप में सामने आया है। साथियों, पंजाब के युद्ध नशेआं विरुद्ध अभियान की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें कानून प्रवर्तन और सामाजिक सुधार को एक- दूसरे का विकल्प नहीं, बल्कि पूरक माना गया है। नशे की तस्करी करने वाले नेटवर्क केवल छोटे स्तर के विक्रेताओं तक सीमित नहीं होते; इनके पीछे आर्थिक लेन–देन, अंतरराज्यीय संपर्क डिजिटल संचार, अवैध संपत्तियां और संगठित अपराध की संरचनाएं हो सकती हैं। इसलिए तस्करों और उनके वित्तीय नेटवर्क के विरुद्ध एनडीपीएस कानून तथा अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत प्रभावी जांच, संपत्ति की वैधानिक जब्ती,धन–शोधन की जांच और अंतरराज्यीय समन्वय आवश्यक है।लेकिन कठोर कार्रवाई हमेशा कानून न्यायिक प्रक्रिया और प्रमाण- आधारित जांच के दायरे में होनी चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नशे के विरुद्ध युद्ध का अर्थ कानून से ऊपर जाकर कार्रवाई नहीं, बल्कि कानून की प्रभावी, निष्पक्ष और पारदर्शी शक्ति का उपयोग है। साथियों, युद्ध नशेआं विरुद्ध का सबसे बड़ा संदेश यह है कि नशे के खिलाफ संघर्ष केवल अपराध के विरुद्ध कार्रवाई नहीं, बल्कि परिवार को बचाने, महिलाओं को सशक्त बनाने, बच्चों के भविष्य की रक्षा करने और युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्रनिर्माण की दिशा देने का अभियान है। माताएं, पत्नियां और बहनें इस लड़ाई की सबसे बड़ी नैतिक और सामाजिक शक्ति बन सकती हैं, क्योंकि वे परिवार की पीड़ा को समझने के साथ–साथ परिवर्तन की शुरुआत भी कर सकती हैं। जब परिवार नशे को केवल शर्म या बदनामी का विषय न मानकर उपचार योग्य समस्या के रूप में स्वीकार करेगा, जब सरकार उपचार और पुनर्वास को सुलभ बनाएगी, जब तस्करों के नेटवर्क पर कानून की कठोर कार्रवाई होगी और जब युवा नशामुक्त जीवन को विकसित भारत की जिम्मेदारी से जोड़ेंगे, तब यह अभियान वास्तविक जनआंदोलन बनेगा। साथियों, महिलाओं की भागीदारी को राष्ट्रीय नीति में शामिल करने के लिए प्रत्येक जिले में नशामुक्त परिवार महिला शक्ति मंच स्थापित किया जा सकता है। स्वयं सहायता समूहों,आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं,आशासेविकाओं महिला मंडलों, शिक्षिकाओं, सामाजिक संगठनों और स्थानीय निकायों को इस अभियान से जोड़ा जा सकता है। इन समूहों का उद्देश्य किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पहचान उजागर करना या सामाजिक अपमान करना नहीं होना चाहिए, बल्कि परिवारों को गोपनीय और सुरक्षित सहायता उपलब्ध कराना होना चाहिए। मजबूती से महिलाओं को यह प्रशिक्षण दिया जा सकता है कि नशे के शुरुआती संकेत क्या हैं, संकट की स्थिति में किस सरकारी केंद्र या हेल्पलाइन से संपर्क किया जाए, परिवार में संवाद कैसे बनाए रखा जाए और नशे से प्रभावित महिला या बच्चे की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। इस प्रकार मातृशक्ति को भावनात्मक प्रतीक के बजाय प्रशिक्षित सामाजिक भागीदार बनाया जा सकता है।नशे की समस्या का समाधान तभी संभव है जब आपूर्ति–श्रृंखला पर कठोर प्रहार, नशाग्रस्त व्यक्ति का वैज्ञानिक उपचार, परिवार की काउंसलिंग,सामाजिक पुनर्वास, युवाओं के लिए सकारात्मक अवसर और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को एकीकृत नीति के रूप में सटीकता से लागू किया जाए। साथियों, परिवार की भूमिका उपचार के बाद और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। नशामुक्ति केवल कुछ दिनों या महीनों की चिकित्सा प्रक्रिया नहीं है; यह व्यवहार, जीवनशैली सामाजिक वातावरण और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दीर्घकालिक यात्रा है। कई व्यक्ति उपचार के बाद पुराने मित्रों, तनावपूर्ण परिस्थितियों, बेरोजगारी, सामाजिक कलंक या नकारात्मक वातावरण के कारण दोबारा नशे की ओर लौट सकते हैं। इसलिए उपचार केंद्र से घर लौटने के बाद परिवार का सहयोग, नियमित काउंसलिंग, सकारात्मक संवाद और सामाजिक स्वीकार्यता अत्यंत आवश्यक है। यदि परिवार व्यक्ति को लगातार दोषी ठहराता रहे, उस पर अविश्वास करे या उसे सामाजिक रूप से अलग कर दे, तो पुनर्वास कठिन हो सकता है। इसके विपरीत, यदि परिवार उसे सम्मान, जिम्मेदारी, रोजगार, शिक्षा और स्वस्थ सामाजिक वातावरण से जोड़े, तो नशामुक्त जीवन को स्थायी बनाने में सहायता मिलती है। इसीलिए सरकारी नशामुक्ति केंद्रों में केवल मरीज की नहीं, बल्कि माता–पिता, पति–पत्नी और अन्य परिजनों की फैमिली काउंसलिंग को भी संस्थागत रूप से मजबूत किया जाना चाहिए। साथियों, राष्ट्रीय स्तर पर नशे के विरुद्ध अभियान को नई गति देने के लिए नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत की अवधारणा विशेष महत्व रखती है। सरकारी पहल के अनुसार यह अभियान युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उन्हें विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य से जोड़ने का प्रयास है। हाल की आधिकारिक पहलों में इस विषय को युवा–नेतृत्व वाले सामाजिक आंदोलन के रूप में विकसित करने, राष्ट्रीय सहभागिता बढ़ाने और विभिन्न संस्थाओं को जोड़ने पर बल दिया गया है। यदि बड़ी संख्या में युवा एक साथ नशामुक्ति की शपथ लेते हैं, तो उसका वास्तविक प्रभाव केवल शपथ–समारोह तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक शपथ को स्थानीय कार्ययोजना से जोड़ना होगा जैसे स्कूल और कॉलेज में नशा–रोधी क्लब, खेल गतिविधियां,मानसिक स्वास्थ्य सहायता, सहपाठी परामर्श, डिजिटल जागरूकता और नशे से प्रभावित युवाओं के लिए उपचार तक सटीकता से पहुंच। साथियों, भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी जनशक्ति है। यदि युवा नशे, अवसाद, बेरोजगारी और सामाजिक निराशा के जाल में फंसते हैं, तो इसका प्रभाव उत्पादकता, शिक्षा, स्वास्थ्य और राष्ट्रीय विकास पर पड़ता है। दूसरी ओर, यदि युवाओं को खेल,कौशल, नवाचार, उद्यमिता,संस्कृति और सामुदायिक सेवा के अवसर मिलते हैं, तो उनकी ऊर्जा राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ सकती है। इसीलिए नशामुक्ति अभियान को केवल नशा मत करो जैसे संदेश तक सीमित नहीं रखना चाहिए। युवाओं को यह भी बताना होगा कि नशे से दूर रहकर वे कौन–से सकारात्मक अवसर प्राप्त कर सकते हैं। खेल मैदान,पुस्तकालय, कौशल केंद्र,रोजगार सहायता, सांस्कृतिक मंच और डिजिटल नवाचार केंद्र नशा–रोधी नीति के अप्रत्यक्ष लेकिन प्रभावी उपकरण सटीकता से बन सकते हैं। साथियों, पंजाब मॉडल के राष्ट्रीय विस्तार के लिए त्रि- आयामी रणनीति अपनाई जा सकती है प्रवर्तन, उपचार और जन–सहयोग। पहला स्तंभ होगा तस्करी और संगठित अपराध के विरुद्ध कठोर तथा कानूनी कार्रवाई; दूसरा स्तंभ होगा नशे से प्रभावित व्यक्तियों के लिए सुलभ, वैज्ञानिक और सम्मानजनक उपचार; और तीसरा स्तंभ होगा परिवार, महिलाओं, युवाओं, स्कूलों, धार्मिक- सामाजिक संस्थाओं तथा स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी। इन तीनों स्तंभों के बीच संतुलन आवश्यक है। केवल गिरफ्तारी से नशे की मांग समाप्त नहीं होगी और केवल उपचार से तस्करी के नेटवर्क नहीं टूटेंगे। केवल जागरूकता से भी समस्या का समाधान नहीं होगा यदि उपचार सेवाएं उपलब्ध न हों। इसलिए समग्र नीति ही सटीकता से स्थायी परिणाम दे सकती है।

साथियों, महाराष्ट्र में नशामुक्त मुंबई जन–जागरण जैसी पहलें इस बात का संकेत हैं कि राज्यों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार नशा–रोधी मॉडल विकसित करने होंगे।महानगरों में रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था, ऑनलाइन नेटवर्क, सिंथेटिक ड्रग्स और छात्र–युवा समुदाय से जुड़े जोखिम अलग हो सकते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी, सीमावर्ती तस्करी, सामाजिक दबाव और उपचार सुविधाओं की कमी प्रमुख चुनौतियां हो सकती हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत में दुग्ध उत्पादन की नई तस्वीर

-कांतिलाल मांडोत

बिहार की श्वेत क्रांति से लेकर देश के दुग्ध मानचित्र तक बढ़ता उत्पादन किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दे रहा नई मजबूती

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। पिछले कुछ दशकों में देश ने जिस प्रकार दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, उसे श्वेत क्रांति की सबसे बड़ी सफलता माना जाता है। दूध केवल पोषण का स्रोत नहीं बल्कि करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आजीविका का आधार भी है। देश के लाखों छोटे और सीमांत किसान तथा पशुपालक प्रतिदिन दूध बेचकर अपनी आय अर्जित करते हैं। यही कारण है कि केंद्र और राज्य सरकारें दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, पशुपालन को आधुनिक बनाने तथा डेयरी उद्योग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इसी दिशा में बिहार सरकार भी श्वेत क्रांति को नई गति देने का प्रयास कर रही है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन सुनिश्चित करना है। इसके लिए आधुनिक तकनीक, उन्नत नस्ल के पशु, पशुपालकों का प्रशिक्षण, पशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा डेयरी अवसंरचना को मजबूत बनाया जा रहा है। नालंदा स्थित बिहारशरीफ डेयरी परियोजना परिसर में 20 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाले दही एवं लस्सी प्लांट, कॉमफेड संचालित पेट्रोल पंप तथा सुधा कैफेटेरिया का शिलान्यास इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल दूध उत्पादन बढ़ाना नहीं बल्कि किसानों की आय में वृद्धि, ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी है। इसी सोच के तहत बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए अलग फेडरेशन बनाने की घोषणा की गई है। बकरी के दूध के संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था विकसित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत खुलेंगे। इसके साथ ही प्रत्येक प्रखंड में प्रधानमंत्री पशु जन औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां पशुपालकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। भारत की दुग्ध क्रांति की शुरुआत वर्ष 1970 में ऑपरेशन फ्लड से हुई थी। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की इस महत्वाकांक्षी योजना ने देश को दूध के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। आज भारत विश्व के कुल दुग्ध उत्पादन में लगभग एक चौथाई से अधिक योगदान देता है। बढ़ती जनसंख्या और पोषण की जरूरतों को देखते हुए दुग्ध उत्पादन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। डेयरी क्षेत्र भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा उपक्षेत्र बन चुका है और इसका योगदान कई पारंपरिक कृषि फसलों से भी अधिक हो गया है। यदि राज्यों की बात करें तो भारत में सबसे अधिक दुग्ध उत्पादन राजस्थान में होता है। राजस्थान ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार अपनी स्थिति मजबूत की है। यहां का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 3 करोड़ 80 लाख टन के आसपास पहुंच चुका है। राज्य में बड़ी संख्या में गाय और भैंसों का पालन होता है तथा डेयरी सहकारी समितियों का मजबूत नेटवर्क किसानों को बाजार उपलब्ध कराता है। दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। यहां का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 3 करोड़ 70 लाख टन के आसपास है। उत्तर प्रदेश में भैंसों की संख्या देश में सबसे अधिक है और यही राज्य की सबसे बड़ी ताकत है। बड़ी ग्रामीण आबादी और पारंपरिक पशुपालन व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश को दुग्ध उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाया है। तीसरे स्थान पर मध्य प्रदेश आता है। राज्य का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 2 करोड़ 10 लाख टन है। पिछले कुछ वर्षों में यहां दुग्ध सहकारी समितियों का विस्तार, उन्नत नस्लों का विकास तथा पशुपालन योजनाओं के कारण उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चौथे स्थान पर गुजरात है, जहां अमूल मॉडल ने पूरे देश के लिए मिसाल पेश की है। गुजरात का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 90 लाख टन है। यहां सहकारी डेयरी आंदोलन ने लाखों किसानों, विशेषकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। अमूल की सफलता ने भारतीय डेयरी क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाई है। पांचवें स्थान पर आंध्र प्रदेश है, जहां सालाना लगभग 1 करोड़ 80 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। आधुनिक डेयरी फार्म, उन्नत पशुपालन और सरकारी सहायता ने राज्य को तेजी से आगे बढ़ाया है। छठे स्थान पर महाराष्ट्र है, जहां वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 50 लाख टन है। राज्य में निजी और सहकारी दोनों प्रकार की डेयरियां सक्रिय हैं और दुग्ध प्रसंस्करण उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। सातवें स्थान पर पंजाब है। यहां सालाना लगभग 1 करोड़ 40 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। उच्च उत्पादकता वाली भैंसों और वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों के कारण पंजाब की प्रति पशु दूध उत्पादन क्षमता देश में सबसे अधिक मानी जाती है। आठवें स्थान पर हरियाणा है, जहां लगभग 1 करोड़ 30 लाख टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन होता है। मुर्रा भैंस जैसी उत्कृष्ट नस्लों ने हरियाणा को डेयरी क्षेत्र में विशेष पहचान दिलाई है। नौवें स्थान पर बिहार आता है। बिहार का वार्षिक दुग्ध उत्पादन लगभग 1 करोड़ 30 लाख टन के आसपास पहुंच चुका है और इसमें लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। कॉमफेड और सुधा ब्रांड की सफलता ने राज्य के डेयरी क्षेत्र को नई दिशा दी है। सरकार की नई योजनाओं से आने वाले वर्षों में बिहार देश के अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्यों में और मजबूत स्थान बना सकता है। दसवें स्थान पर पश्चिम बंगाल है, जहां सालाना लगभग 80 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। राज्य में छोटे पशुपालकों की बड़ी संख्या डेयरी क्षेत्र को मजबूती प्रदान करती है। दुग्ध उत्पादन केवल दूध बेचने तक सीमित नहीं है। इससे दही, घी, मक्खन, पनीर, लस्सी, आइसक्रीम, मिठाइयों और अनेक मूल्यवर्धित उत्पादों का विशाल उद्योग जुड़ा हुआ है। इस उद्योग से करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक होने के कारण डेयरी क्षेत्र महिला सशक्तिकरण का भी प्रभावी माध्यम बन गया है। आज भारत में कृत्रिम गर्भाधान, उन्नत नस्लों का विकास, पशु टीकाकरण, डिजिटल डेयरी प्रबंधन, शीत श्रृंखला, दूध परीक्षण प्रयोगशालाओं और आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों का तेजी से विस्तार हो रहा है। सरकार राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम तथा पशुपालन अवसंरचना विकास निधि जैसी योजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। बिहार की नई पहल इस व्यापक राष्ट्रीय अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि राज्य अपने प्रतिदिन एक करोड़ लीटर उत्पादन के लक्ष्य को हासिल कर लेता है तो इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलेगी। सुधा ब्रांड का विस्तार, डेयरी प्रोसेसिंग हब, पशु स्वास्थ्य सेवाएं और आधुनिक विपणन व्यवस्था बिहार को पूर्वी भारत का प्रमुख डेयरी केंद्र बना सकती हैं। भारत की श्वेत क्रांति अब केवल दूध उत्पादन बढ़ाने का अभियान नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, पोषण सुरक्षा, रोजगार सृजन और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का सबसे सफल मॉडल बन चुकी है। आने वाले वर्षों में यदि आधुनिक तकनीक, बेहतर नस्लों, वैज्ञानिक पशुपालन और मजबूत सहकारी व्यवस्था पर निरंतर काम होता रहा तो भारत न केवल दुग्ध उत्पादन में विश्व में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखेगा बल्कि वैश्विक डेयरी उत्पाद निर्यात में भी नई पहचान स्थापित करेगा। बिहार जैसे राज्यों की नई पहल इस दिशा में देश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव साबित हो सकती है।

आंदोलन की संस्कृतिः अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भी? पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है।

यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून–व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। यदि किसी भी पक्ष द्वारा जनआंदोलनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तो अंतत: लोकतंत्र ही कमजोर होता है। सरकारों को भी यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जनआक्रोश की स्थितियां क्यों बनती हैं। संवाद के द्वार हमेशा खुले रहने चाहिए। पारदर्शी निर्णय, समय पर संवाद और शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था अनेक आंदोलनों को उग्र होने से पहले ही शांत कर सकती है। लोकतंत्र में शासन का अर्थ केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करना भी है।

भविष्य के लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रत्येक बड़े आंदोलन के लिए पूर्व अनुमति, निर्धारित मार्ग, आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, हिंसा की स्थिति में त्वरित पहचान और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही पुलिस को भी भीड़ नियंत्रण के आधुनिक, वैज्ञानिक और न्यूनतम आवश्यक बल के सिद्धांतों पर निरंतर प्रशिक्षित किया जाए। इससे नागरिक अधिकारों और कानून–व्यवस्था के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा। लोकतंत्र का सौंदर्य इस बात में नहीं कि कितनी जोर से नारे लगाए गए, बल्कि इस बात में है कि कितनी गंभीरता से संवाद हुआ। संसद जनता की आकांक्षाओं का मंदिर है। यदि कोई समूह अपनी बात संसद तक पहुंचाना चाहता है, तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन संसद पर दबाव बनाने या उसे घेरने की संस्कृति लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करती है। लोकतंत्र में जनमत सर्वोपरि है, भीड़तंत्र नहीं।

आज भारत विश्व का सबसे ब?ा लोकतंत्र होने के साथ–साथ विश्वगुरु बनने की दिशा में भी अग्रसर है। ऐसे समय में हमें विरोध की भी ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जो विश्व के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करे। हमारे आंदोलन व्यवस्था को तोड़ने के नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने के माध्यम बनें। हमारे प्रदर्शन राष्ट्र को विभाजित करने के नहीं, लोकतांत्रिक चेतना को समृद्ध करने के साधन बनें। अंतत: यह स्मरण रखना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब कर्तव्यों का भी समान रूप से पालन किया जाए। यदि आंदोलन संविधान की मर्यादाओं में रहकर होंगे, तो सरकार भी अधिक उत्तरदायी बनेगी और लोकतंत्र भी अधिक सशक्त होगा। भारत को ऐसे आंदोलनों की आवश्यकता है जो व्यवस्था को चुनौती देने के बजाय उसे सुधारने की प्रेरणा दें। जो युवाओं को उग्रता नहीं, उत्तरदायित्व सिखाएं और जो राष्ट्रहित को दलगत हितों से ऊपर रखकर लोकतंत्र को और अधिक परिपक्व, अनुशासित तथा जनोन्मुख बनाने का मार्ग प्रशस्त करें।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। छुटपुट लेवाली के बीच शनिवार को खाद्य तेलों में बाजार मजबूती के रहे। सोयाबीन में भाव बने रहे। दलहनों में चना सुर्ख बना रहा। अन्य दलहनों में बाजार बने रहे। किराना जिंसों में नारियलों में मजबूती बनी। खोपरा गोला मजबूती पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में छुटपुट लेवाली के बीच भावों में सुर्खी रही। सोयाबीन में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। दलहनों में चना सुर्खी पर रहा। अन्य दलहनों में कमोवेश टिकाव देखा गया। किराना जिंसों में बाजार पूर्वस्तर पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4780-4850, खोपरा गोला 380-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 800-825, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3000-3050, (160) 3400, (200) 3600-3650, (250) 4200-4250,

तेल- सींगदाना 1730-1740, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1455-1460, कपास्या 1600-1610, धूलिया 1600-1610, कड़ी 1600,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675, मुम्बई पाम 1485, मुम्बई सोया 1485,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8300, रायडा 7100-7200, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6550-6650, एवरेज 6200-6300, विशाल 6350-6450, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7200, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7500, मीडियम 7000-7300, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 219500, चाँदी (99) 219400, टंच 218600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 141700,

माह के पहले दिन सरकार का तोहफा, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के घटाए दाम

नई दिल्ली। एजेंसी। अगस्त शुरु होते ही खुशखबरी आई। सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट घटा दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली में कीमत 202 रुपए की कटौती की गई है। कोलकाता में रेट 209 रुपए घटाया गया है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। कमर्शियल सिलेंडर का रेट घटने से रेस्टोरेंट, होटल और चाय का ठेला लगाने वाले ऐसे लोगों को फायदा होगा। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर अब दिल्ली में अब 2,728 रुपए में मिलेगा। पहले इसका रेट 2,930 था। पटना में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट 209 रुपए कम होकर अब 3,018 रह गया है। पहले यह 3,227 का था। लखनऊ में 2,860.50 रुपए का मिलेगा। इस बार घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और उपभोक्ताओं को पहले की ही दरों पर सिलेंडर मिलेगा।

जुलाई में जीएसटी कलेक्शन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 2.11 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। एजेंसी। देश की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए जुलाई का महीना बेहद उत्साहजनक खबर लेकर आया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन ने इस महीने एक नई ऊंचाई छूते हुए 2.11 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में सकल जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 15.4 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी के साथ 2.11 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया। रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी 15.8 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल जुलाई के 1.83 लाख करोड़ रुपये (सकल) और 1.57 लाख करोड़ रुपये (शुद्ध) के मुकाबले काफी अधिक है, जो आर्थिक गतिविधियों में मजबूत वृद्धि का संकेत देता है। जुलाई के जीएसटी आंकड़े मुख्य रूप से जून महीने की आर्थिक लेन-देन

और कारोबारी गतिविधियों को दर्शाते हैं। अगर जून के 1.95 लाख करोड़ रुपये के सकल कलेक्शन से तुलना करने पर जुलाई में यह आंकड़ा 8.4 फीसदी की तेज रफ्तार से बढ़ा है। इसी तरह, शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी जून के 1.62 लाख करोड़ रुपये से 11.6 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो लगातार बढ़ती आर्थिक गति का प्रमाण है। इस उछाल में सबसे बड़ा योगदान विदेश से होने वाले आयात पर लगने वाले टैक्स का रहा। आयात पर लगने वाला सकल जीएसटी सालाना आधार पर 28.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 66,511 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वहीं, घरेलू कारोबार से मिलने वाला सकल जीएसटी कलेक्शन भी 10.1 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल जीएसटी रिफंड 13.1 फीसदी बढ़कर 29,968 करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल से जुलाई) में सकल जीएसटी कलेक्शन 10.1 फीसदी बढ़कर 8.43 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध कलेक्शन 9.2 फीसदी बढ़कर 7.21 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।

अगस्त माह में 14 दिन रहेंगे बैंक बंद, कुछ राज्यों में खास दिन भी रहेगी छुट्टी

नई दिल्ली। एजेंसी। इस महीने बैंक करीब आधा महीना बंद रहेंगे. ऐसा न हो कि आप बैंक ब्रांच चले जाएं और उस दिन बैंक की छुट्टी हो और आपको बैरंग वापस लौटना पड़े। भारतीय रिजर्व बैंक के छुट्टी के कैलेंडर के मुताबिक साप्ताहिक अवकाश और कुछ प्रमुख त्योहारों और दिवसों के चलते बैंक इस महीने 14 दिन बंद रहेंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी और केनरा बैंक जैसे सरकारी बैंकों से लेकर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक जैसे प्राइवेट बैंक भी बंद रहेंगे। सभी राज्यों में 14 दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे। कुछ छुट्टियां क्षेत्रीय स्तर की होने से कुछ खास दिन किसी एक राज्य में तो अवकाश हो सकता है लेकिन दूसरे राज्य में बैंक खुले रहेंगे। 2 अगस्त (रविवार) साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 4 अगस्त केर पूजा पर केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 8 अगस्त शनिवार को महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश रहेंगे। 9 अगस्त रविवार पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 13 अगस्त पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद रहेंगे। 15 अगस्त शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी रहेगी। 16 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 19 अगस्त को महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की वजह से अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 22 अगस्त शनिवार महीने का चौथे शनिवार की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 23 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 25 अगस्त को मिलाद-उन-नबी/पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद/तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे। 28 अगस्त को रक्षाबंधन/श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक में अवकाश रहेगा 30 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच घटे एलपीजी गैस के दाम, क्या पेट्रोल-डीजल के दाम भी होंगे कम?

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान संकट के बीच देशवासियों को महीने के पहले दिन ही महंगाई से बड़ी राहत मिली। दिल्ली से लेकर पटना-कोलकाता तक एलपीजी गैस के दाम में बड़ी गिरावट हुई। 1 अगस्त को 19 किलो वाले करमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से ज्यादा की कटौती हुई है। यह नई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ता है। इससे छोटे व्यापारियों और होटल उद्योग को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आम लोगों के लिए फिलहाल डायरेक्ट कोई राहत नहीं है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कमी से एक संकेत की आहट सुनाई दे रही है। वह यह कि क्या घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भी दाम घटेंगे? क्या कमर्शियल एलपीजी गैस के दाम में कमी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी है? जिस तरह से कमर्शियल गैस की कीमतों में कमी हुई है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनो में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हुए हैं। बहरहाल, यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि तेल कंपनियों या सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बता दें पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं। इनमें ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और टैक्स समेत अन्य खर्च शामिल हैं। इसलिए कमर्शियल एलपीजी की कीमत घटने का मतलब यह नहीं है कि पेट्रोल और डीजल के दाम भी तुरंत कम हो जाएंगे। सरकार ग्लोबल मार्केट के पैटर्न को पहले समझेगी। कच्चे तेल की कीमतों का हिसाब लगाएगी, तब जाकर सस्ता-महंगा का हिसाब हो पाएगा।

मेष- आज आपका दिन थोड़ा कमजोर रह सकता है। परिवार में छोटे-छोटे मनमुटाव हो सकते हैं, इसलिए समझदारी और धैर्य से काम लें। धन संबंधी मामलों में अजनबियों पर भरोसा करने से बचें। यदि कोई प्रॉपर्टी डील अटकी हुई है, तो उसे फाइनल करने की कोशिश करेंगे, लेकिन माता जी की सेहत पर ध्यान देना आवश्यक रहेगा। आज आप अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को पूरा करने में समय बिताएंगे।

वृषभ- आज का दिन धन के मामले में अनुकूल रहेगा। किसी उम्मीद के काम में आपको सफलता और धन लाभ दोनों मिल सकते हैं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें, नहीं तो बाद में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बिजनेस में उठापटक के बावजूद आपको लाभ प्राप्त होगा और परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन- आज का दिन मिश्रित अनुभवों से भरा रहेगा। लोगों की पहचान करना जरूरी होगा, क्योंकि कुछ दोस्त आपकी राह में रोड़ा अटका सकते हैं। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखें और भरोसा सोच-समझकर करें। एक साथ कई काम संभालने होंगे। किसी सामाजिक या राजनीतिक आयोजन में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो आपकी प्रतिष्ठा बढ़ाएगा।

कर्क- आज का दिन अप्रत्याशित लाभ और नई संभावनाएं लेकर आएगा। निर्णय लेने की आपकी क्षमता मजबूत रहेगी। कार्यक्षेत्र में किसी से बेवजह विवाद न करें, नहीं तो बॉस से डांट पड़ सकती है। बिजनेस में रुकी योजनाएं लाभदायक साबित होंगी। विद्यार्थी पूरी मेहनत से परीक्षा की तैयारी करेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे। पारिवारिक जीवन में तालमेल बनाकर चलना लाभकारी रहेगा।

सिंह- आज नए संपर्क और अवसर आपके लिए लाभ लेकर आएंगे। भाग-दौड़ और जल्दबाजी से बचें, नहीं तो मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाए रखने से रिश्तों में स्थिरता आएगी। भाई-बहनों का सहयोग कम रहेगा, लेकिन आप नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। राजनीतिक या सामाजिक आयोजनों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां मिलने से आपकी स्थिति मजबूत होगी।

कन्या- आज का दिन थोड़े चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अधूरे कामों को समय से पूरा करने का प्रयास करेंगे। बॉस के साथ मतभेद होने की संभावना है और पुराने निर्णय को लेकर पछतावा हो सकता है। दांत या स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के लिए डॉक्टर से परामर्श लाभकारी रहेगा। बिजनेस में पार्टनरशिप की डील फाइनल करने का अवसर मिलेगा।

तुला- आज आलस्य को दूर करके आगे बढ़ना आवश्यक है। परोपकार के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। मनोकामना पूरी होने से खुशी का अनुभव होगा। किसी बात को लेकर पिताजी नाराज हो सकते हैं। विवाह संबंधी बाधाएं दूर हो सकती हैं। पुराने अनुभवों से सबक लें और कर्ज को समय पर चुकाने की पूरी कोशिश करें।

वृश्चिक- आज का दिन नुकसान और सतर्कता का संकेत देता है। जीवनसाथी से बातचीत में सावधानी रखें। वाद-विवाद और समय पर काम न होने से नुकसान हो सकता है। रहन-सहन में सुधार की कोशिश करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी या आयोजन की योजना बनेगी। वाहन चलाते समय सावधानी आवश्यक है।

धनु- आज का दिन मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। लेन-देन से जुड़ी समस्याएं हल होंगी। कार्यक्षेत्र में जूनियर्स की मदद लेनी पड़ सकती है। खोई हुई प्रिय वस्तु मिलने की संभावना है। प्रेम जीवन में साथी की बातों पर ध्यान दें और निवेश करते समय सतर्क रहें। मेहनत का फल निश्चित रूप से मिलेगा।

मकर- आज बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने का दिन है। खर्च और बचत दोनों पर ध्यान देना आवश्यक है। परोपकार के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। घर में मेहमान का आगमन हो सकता है। जीवनसाथी से चल रहे वाद-विवाद को सुलझाने का प्रयास सफल रहेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। विदेश से व्यापार करने वालों को खुशखबरी मिल सकती है।

कुंभ- आज दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर रहेगी। काम में मुश्किलें आ सकती हैं, इसलिए बिना सोचे-समझे कोई कदम न उठाएं। आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने का समय है। बाहर जाने या यात्रा की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र में धोखा मिलने की संभावना को नजरअंदाज न करें।

मीन- आज का दिन सोच-समझकर काम करने का है। सेहत पर ध्यान दें और परिवार में पैतृक संपत्ति के वाद-विवाद सुलझ सकते हैं। परिवार के किसी सदस्य से किए वादे को समय पर पूरा करें। राजनीति में कार्यरत लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा, जिससे आपकी छवि निखरेगी। घर में पूजा-पाठ का आयोजन भी होने की संभावना है।

शब्दजाल - 8338

शब्दजाल में 'गोविंदा' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मुकाबला, राजा बाबू, दुलारा, प्रेमशक्ति, दुल्हे राजा, साजन चले ससुराल, शिकारी, अलबेला, हत्या, राजाजी

मु	हु	मे	रि	दु	ला	रा	ल	च	ट	र्जी
का	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
ब	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	द	ह	प	ल
ला	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	ह	ला	कि	यो	प	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	य	र	ह	त्या	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	शि	का	री	टि	ल
बां	स	सा	ज	न	च	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल - 8337 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7282

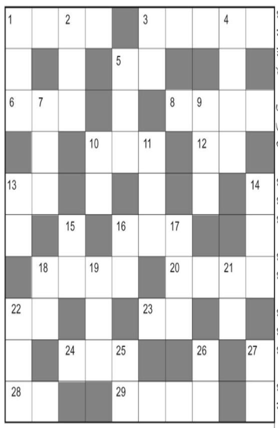

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7281

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	रा		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		रा	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	मी	ली		सो	च		श		रा
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	रा	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	06.40 बजे से
कन्या	08.52 बजे से
तुला	11.03 बजे से
वृश्चिक	13.17 ब.से
धनु	15.33 बजे से
मकर	17.38 बजे से
कुंभ	19.25 बजे से
मीन	20.58 बजे से
मेष	22.28 बजे से
वृष	00.08 बजे से
मिथुन	02.07 बजे से
कर्क	04.20 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 214 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्थी 23.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 21.37 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 22.30 बजे को समाप्त। **करण** बव 11.15 बजे तदनन्तर बालव 23.16 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 49'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872789
जूलियन दिन 2461254.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 18
विशेष गणेश चतुर्थी व्रत, प्राणनाथ परमधाम वास दिवस, मित्रता दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: साधक का जीवन

तर्कशास्त्र के महान पंडित रामनाथ ने नवद्वीप के वन में गुरुकुल स्थापित किया था। उस समय कृष्ण नगर में विद्यानुरागी महाराज शिवचंद्र का शासन था। उन्होंने पं. रामनाथ की चर्चा सुनी। एक दिन वह उनसे मिलने पहुंच गए। पंडित जी ने उनका समुचित स्वागत सत्कार किया। थोड़ी देर बाद महाराज ने उनसे पूछा, 'मैं आपकी क्या मदद करूं?' रामनाथ ने कहा, 'राजन, ईश्वर ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं, अब मैं पूर्ण हूं।' महाराज बोले, 'मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। क्या कोई कठिनाई आ रही है?' पंडित जी ने मुस्कराकर कहा, 'अब घर के खर्च आदि के बारे में गृहस्वामिनी मुझसे अधिक जानती हैं। यदि आपको कुछ पूछना हो तो उन्हीं से पूछ लें।' महाराज ने पंडित जी के घर पहुंचकर उनकी साध्वी गृहिणी से पूछा, 'माताजी, घर खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं है?' इस पर उन परम साध्वी ने कहा, 'महाराज, भला सर्व समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तों को क्या कमी रह सकती है?' महाराज ने कहा, 'हम आपको कुछ गांवों की जागीर देना चाहते हैं। इससे होने वाली आय से गुरुकुल भी ठीक तरह से चल सकेगा और आपके जीवन में भी कोई अभाव नहीं रहेगा।' उत्तर में वह वृद्धा ब्राह्मणी मुस्कराई और कहने लगी, 'राजन, प्रत्येक मनुष्य को परमात्मा ने जीवन रूपी जागीर पहले से ही दे रखी है। जो जीवन की इस जागीर को भली प्रकार संभालना सीख जाता है, उसे फिर किसी चीज का कोई अभाव नहीं रह जाता।' साधक दंपती के चरणों में महाराज का मस्तक श्रद्धा से झुक गया।

सूडोकु नवताल- 7591

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7590 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 8806

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी (अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8805 का हल

	क	वि	ता		क	या	स	
भ	ला		क		री		ही	न
र		म	त	ल	ब			ह
म	द	द		क्ष		फि	तू	र
		भ	क्त		शी	त		
से	हा	रा		वं		र	ज	त
ह			ज	हा	ल	त		मी
त	ल		मा		की		आ	ज
	ब	हा	व		र	वा	ना	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दुल्हापुर चौक में तेज रफ्तार बोलेरो का कहर

एक की मौत, एक गंभीर घायल, चार दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। पुलिस थाना लांजी क्षेत्र के ग्राम दुल्हापुर चौक बस स्टैंड के समीप शनिवार (1 अगस्त) शाम लगभग 6ः30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। शराब के नशे में तेज रफ्तार और लापरवाही से बोलेरो वाहन (क्रमांक एमपी 50 जेडजी 2892) चला रहे चालक ने सामने से आ रही बिना नंबर की हीरो मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद बोलेरो चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित बोलेरो सड़क किनारे खड़े तीन अन्य दोपहिया वाहनों को भी टक्कर मारते हुए खेत में जाकर पलट गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। हादसे में बड़गांव निवासी फुलदास पिता सुखराम पांचे

(55 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि मोटरसाइकिल चालक संतोष पिता मेहतलाल जामकरे (45 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने फुलदास पांचे को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल संतोष जामकरे का प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। इस हादसे में चार दोपहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अजय नारनौरे, दुल्हापुर की हीरो एचएफ डिलक्स (एमपी 50 एमआर 6926), मिथुन अस्तने, दखनीटोला आवास की जुपिटर स्कूटी (एमपी 50 जेडसी 7324) तथा यामाहा एफजेड (एमपी 50 एमआर 0974) शामिल हैं। दुर्घटना में एक अन्य बिना नंबर की हीरो मोटरसाइकिल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि बोलेरो में चालक सहित दो लोग सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही लांजी पुलिस मौके पर पहुंची और डायल-112 की सहायता से बोलेरो चालक को हिरासत में लेकर थाना पहुंचाया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर बाधित यातायात को सुचारु कराया। पुलिस ने मृतक का मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बोलेरो चालक के शराब के नशे में होने की बात सामने आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

स्वैच्छिकता पर्व के तहत एक पेड़ माँ के नाम अभियान में हुआ पौधारोपण

कटहल के 5 पौधे लगाए, पूर्व में रोपित पौधों का निरीक्षण कर संरक्षण पर जताई संतुष्टि

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड लांजी के मार्गदर्शन एवं जिला समन्वयक महेश पटले के निर्देशन में चल रहे स्वैच्छिकता पर्व (4 जुलाई से 12 अगस्त) के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत शनिवार को नगर के हृदयस्थल गणेशी तालाब परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सहयोगी नवांकुर संस्था स्पोर्ट्स एंड स्काउट गाइड ऑर्गेनाइजेशन तथा नगर परिषद लांजी के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ समाजसेवी संतोष मोरघडे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कटहल के 5 पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ ही 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लगाए गए 12 पौधों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सभी पौधे सुरक्षित एवं स्वस्थ पाए गए, जिस पर उपस्थित अतिथियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे संस्था एवं स्थानीय नागरिकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और पौधों के संरक्षण की सकारात्मक पहल बताया। इस अवसर पर नगर परिषद लांजी के उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेककर, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे, नवांकुर संस्था के सदस्य, नगर परिषद के कर्मचारी गुलाब लटारे, विनोद रहमतकर, बिहारी मोहबिया, गोविंद राउत, नगर विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष कैलाश ब्रह्मपुरे, निर्माण कंप्यूटर सेंटर के छात्र-छात्राएं तथा नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कोलकाता में चमके लांजी के कराटे कोच तोषराम कनोजे, इंटरनेशनल चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

पद्मेश न्यूज। लांजी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के प्रतिष्ठित नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित 10वीं इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप ङ्क इंडियन चैलेंजर्स कप 2026 में बालाघाट जिले के लांजी विकासखंड अंतर्गत थानेगांव निवासी एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रीवा में पदस्थ जिला खेल प्रशिक्षक (कराटे) तोषराम कनोजे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मास्टर्स कैटेगरी के ओपन काता इवेंट में रजत (सिल्वर) पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल बालाघाट जिले, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। यह अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता देश-विदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की मौजूदगी में आयोजित हुई, जिसमें भारत सहित कई देशों के खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में अपनी तकनीकी दक्षता और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबलों के बीच तोषराम कनोजे ने अपने अनुभव, अनुशासन और उत्कृष्ट तकनीक का परिचय देते हुए फाइनल तक का सफर तय किया तथा सिल्वर मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में तोषराम कनोजे के साथ उनके प्रशिक्षित खिलाड़ी शिवा कुशवाहा एवं विनेश कनोजे ने भी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। दोनों खिलाड़ियों ने भी अपने-अपने मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का मान बढ़ाया। खिलाड़ियों की इस भागीदारी को भविष्य के लिए उत्साहजनक माना जा रहा है। गौरतलब है कि तोषराम कनोजे लंबे समय से कराटे प्रशिक्षण के क्षेत्र में सक्रिय हैं और उनके मार्गदर्शन में अनेक खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। वर्तमान में वे खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रीवा में जिला खेल प्रशिक्षक के रूप में सेवाएँ देते हुए युवा खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। उनकी इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि से यह साबित हुआ है कि वे न केवल एक सफल प्रशिक्षक हैं, बल्कि स्वयं भी उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं। तोषराम कनोजे की इस सफलता पर लांजी, बालाघाट एवं रीवा जिले में हर्ष का माहौल है। खेल प्रेमियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आने वाले समय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी मध्यप्रदेश और देश का नाम इसी तरह गौरवान्वित करते रहेंगे।

गुरू पूर्णिमा पर संघ के स्वयंसेवकों ने किया गुरु पूजन व समर्पण

वर्तमान परिस्थितियों में शाखा की अनिवार्यता पर दिया गया जोर

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में शुक्रवार, 1 अगस्त को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने गुरू पूर्णिमा उत्सव एवं समर्पण दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम में नगर एवं खंड के स्वयंसेवक दोपहर 3 बजे एकत्रित हुए। शाखा का आयोजन कर संघ परंपरा के अनुसार भगवा ध्वज का गुरु पूजन किया गया तथा स्वयंसेवकों ने समर्पण अर्पित कर राष्ट्रसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में खंड संघचालक विजय रामटेक्कर की विशेष उपस्थिति रही, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रचारक अनिल जी ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने गुरू पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में भगवा ध्वज को गुरु का स्थान प्राप्त है, जो त्याग, तपस्या, राष्ट्रभक्ति और सनातन संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुरु पूजन आत्मचिंतन, संगठन के प्रति समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सुदृढ़ करने का अवसर है। मुख्य वक्ता ने वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए शाखा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शाखा के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, संगठन क्षमता और राष्ट्रभाव का विकास होता है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे संघ के उद्देश्यों को लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच सतत संपर्क एवं सेवा कार्य करते रहें तथा सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का समापन प्रार्थना के साथ हुआ। इस अवसर पर नगर एवं खंड के अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मंझारा में शराब पीने गए युवक को तो मिली पिटाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम मंझारा में शुक्रवार की रात शराब ने एक बार फिर अपना असली रंग दिखाया। यहां शराब पीने गए 27 वर्षीय युवक राकेश पिता संतोष खरबड़े को शराब परोसने वाले ने आतिथ्य में बांस का डंडा भी परोस दिया। जिससे घायल इस युवक का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश खरबड़े मंझाराटोला निवासी जो भरवेली माइंस में काम करते हैं। 31 जुलाई रात करीब 8 बजे राकेश मंझारा के ही एवन इनवाती के घर शराब पीने पहुंचे थे। इसी दौरान एवन इनवाती ने राकेश के साथ मेरे घर में क्यों लेटे हो कहकर विवाद करना शुरू कर दिया और बात डंडे तक पहुंच गई और एवन इनवाती ने राकेश की बांस के डंडे से जमकर पिटाई शुरू कर दी।बीच बचाव राकेश के जीजा विजय चित्रिव ने किया। डंडे के प्रहार से राकेश के बाएं हाथ, कलाई, पैर और जांघ में चोटें आईं। 1 अगस्त की सुबह 108 एंबुलेंस की मदद से राकेश को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का बयान लेकर इस मामले को जांच हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

दतिया में भितरघात पर सियासी संग्राम

कांग्रेस में खुला आरोपों का दौर, भाजपा तैयार कर रही बागियों की सूची

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव का मतदान समाप्त होते ही राजनीतिक दलों ने जीत-हार के गणित के साथ आत्ममंथन भी शुरू कर दिया है। मतगणना से पहले ही कांग्रेस में भितरघात के आरोपों ने खुला विवाद खड़ा कर दिया है, जबकि भाजपा भी अंदरूनी असंतोष और कथित क्रॉस वोटिंग की रिपोर्ट तैयार करने में जुट गई है। इस बीच आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार दामोदर यादव की भूमिका और महिला मतदाताओं की अपेक्षाकृत कम भागीदारी चुनाव परिणाम के सबसे बड़े निर्णायक कारकों के रूप में सामने आ रही है।

कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने पूर्व विधायक राजेंद्र भारती पर चुनाव में भितरघात करने का आरोप लगाते हुए शिकायत भोपाल से लेकर दिल्ली तक पार्टी नेतृत्व से की है। उनका आरोप है कि राजेंद्र भारती ने चुनाव के अंतिम दिनों तक पार्टी के खिलाफ काम किया और भाजपा से सहयोग लेकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। घनश्याम सिंह का कहना है कि भारती केवल तब कांग्रेस के लिए काम करते हैं, जब स्वयं पार्टी के उम्मीदवार होते हैं। उन्होंने दावा किया कि भितरघात से कांग्रेस को करीब एक से डेढ़ हजार वोटों का नुकसान हुआ, हालांकि इससे जीत पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से राजेंद्र भारती के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई और निष्कासन की मांग भी की है।

मेरी बनाई पिच पर लड़ रहे हैं चुनाव

इससे पहले पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने कहा था कि दतिया में कांग्रेस की राजनीतिक जमीन उन्होंने तैयार की थी और घनश्याम सिंह उसी पिच पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस पर पलटवार करते हुए घनश्याम सिंह ने कहा कि वह किसी की बनाई पिच पर नहीं, बल्कि अपने जनाधार और व्यक्तिगत संपर्कों के दम पर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारती के कार्यकाल में भ्रष्टाचार की छवि बनी और उसी कारण पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा।

नेता प्रतिपक्ष ने लगाए निष्पक्ष चुनाव पर सवाल

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने उपचुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि प्रशासन ने मतदाताओं को मतदान से रोका, कई स्थानों पर बूथ कैप्चरिंग जैसी शिकायतें मिलीं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पोलिंग एजेंटों को परेशान किया गया। सिंघार ने दावा किया कि इन परिस्थितियों के बावजूद जनता ने भाजपा सरकार के खिलाफ मतदान किया है और कांग्रेस भारी मतों से जीत दर्ज करेगी।

दामोदर यादव बने गेम चेंजर

दतिया उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस के अलावा सबसे अधिक चर्चा आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार दामोदर यादव की रही। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यादव ने दोनों प्रमुख दलों के परंपरागत वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है। भाजपा ने यादव मतदाताओं को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए समाजवादी पार्टी के सहयोगी नेताओं और यादव समाज के प्रभावशाली चेहरों को मैदान में उतारा। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सभाओं और रोड शो के जरिए भी यादव वोटों को साधने की रणनीति अपनाई गई। अब माना जा रहा है कि दामोदर यादव को मिलने वाला हर अतिरिक्त वोट सीधे तौर पर भाजपा और कांग्रेस दोनों के जीत-हार के अंतर को प्रभावित कर सकता है।

भाजपा भी कर रही अंदरूनी समीक्षा

मतदान के बाद भाजपा सार्वजनिक रूप से जीत का दावा कर रही है, लेकिन संगठन के भीतर चुनाव प्रचार और मतदान के दौरान कथित भितरघात की समीक्षा शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक स्थानीय स्तर पर ऐसे नेताओं और कार्यकर्ताओं की सूची तैयार की जा रही है, जिन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का संदेह है। बताया जा रहा है कि मतगणना के बाद प्रदेश संगठन रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई कर सकता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि भाजपा सीट हारती है तो इसकी जिम्मेदारी जिला संगठन से लेकर वरिष्ठ नेताओं तक तय की जा सकती है।

महिला मतदान ने बढ़ाई दोनों दलों की चिंता

इस उपचुनाव का सबसे बड़ा चुनावी संकेत महिला मतदान में आई गिरावट रही। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार महिला मतदाताओं की भागीदारी करीब 9 प्रतिशत कम रही। कुल मिलाकर महिलाओं का मतदान पुरुषों की तुलना में 5.61 प्रतिशत कम रहा, जबकि 2023 में महिलाओं ने पुरुषों से 1.94 प्रतिशत अधिक मतदान किया था। 2008 के बाद हुए पांच विधानसभा चुनावों में यह सबसे बड़ा जेंडर गैप माना जा रहा है। राजनीतिक दलों का मानना है कि महिला मतदान में आई यह गिरावट परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकती है। कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे हाल के सामाजिक और राजनीतिक घटनाक्रमों से जोड़कर भी देख रहे हैं, हालांकि इसका कोई आधिकारिक विश्लेषण सामने नहीं आया है।

नतीजों से पहले बढ़ी सियासी बेचैनी

दतिया उपचुनाव अब केवल एक सीट का चुनाव नहीं रह गया है। यह भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका है। कांग्रेस जहां भितरघात के आरोपों के बीच जीत का दावा कर रही है, वहीं भाजपा संगठनात्मक मजबूती और सरकार की योजनाओं के भरोसे जीत को लेकर आश्वस्त दिखाई दे रही है। मतगणना के बाद केवल विजेता का फैसला ही नहीं होगा, बल्कि यह भी तय होगा कि भितरघात के आरोप कितने सही थे, दामोदर यादव कितना असर छोड़ पाए और महिला मतदाताओं की चुप्पी ने आखिर किस दल का गणित बिगाड़ा।

मध्यप्रदेश में खाद वितरण की नई व्यवस्था लागू

मूंग-उड़द की स्लॉट बुकिंग अब 10 अगस्त तक, खरीद 20 अगस्त तक होगी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने किसानों के हित में दो महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। एक ओर खाद वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए हाइब्रिड मॉडल लागू किया गया है, वहीं ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की सरकारी खरीद के लिए स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 10 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। खरीद की प्रक्रिया अब 20 अगस्त तक जारी रहेगी।

प्रदेश में खाद वितरण को सुगम, पारदर्शी और भ्रष्टाचारमुक्त बनाने के उद्देश्य से 30 जुलाई से हाइब्रिड मॉडल लागू कर दिया गया है। कृषि विकास विभाग के उप संचालक उमेश कुमार कटहरे ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत सभी खाद विक्रेताओं को किसानों को खाद बेचते समय कुछ जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज करनी होगी, जिसमें किसान के आधार कार्ड की फोटो कॉपी, मोबाइल नंबर, कंपनीवार बेची गई खाद की मात्रा और बिक्री का पूरा विवरण निर्धारित रजिस्टर में। यह जानकारी बाद में सरकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। साथ ही खाद विक्रेताओं को 30 जुलाई तक के ई-विकास प्रणाली के रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह व्यवस्था अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

10 अगस्त तक स्लाट बुकिंग और 20 अगस्त तक खरीद

प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द बेचने वाले किसानों के लिए राज्य शासन ने समय-सीमा बढ़ा दी है-किसान अब 10 अगस्त तक अपना स्लाट बुक कर सकेंगे। खरीदी की अंतिम तिथि- सरकारी केंद्रों पर खरीद की प्रक्रिया अब 20 अगस्त तक जारी रहेगी। जिन किसानों ने 30 जुलाई तक अपनी उपज बेच दी है, उन्हें ई-उपार्जन पोर्टल पर दोबारा स्लाट बुक करने की सुविधा भी दी गई है।

फसल उपार्जन नीति में आंशिक संशोधन

विपणन वर्ष 2026-27 की उपार्जन नीति में संशोधन करते हुए राज्य सरकार ने तय किया है कि मूंग के कुल उत्पादन का अधिकतम 60 प्रतिशत तक ही उपार्जन किया जाएगा। उड़द के कुल उत्पादन का अधिकतम 25 प्रतिशत तक सरकारी स्तर पर उपार्जन किया जाएगा।

राहुल गांधी के पुतले पर गोबर पोतकर किया दहन

भोपाल। संसद परिसर में राम मंदिर से जुड़े मुद्दे पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ शनिवार को भोपाल में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने उग्र प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की, उनके पुतले पर गोबर पोता और बाद में पुतला दहन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी।

प्रदर्शनकारी बड़ी संख्या में व्यापम चौराहे पर एकत्र हुए, जहां से लिंक रोड की ओर विरोध मार्च निकाला गया। पुलिस ने पहले से बैरिकेडिंग कर रखी थी। जैसे ही कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पार करने का प्रयास किया, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इससे कुछ देर तक तनाव की स्थिति बनी, हालांकि पुलिस ने हालात नियंत्रित कर लिए।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि संसद परिसर में किए गए विपक्ष के प्रदर्शन से भगवान श्रीराम और हिंदू आस्था का अपमान हुआ है। विरोध स्वरूप राहुल गांधी का पुतला बनाकर पहले उस पर गोबर पोता गया और फिर उसे आग के हवाले कर दिया गया।

विश्व हिंदू परिषद मध्यभारत प्रांत के सहमंत्री जितेंद्र चौहान ने कहा कि संसद परिसर में संत वेश धारण कर प्रदर्शन करना और रामलला के चित्र का जिस प्रकार उपयोग किया गया, उससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण का विरोध करने वाले अब मंदिर बनने के बाद नए तरीके से विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके अनुसार राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच एसआईटी और न्यायिक निगरानी में चल रही है तथा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई भी हो चुकी है। ऐसे में इस मुद्दे पर प्रदर्शन का कोई औचित्य नहीं है।

मध्य प्रदेश संत समाज के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष स्वामी अनिलानंद ने भी संसद में हुए प्रदर्शन की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि रामलला के चित्र का उपयोग कर भगवान श्रीराम को बदनाम करने की कोशिश की गई।

पति की मदद का झांसा देकर पत्नि से रेप करने वाले एआईजी अनिल मिश्रा को उम्रकैद

भोपाल। एमपी के पूर्व एआईजी अनिल मिश्रा के खिलाफ 11 जुलाई 2014 को विवाहिता ने अपने पति की मदद के नाम पर मध्यप्रदेश पुलिस के तत्कालीन एआईजी अनिल मिश्रा द्वारा उससे कई बार दुष्कर्म किये जाने की एफआईआर जयपुर महिला थाना दक्षिण में कराई थी। 12 साल बाद 29 जुलाई 2026 को जयपुर मेट्रो की पॉक्सो मामलों की विशेष कोर्ट ने अनिल मिश्रा को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं प्रकरण पीड़िता की नाबालिग बेटी से अश्लीलता करने पर मिश्रा को तीन साल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन पर 2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त एमपी में पुलिस का वरिष्ठ अधिकारी था। वहां पर उसकी जिम्मेदारी आम नागरिकों की सुरक्षा करने की थी, लेकिन उसने पीड़िता के जेल में बंद पति की मदद करने का प्रलोभन देकर उसके साथ अलग-अलग शहरों में ले जाकर कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी रहते हुए आरोपी ने अपने पद और हैसियत का दुरुपयोग किया। ऐसे व्यक्ति के प्रति नरमी नहीं बरती जा सकती।

- जेल में बंद महिला के पति की मदद करने का दिया था झांसा

जानकारी के अनुसार 11 जुलाई, 2014 को पीड़िता ने महिला थाना दक्षिण में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति फरवरी, 2012 में एमपी के सिरोह में दर्ज एक प्रकरण में जेल गए थे। पति के कहने पर ही वह तत्कालीन एआईजी अनिल मिश्रा से मिलने पहुंची। उसने पति के केस में मदद का भरोसा दिया। मार्च 2012 के पहले सप्ताह में वह भोपाल पहुंची। मिश्रा ने उसके पति के मामले में मदद करने का भरोसा दिलाते हुए पुलिस ऑफिसर्स मेस में ठहराया। और रात के समय उसके कमरे में आकर दुष्कर्म किया।

- जयपुर मेस सहित कई शहरों में ले जाकर करता रहा रेप

पीड़िता ने अपनी शिकायत में आगे बताया की इसके बाद आरोपी ने अक्टूबर 2012 को जयपुर पुलिस मेस में, अक्टूबर 2013 में एम्स अस्पताल के सामने स्थित एक होटल के साथ नवंबर 2013 में अन्य स्थानों पर भी उसके साथ ज्यादती की गई। पीड़िता ने अदालत में कहा कि आरोपी उसे भोपाल, जयपुर, दिल्ली, इंदौर, मुंबई और महाबलेश्वर सहित कई स्थानों पर ले गया, जहां उसकी मर्जी के खिलाफ दबाव बनाकर शारीरिक शोषण किया। और उससे कई बार अपने बैंक खाते में रुपए भी ट्रांसफर कराए।

- बेटी पर डालने लगा बुरी नजर

आरोप था की इस दौरान अनिल मिश्रा पीड़िता की नाबालिग बेटी पर बुरी नियत रखने लगा और अप्रैल, 2014 में बेटी के साथ अश्लीलता भी की। पीड़िता ने कोर्ट में कहा कि आरोपी ने उसकी बेटी को धमकाकर उसका अश्लील फोटो बेटी से ही खिंचवाया था। इसने बेटी काफी डर गई थी। उसने हिम्मत करके परिवार को सारी बात बताई। इस बात पर पीड़िता धैर्य जवाब दे गया और उसने अनिल मिश्रा का विरोध किया। तब मिश्रा ने उसे बेटी की अश्लील फोटो दिखाकर धमकी दी की अगर उसने बात नहीं मानी तो उसके परिवार को नुकसान पहुंचाया जा सकता है। महिला ने साहस कर आरोपी के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

मामले की एफआईआर दर्ज होने के बाद साल 2019 में पुलिस ने अनिल मिश्रा को गिरफ्तार किया। विभागीय जाँच के बाद एमपी सरकार ने उन्हें बर्खास्त कर दिया था।

बिना रेंजर बने ही सेवानिवृत्त हुए दर्जनों डिप्टी रेंजर

भोपाल। वन विभाग में पदोन्नति प्रक्रिया में देरी के कारण दर्जनों डिप्टी रेंजर 31 जुलाई को रेंजर पद पर पदोन्नति का लाभ लिए बिना ही सेवानिवृत्त हो गए। यदि समय रहते पदोन्नति सूची जारी हो जाती, तो उन्हें सम्मानजनक पद के साथ-साथ पेंशन में भी आर्थिक लाभ मिलता। मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मंत्रालय में लंबित डिप्टी रेंजर से रेंजर पदोन्नति सूची तत्काल जारी करने की मांग की है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लगभग एक माह पहले पदोन्नति प्रक्रिया शुरू किए जाने के बावजूद वन विभाग अब तक डिप्टी रेंजर से रेंजर पद पर पदोन्नति सूची जारी नहीं कर सका है। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई 2026 को भी वन विभाग मुख्यालय ने रेंजरों की वर्तमान पदस्थापना की जानकारी मांगी, जिससे स्पष्ट है कि प्रक्रिया अब भी अधूरी है। अशोक पांडे के अनुसार विभागीय देरी का सीधा नुकसान उन अधिकारियों को हुआ, जो पदोन्नति की प्रतीक्षा करते हुए 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो गए। समय पर सूची जारी न होने से वे रेंजर पद का सम्मान और उससे मिलने वाले वित्तीय लाभ से वंचित रह गए। मंच ने सरकार से मांग की है कि लंबित पदोन्नति सूची शीघ्र जारी कर प्रभावित कर्मचारियों को न्याय दिलाया जाए। संगठन का कहना है कि पदोन्नति में हो रही देरी से वन विभाग के कर्मचारियों में असंतोष का माहौल है।

मध्यप्रदेश के 39.84 लाख उपभोक्ताओं का सत्यापन बाकी

गैस कंपनियों का अलर्ट-16 अगस्त तक करा लें ई-केवाईसी, नहीं तो घरेलू एलपीजी सिलेंडर मिलने में आ सकती है दिक्कत

भोपाल। रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए अहम सूचना है। गैस कंपनियों ने उपभोक्ताओं को एसएमएस भेजकर 16 अगस्त तक आधार आधारित बायोमेट्रिक ई-केवाईसी कराने को कहा है। तय समय तक प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। हालांकि, कंपनियों की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है।

मध्यप्रदेश में 1.73 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ता हैं, जिनमें से 39.84 लाख (22.21 प्रतिशत) की ई-केवाईसी अभी बाकी है। राजधानी भोपाल में 7.55 लाख उपभोक्ताओं में से 1.94 लाख का सत्यापन नहीं हुआ है। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि यदि समय पर ई-केवाईसी नहीं हुई तो ऐसे उपभोक्ताओं को घरेलू सिलेंडर मिलने में दिक्कत आ सकती है। कुछ एजेंसी संचालकों का यह भी कहना है कि भविष्य में उन्हें गैर-घरेलू श्रेणी की दर पर सिलेंडर लेना पड़ सकता है, लेकिन इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। फिलहाल 14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 947.50 रुपये है, जबकि 19 किलोग्राम कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2,935 रुपये है।

कमलनाथ के गढ़ से जन विश्वास की शुरुआत करेंगे सीएम मोहन यादव

शिकायतों के समाधान और निवेश पर रहेगा फोकस, सीएम हेल्पलाइन के शिकायतकर्ताओं से करेंगे सीधा संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 7 अगस्त को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के राजनीतिक गढ़ छिंदवाड़ा से राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी जन विश्वास कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। इस कार्यक्रम के जरिए मुख्यमंत्री सीधे नागरिकों से संवाद कर उनकी शिकायतें सुनेंगे, समाधान की समीक्षा करेंगे और जिले में औद्योगिक निवेश तथा रोजगार की संभावनाओं पर भी चर्चा करेंगे। राजनीतिक दृष्टि से इस दौरे को बेहद अहम माना जा रहा है।

प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज चयनित शिकायतों के आवेदकों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत करेंगे। जिन शिकायतों का संतोषजनक निराकरण हो चुका है, उनसे भी मुख्यमंत्री आमने-सामने चर्चा कर फीडबैक लेंगे। साथ ही जिला स्तरीय समाधान कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करेंगे।

उद्योगपतियों से भी करेंगे मुलाकात

मुख्यमंत्री जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे। इसके अलावा छिंदवाड़ा और पांढुर्णा के उद्योगपतियों एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर औद्योगिक निवेश, नए उद्योगों की स्थापना और रोजगार सृजन की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। सरकार का उद्देश्य क्षेत्र में निवेश आकर्षित कर आर्थिक गतिविधियों को गति देना है।

जन विश्वास अभियान का उद्देश्य

छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक साहू के अनुसार जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन और नागरिकों के बीच भरोसा मजबूत करना, शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं नागरिकों से संवाद कर प्रशासनिक व्यवस्था का फीडबैक लेंगे।

प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

छिंदवाड़ा कलेक्टर हरेंद्र नारायण ने बताया कि 7 अगस्त का दौरा प्रस्तावित है। हालांकि अभी आधिकारिक कार्यक्रम प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम का समय और स्थान आधिकारिक स्वीकृति मिलने के बाद घोषित किया जाएगा।

राजनीतिक मायने भी अहम

छिंदवाड़ा लंबे समय तक पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का मजबूत राजनीतिक गढ़ रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा यहीं से जन विश्वास कार्यक्रम की शुरुआत करना केवल प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि सरकार विकास, सुशासन और जनसंवाद के जरिए इस क्षेत्र में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

20 लाख नए मतदाता बदलेंगे मप्र के स्थानीय चुनावों का गणित

5.67 करोड़ मतदाता करेंगे 2027 के नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में मतदान

भोपाल। मध्य प्रदेश में अगले वर्ष प्रस्तावित नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियां अब निर्णायक चरण में पहुंच गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को प्रदेश के सभी नगरीय निकायों और पंचायतों की फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी। इसी सूची के आधार पर जून-जुलाई 2027 में स्थानीय निकायों के चुनाव कराए जाएंगे। इस बार की मतदाता सूची कई मायनों में अहम है। पिछले स्थानीय निकाय चुनावों की तुलना में प्रदेश में करीब 20.17 लाख नए मतदाता जुड़े हैं। यही नए मतदाता आगामी चुनावों में सत्ता का समीकरण बदलने की क्षमता रखते हैं। राजनीतिक दल अब इन्हीं नए मतदाताओं, विशेषकर युवाओं और पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं को साधने की रणनीति बनाने में जुटेंगे।

राज्य निर्वाचन आयोग की अंतिम सूची के अनुसार प्रदेश में कुल 5 करोड़ 67 लाख 21 हजार 353 मतदाता पंजीकृत हैं। पिछले स्थानीय निकाय चुनावों में यह संख्या 5 करोड़ 47 लाख 4 हजार 296 थी। यानी पांच वर्षों में मतदाताओं की संख्या में 20 लाख 17 हजार से अधिक की वृद्धि हुई है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक सूची पर प्राप्त दावे और आपत्तियों के निराकरण, सत्यापन और आवश्यक संशोधन के बाद अंतिम फोटोयुक्त मतदाता सूची प्रकाशित की गई है। आगामी स्थानीय चुनावों में यही अधिकृत मतदाता सूची होगी।

ग्रामीण मतदाता तय करेंगे चुनावी दिशा

अंतिम सूची के अनुसार प्रदेश के 72 प्रतिशत मतदाता ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 4 करोड़ 6 लाख 70 हजार 369 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जिनमें 2 करोड़ 9 लाख 33 हजार 656 पुरुष, 1 करोड़ 97 लाख 36 हजार 108 महिलाएं और 605 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। यानी ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत चुनावों में ग्रामीण मतदाता सबसे निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

शहरी क्षेत्रों में 1.60 करोड़ मतदाता

प्रदेश के नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषदों के चुनाव में कुल 1 करोड़ 60 लाख 50 हजार 984 मतदाता मतदान करेंगे। इनमें 81 लाख 75 हजार 766 पुरुष, 78 लाख 74 हजार 281 महिलाएं और 937 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में पुरुष और महिला मतदाताओं के बीच अंतर लगभग 3 लाख का है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह अंतर करीब 11 लाख है। प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची में महिला मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 76 लाख से अधिक है। पिछले वर्षों में महिलाओं की मतदान भागीदारी लगातार बढ़ी है, लेकिन पंजीकृत मतदाताओं की संख्या के लिहाज से वे अब भी पुरुषों से पीछे हैं। निर्वाचन आयोग ने इस बार थर्ड जेंडर मतदाताओं को अलग श्रेणी में शामिल किया है। प्रदेश में कुल 1,542 थर्ड जेंडर मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 937 शहरी और 605 ग्रामीण क्षेत्रों के हैं।

एसआईआर के बाद 27.40 लाख मतदाता बढ़े

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच कराए गए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद प्रदेश में मतदाताओं की संख्या लगातार बढ़ी है। एसआईआर के बाद जारी सूची में प्रदेश में 5 करोड़ 39 लाख 81 हजार 65 मतदाता थे, जबकि अब राज्य निर्वाचन आयोग की अंतिम सूची में यह संख्या बढ़कर 5 करोड़ 67 लाख 21 हजार 353 हो गई है। यानी इस अवधि में 27.40 लाख नए मतदाता जुड़े हैं।

अब तेज होंगी चुनावी तैयारियां

अंतिम मतदाता सूची जारी होने के साथ ही चुनावी तैयारियां भी रफ्तार पकड़ेंगी। निर्वाचन आयोग मतदान केंद्रों का पुनर्गठन, मतदान दलों का गठन, प्रशिक्षण और सामग्री प्रबंधन की प्रक्रिया तेज करेगा। दूसरी ओर सभी प्रमुख राजनीतिक दल बूथवार मतदाता सूची का विश्लेषण कर नए मतदाताओं तक पहुंचने और अपने संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम शुरू करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जीत-हार का अंतर कई बार कुछ सौ या कुछ हजार वोटों का ही होता है। ऐसे में 20 लाख से अधिक नए मतदाताओं की मौजूदगी चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकती है। युवा मतदाता, पहली बार मतदान करने वाले नागरिक और तेजी से बढ़ते शहरी क्षेत्रों के वोटर इस बार स्थानीय सत्ता की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कांग्रेस के नए प्रवक्ताओं की सूची दिल्ली में अटकी

टैलेंट हंट कराया, इंटरव्यू लिए, अब 3 महीने से नतीजे का इंतजार

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में नए प्रवक्ताओं और मीडिया टीम के गठन के लिए शुरू किया गया टैलेंट हंट अब पार्टी के लिए ही इंतजार का मुद्दा बन गया है। आवेदन बुलाने से लेकर संभाग और प्रदेश स्तर पर साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी तीन महीने से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन नए प्रवक्ताओं की सूची अब तक जारी नहीं हुई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अंतिम सूची दिल्ली में मंजूरी के इंतजार में अटकी है। इसका असर उन नेताओं और युवाओं पर पड़ रहा है, जिन्होंने कांग्रेस के मीडिया विभाग में जिम्मेदारी पाने के लिए आवेदन किया था। पार्टी ने नए चेहरों को तलाशने और उन्हें आगे लाने की कोशिश शुरू की, लेकिन चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी इन चेहरों को पार्टी का औपचारिक राजनीतिक मंच नहीं मिल सका है।

500 के करीब आवेदन, कई चरणों में चयन प्रक्रिया

प्रदेश कांग्रेस ने प्रवक्ता और मीडिया से जुड़े अलग-अलग पदों के लिए टैलेंट हंट शुरू किया था। 28 फरवरी तक आवेदन मांगे गए थे। प्रदेशभर से करीब 500 लोगों ने आवेदन किया। इसके बाद मार्च में संभाग स्तर पर साक्षात्कार हुए और चुने गए उम्मीदवारों के प्रदेश स्तर पर भी साक्षात्कार लिए गए। भोपाल में वरिष्ठ नेताओं की समिति ने उम्मीदवारों को परखा। योजना के मुताबिक प्रदेश स्तर पर करीब 20 प्रवक्ताओं के साथ शोध, मीडिया और प्रचार-प्रसार से जुड़े पदों पर भी नई नियुक्तियां की जानी थीं। टैलेंट हंट की कवायद का उद्देश्य कांग्रेस के लिए ऐसे नए चेहरे तैयार करना था, जो पार्टी की विचारधारा को मजबूती से रख सकें और समसामयिक मुद्दों पर तथ्यों व शोध के आधार पर जवाब दे सकें।

10 भारतीय मुक्केबाजों के फाइनल में पहुंचने से 9 वां दिन बना यादगार

जूडो में ऐतिहासिक 2 गोल्ड, नीरज और यशवीर को भालाफेंक में पदक, मुक्केबाजों का जलवा कायम

ग्लास्गो, एजेंसी।

जूडो में पहली बार दो स्वर्ण पदक, भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा और यशवीर सिंह को पदक और मुक्केबाजी रिंग में 10 भारतीयों के फाइनल में पहुंचने के साथ राष्ट्रमंडल खेलों में शुक्रवार को नौवां दिन भारत के लिये यादगार रहा।

जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने इतिहास रच दिया जिन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में इस स्पर्धा में भारत की झोली में पहली बार पीले तमगे डाले। वहीं यामिनी मौर्य ने रजत पदक जीतकर जूडो के लिये इन खेलों को अभूतपूर्व बना दिया। एथलेटिक्स में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को रजत से संतोष करना पड़ा जबकि पहली बार खेल रहे यशवीर ने आखिरी प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके कांस्य पदक जीता। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर राष्ट्रमंडल खेलों में डेकाथलन में कांस्य जीतकर पदक अपने नाम करने वाले पहले भारतीय बन गए।

मुक्केबाजी में अरूंधति चौधरी, ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैम्पियन जैस्मीन लंबोरिया समेत आठ भारतीय फाइनल में पहुंच गए। लॉन बॉल्स में भारत की युगल टीम ने अपराजेय अभियान बरकरार रखते हुए चौथी जीत दर्ज की जबकि साइकिलिंग में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। जूडो में रचा इतिहास , दो स्वर्ण मिले भार त

ने जूडो में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता जो 1990 के ऑकलैंड राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो के पदक खेल बनने के बाद भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। त्रिपुरा की 23 वर्षीय अस्मिता डे जूडो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई जिन्होंने 48 किग्रा से कम भार वर्ग में कनाडा की हेडी क्वाच को नाटकीय 'गोल्डन स्कोर' मुकाबले में हराकर खिताब जीता। हर्ष सिंह राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पुरूष खिलाड़ी बन गए जिन्होंने आस्ट्रेलिया के अनुभवी जोशुआ कैट्ज को हराकर पुरूषों के 60 किलो फाइनल में स्वर्ण पदक जीता।

पहली बार इन खेलों में उतरे 23 वर्ष के हर्ष ने खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे जूडोका के खिलाफ संयम खोये बिना जबर्दस्त खेल दिखाया। यामिनी काफी करीब से स्वर्ण पदक जीतने से चूक गईं और उन्हें महिलाओं के 57 किग्रा से कम भार वर्ग के 'गोल्डन स्कोर' तक पहुंचे फाइनल में इंग्लैंड की अनुभवी एसिल्या टॉपराक से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। **एथलेटिक्सः** नीरज और यशवीर को पदक, तेजस्विन ने रचा इतिहास भारतीय भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा कठिन हालात में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन रजत पदक जीता जबकि यशवीर सिंह ने आखिरी प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके कांस्य पदक अपने नाम किया। तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन 28 वर्ष के नीरज ने दूसरे प्रयास में इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85 . 83 मीटर थ्रो फेंका।

राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार उतरे 24 बरस के यशवीर ने छठे और आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर थ्रो फेंककर सभी को चौंका दिया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83.72 मीटर था। श्रीलंका के स्टार रूमेश थरंगा पथिरागे ने अपेक्षा के अनुरूप 89.75 मीटर फेंककर स्वर्ण पदक जीता।

श्रीलंका दौरे में क्लीन स्वीप कर इतिहास दोहराना चाहेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से मेजबान श्रीलंकाई टीम के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने के लिए उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य दो मैचों की इस सीरीज को जीतकर इतिहास दोहराना रहेगा। श्रीलंका की धरती पर भारतीय क्रिकेट टीम का टेस्ट रिकॉर्ड काफी रोमांचक रहा है। भारत ने अब तक वहां कुल आठ टेस्ट सीरीज खेली हैं, जिनमें से तीन बार सीरीज उसने जीती है जबकि तीन बार मेजबान श्रीलंका की टीम को जीत मिली है। वहीं, दो टेस्ट सीरीज ड्रॉ रही है। भारतीय टीम ने पिछले तीन श्रीलंकाई दौरों में से 2010 की सीरीज ड्रॉ रही थी, जबकि 2015 और 2017 में भारत ने मेजबानों को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। साल 2017 के दौरे पर भारतीय टीम ने श्रीलंका के सभी मैच हराये थे। अब ठीक नौ सालों के लंबे इंतजार के बाद भारतीय टीम के पास एक बार फिर क्लीन स्वीप कर इतिहास दोहराने का अवसर है।

इस सीरीज का पहला टेस्ट गॉल में खेला जाएगा जबकि दूसरा और निर्णायक टेस्ट मैच 23 अगस्त 2024 से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका की स्पिन को सहायता देने वाली पिच और कठिन हालातों को देखते हुए भारतीय टीम की राह आसन नहीं है। इसी कारण एक ऐसी टीम चयनित की गयी है। जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी दोनो ही शामिल रहें। टीम

की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को शामिल किया गया है। वहीं विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत और युवा ध्रुव जुरेल को मिली है। श्रीलंकाई पिचों पर स्पिनरों की भूमिका हमेशा बेहद महत्वपूर्ण रही है, जिसे देखते हुए चयनकर्ताओं ने रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव के अनुभवी हाथों के साथ-साथ मानव सुथार और सारांश जैन जैसे प्रतिभाशाली स्पिनरों को टीम में अवसर दिया है। वहीं, तेज गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज संभालेंगे।

यह दो मैचों की सीरीज केवल एक सामान्य द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, बल्कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंकतालिका में टेबल में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। अभी भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी चक्र में पांचवें स्थान पर है, उसने नौ टेस्ट मैचों में चार जीत, चार हार और एक ड्रॉ के साथ 48.15 अंक प्रतिशत हासिल किए हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है; श्रीलंकाई टीम तालिका में छठे स्थान पर है, जिसके पास चार मैचों में एक जीत, एक हार और दो ड्रॉ के साथ 41.67 अंक प्रतिशत हैं। ऐसे में दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज पॉइंट्स टेबल में ऊपर चढ़ने और फाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

महिला डिस्कस थ्रो खिलाड़ी सीमा कालीरमन ने जुनून और दृढ़ संकल्प से हासिल की सफलता

भिवानी । हरियाणा के भिवानी की रहने वाली महिला डिस्कस थ्रो खिलाड़ी सीमा कालीरमन ने ग्लास्गो राष्ट्रमण्डल खेलों में कांस्य पदक जीतकर मिसाल कायम की है। चार साल के बेटे की मां और पीएचडी स्कॉलर सीमा का यह असाधारण सफर चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन उनके दृढ़ संकल्प ने उन्हें विजय दिलाई। खेल के प्रति उनके जुनून को उनके पति रविंदर कालीरमन ने समझा और उन्हें पूरा समर्थन दिया। उनकी कोचिंग में ही सीमा ने पदक जीतक दिखाया है कि किसी भी समय वापसी की जा सकती है। घुटने की गंभीर चोट और प्रेग्नेंसी जैसी बाधाओं के बावजूद सीमा ने कभी हार नहीं मानी और हर बार शानदार वापसी की। यह पोडियम फिनिश सीमा के लिए पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय पदक ल था। डिस्कस थ्रो के फाइनल में 27 वर्षीय इस एथलीट के छह राउंड में से केवल दो ही थ्रो सही (वैलिड) हो पाए, फिर भी उन्होंने अपनी जगह बनाई।

सीमा ने मां बनने के बाद एक एथलीट के तौर पर अपनी पहचान और मजबूत की। मां बनने के 11 माह के बाद ही अपने शरीर को दोबारा प्रतिस्पर्धी स्तर पर लाने के लिए उन्होंने कठिन संघर्ष किया। फिटनेस, ताकत और तकनीक हासिल करने में उन्हें कई महीने लगे, जो उनके दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। सीमा केवल एक अंतरराष्ट्रीय एथलीट नहीं हैं, बल्कि भिवानी स्थित चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय से फिजिकल एजुकेशन में पीएचडी भी कर रही हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है।

में बेटे के जन्म से पहले उनका पर्सनल बेस्ट 48.08 मीटर था, लेकिन 11 महीने के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए उन्होंने इसे 57.19 मीटर तक पहुंचाया। इस साल की शुरुआत में भुवनेश्वर में हुई इंडियन चैंपियनशिप में उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 59.73 मीटर का थ्रो किया। उनके पति रविंदर कालीरमन खुद एक जाने-माने डिस्कस थ्रो एथलीट रहे हैं, जिन्होंने भारतीय अंडर-18 और अंडर-20 चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीते थे। सीमा अपने एथलेटिक करियर के साथ-साथ ही फिजिकल एजुकेशन में पीएचडी भी कर रही हैं। चोट के कारण तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहने के बावजूद, सीमा ने कड़ी मेहनत से वापसी की और देश के शीर्ष डिस्कस थ्रोअर्स में फिर से अपनी जगह बनाई। उन्होंने 2025 नेशनल गेम्स में गोल्ड मेडल जीता और बाद में नेशनल टाइटल भी अपने नाम किया। उनकी वापसी की उल्लेखनीय उपलब्धि 2026 साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतना और राष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन करना रही। 2026 में 59.73 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ, उन्होंने 2026 एशियाई खेलों और कॉमनवेल्थ गेम्स दोनों के लिए क्वालीफाई किया।

दिल्ली प्रीमियर लीग में यश ढुल की पारी से सेंट्रल दिल्ली किंग्स जीती

नई दिल्ली । दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के मुकाबले शुरु हो गये हैं। यहां के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में एक रंगारंग समारोह के बाद ये मुकाबले शुरु हुए। इस सत्र का पहला मुकाबला पुरानी दिल्ली 6 और सेंट्रल दिल्ली किंग्स के बीच खेला गया। इसमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने कप्तान यश ढुल की शानदार बल्लेबाजी की सहायता से दिल्ली 6 को 4 विकेट से हराया। इस मैच में पुरानी दिल्ली के कप्तान अनुज रावत ने तेजी से खेलते हुए नाबाद 105 रन बनाये। इससे उनकी टीम 20 ओवरों में 202 रनों तक पहुंच गयी। इसे बाद सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने जीत के लिए मिले 203 रनों के लक्ष्य को अंतिम ओवर में हासिल कर लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत अच्छी नहीं रही। केवल 30 रनों के अंदर ही उसके शुरुआती तीन बल्लेबाज पेवेलियन लौट गये। दबाव के इस माहौल में कप्तान अनुज रावत ने देव लाकरा के साथ मिलकर पारी को संकट से उबारा। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 81 गेंदों में 132 रन बनाये। लाकरा ने 37 गेंदों में 6 चौकों और 1 छक्के की मदद से 57 रन बनाये। वहीं अनुज रावत ने भी आक्रामक रुख् दिखाते हुए 59 गेंदों में 11 चौके और 5 छक्के लगाकर नाबाद 105 रन बनाए। उनकी इस बेहतरीन पारी की बदौलत पुरानी दिल्ली 6 ने 20 ओवर में 202 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 203 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से कप्तान यश ढुल ने आक्रामक शुरुआत की और सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ जून के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 65 रन बना दिये। यश ने केवल 45 गेंदों में 5 चौकों और 4 छक्कों की सहायता से शानदार 72 रन बनाए। यश के आउट होने के बाद कोई भी अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया पर टीम ने किसी प्रकार 204 रन बनाकर 4 विकेट से मुकाबला जीत लिया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से रजनीश दादर, पंकज जसवाल, उद्धव मोहन और देव लाकरा ने एक-एक सफलता विकेट लिया।

राष्ट्रमण्डल खेलों में अब भी 10 वें स्थान पर है भारत, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार

ग्लास्गो । स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों में 9 वें दिन भारत ने छह पदक जीते पर इसके बाद भी उसे पदक तालिका में 10 वां स्थान ही मिला है। नौंवे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जूडो में भारतीय खिलाड़ियों ने दो रजत पदक जीते। वहीं भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने रजत जबकि यशवीर सिंह ने कांस्य पदक जीता। डेकाथलॉन में तेजस्विन शंकर ने कांस्य पदक अपने नाम किया। हैरानी की बात ये रही कि एक ही दिन में 2 स्वर्ण पदक के बाद भी भारत को तालिका में लाभ नहीं मिला। भारत अब तक 23 पदक के साथ 10वें नंबर पर कायम है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। उसके कुल पदकों की संख्या 128 हो गयी है, जिसमें 55 स्वर्ण, 30 रजत और 43 कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं इंग्लैंड 17 स्वर्ण, 34 रजत और 29 कांस्य पदक के साथ ही दूसरे स्थान पर बना हुआ है। वहीं, कनाडा 17 स्वर्ण सहित कुल 53 पदक जीतकर तीसरे नंबर पर बनी हुई है। मेजबान स्कॉटलैंड चौथे नंबर पर है। स्कॉटलैंड ने अब तक 10 स्वर्ण, 8 रजत और 16 कांस्य पदक जीते हैं। वहीं नाइजीरिया 9 स्वर्ण पदक के साथ ही कुल 18 पदक जीतकर पांचवें नंबर पर मौजूद है। 7 स्वर्ण, 10 रजत और 8 कांस्य पदक जीतकर न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। दक्षिण् अफ्रीका 7 स्वर्ण सहित कुल 25 पदक के साथ ही सातवें नंबर पर बना हुआ है।

रियल मैड्रिड ने युवा स्ट्राइकर कार्लोस को अपने साथ जोड़ा

मैड्रिड । स्पेन के शीर्ष फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने लेवांते के युवा स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को अपने साथ जोड़ा है। रियल मैड्रिड ने एस्पी को करीब 25 मिलियन यूरो की मोटी रकम देकर खरीदा है। ऐसे में अब अगल सत्र से कार्लोस रियल की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। रियल ने कहा कि कि कार्लोस अगले पांच साल तक उसके पास ही रहेंगे। इसके तहत ये फुटबॉलर जून, 2031 तक रियल की ओर से खेलेगा। गौरतलब है कि रियल मैड्रिड में आने से पहले कार्लोस ने लेवांते की ओर से तीन सत्र खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 66 मैचों में 20 गोल दागे हैं।

भारत के तेजस्विन ने डेकाथलॉन में कांस्य जीतकर जीता, सभी मुक्केबाज भी फाइनल में पहुंचे

ग्लासगो। भारत के तेजस्विन शंकर ने स्कॉटलैंड में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों की डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही तेजस्विन इन खेलों की दो अलग-अलग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। तेजस्विन के अलावा मुक्केबाजी में भारत के सभी दस मुक्केबाजों ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश किया है। पुरुषों के डेकाथलॉन में हाई जम्पर से डेकाथलीट बने तेजस्विन ने कुल 7,976 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। इसके के साथ वह इन खेलों की दो अलग-अलग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। इससे पहले, उन्होंने बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों में पुरुषों की हाई जंप में कांस्य पदक जीता था। गौरतलब है कि ट्रैक एंड फील्ड की सबसे कठिन स्पर्धाओं में से एक माने जाने वाले डेकाथलॉन में तेजस्विन ने जबरदस्त खेल दिखाया। कई दिनों तक चले विभिन्न चरणों में उन्होंने शानदार वापसी की। 100 मीटर रेस में सातवें स्थान पर रहने के बाद, लॉन्ग जंप में 1015 अंक और हाई जंप में 944 अंक हासिल कर वे तीसरे स्थान पर पहुंच गए थे। बीच में वे चौथे स्थान पर फिसल गए, लेकिन जैवलिन थ्रो में अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें फिर से पदक की दौड़ में शामिल हो गये। 1500 मीटर रेस में अपने अच्छे प्रदर्शन से उन्होंने कांस्य पदक पक्का कर लिया। तेजस्विन 8,000-अंक का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय डेकाथलीट बन गये हैं। उन्होंने इससे पहले हुए एशियाई खेलों में भी डेकाथलॉन में रजत पदक जीता था। दूसरी ओर मुक्केबाजी रिंग में भारतीय दल हावी रहा। नौवें दिन भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए सभी दस वजन वर्ग के फाइनल में जगह बनायी। इससे देश के लिए कम से कम दस रजत पदक पक्के हो गये है। अब उनकी नजरें स्वर्ण पदकों पर लगी हैं। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने 66 किग्रा भार वर्ग में तुवालु की तारोना खानुम बादी पासोनी ताफाकी को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। उनके अलावा, साक्षी 51 किग्रा ने कनाडा की एम्बर-जेन वॉल को और प्रिया 60 किग्रा ने इंग्लैंड की एल. किंग्स-व्हीटली को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया। वहीं पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में सचिन ने हैरिस-एलन (वेल्स) को हराकर फाइनल में जगह बनायी। एक अन्य मुकाबले में नरेंद्र बेरवाल ने 90 किलो से अधिक वजन वर्ग में त्रिनिदाद और टोबैगो के नाइजेल पॉल को 5-0 के एकतरफा फैसले में हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

भारत की तन्वी ताइपे ओपन के फाइनल में पहुंचीं

ताइपे । भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने यहां खेले जा रहे ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ ही महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया है। तन्वी ने सेमीफाइनल में मेजबान चीनी ताइपे की हुआंग यु सुन को सीधे गेमों में हराया। वहीं भारत की ही एक अन्य खिलाड़ी उन्नति हुड्डा सेमीफाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयीं। तन्वी ने केवल 33 मिनट में ही हुआंग को 21-17, 21-11 से हरा दिया। अब खिताबी मुकाबले में तान्वी का सामना वियतनाम की अनुभवी खिलाड़ी थुई लिन्ह गुयेन से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में उन्नति को 15-21, 18-21 से हराकर फाइनल में जगह बनायी थी। सेमीफाइनल में तान्वी ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इस खिलाड़ी ने तेज क्रॉस-कोर्ट स्मैश, सटीक पुश शॉट और शानदार ड्रॉप शॉट्स से चीनी ताइवे की खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। पहले गेम में 7-6 की बढ़त बनाने के बाद तन्वी ने अपने प्रदर्शन को बनाये रखते हुए स्कोर को 17-11 तक पहुंचा दिया। तन्वी ने संयम दिखाते हुए शानदार प्रदर्शन किया और पहला गेम 21-17 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में भी अंतिम 14 में से 12 अंक जीतकर 21-11 से गेम के साथ ही मुकाबला जीता। गौरतलब है कि तन्वी भारतीय बैडमिंटन के उभरते सितारों में से एक हैं। वह 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम का अहम हिस्सा रही थीं।

वेस्टइंडीज टीम में बढ़ा विवाद, अल्जारी ने कोच सैमी के बयान को गलत बताया

जमैका। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम में विवाद बढ़ता जा रहा है। अब तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने मुख्य कोच डैरेन सैमी के उस बयान को गलत बताया है। जिसमें सैमी ने दावा किय कहा था कि जोसेफ ने पाकिस्तान के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में खेलने से मना कर दिया था। अल्जारी ने कहा कि कोच की ये टिप्पणी गलत है। उन्होंने कभी भी खेलने से इंकार नहीं किया था। इस मामले से टीम के अंदर के विवाद खुलकर सामने आ गये हैं। पाकिस्तान के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज से बाहर होने के बाद अल्जारी ने पहली बार इस मामले टिप्पणी की है। इस तेज गेंदबाज ने कहा, मेरे और कोच के बीच बातचीत हुई थी, और मैंने क्रिकेट बोर्ड से भी बात की थी। साथ ही कहा कि यदि आप बोर्ड द्वारा जारी बयान को देखें, तो उसमें निजी कारणों का उल्लेख था। सैमी को अच्छी तरह पता है कि उस बयान का क्या प्रभाव होगा। इससे लोगों के मन में मेरे प्रति गलत धारणा बनेगी।

गौरतलब है कि ये विवाद तब शुरू हुआ जब बोर्ड ने पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए टीम की घोषणा करते हुए केवल इतना कहा था कि अल्जारी निजी कारणों से बाहर हैं। वहीं सैमी ने पहले टेस्ट से पहले कहा था, हमारे लिए यह एक बड़ा नुकसान है। जोसेफ ने खेलने से इनकार कर दिया है। यही सच है। कोच ने आगे कहा था, उन्हें चुना गया था पर कुछ कारणों से उन्होंने चयन से मना कर दिया था। यह फैसला मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मैं इसे निदेशकों पर छोड़ता हूं कि वे इसका कोई समाधान निकालें कि अनुबंधित खिलाड़ी चुने जाने से इनकार करते हैं तो क्या होगा। अल्जारी ने जोसेफ ने जून-जुलाई 2026 में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में दोनों मैच खेले थे पर पाकिस्तान के खिलाफ निजी कारणों से खेलने से मना कर दिया था। वह वेस्टइंडीज के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने अब तक 42 टेस्ट मैचों में 130 विकेट हासिल किए हैं। उनकी अनुपस्थिति टीम के लिए निश्चित रूप से एक झटका है!

इंग्लैंड में छाए हुए हैं भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष

लंदन । भारतीय तेज गेंदबाज आशुतोष शर्मा आजकल इंग्लैंड में अपने शानदार प्रदर्शन से छाये हैं। आशुतोष ने मेट्रो एकदिवसीय कप में हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए केवल चार मैचों में ही 13 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया है। उन्होंने सेसेक्स के खिलाफ मुकाबले में पांच विकेट लिए।

ससेक्स के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने तीन विकेट लेकर हैम्पशायर को जीत दिलायी। उन्होंने अपने 10 ओवर में केवल 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उनकी सटीक लाइन और लेंथ के सामने विरोधी बल्लेबाज टिक नहीं पाये।

एकदिवसीय कप में आशुतोष ने 21 जुलाई को यॉर्कशायर के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही तीन विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इसके बाद मिडिलसेक्स के खिलाफ उन्होंने चार विकेट जबकि वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ एक विकेट लिया। वहीं ससेक्स के खिलाफ पांच विकेट लेकर उन्होंने जबरदस्त जोरदार वापसी की।

आशुतोष के इस शानदार प्रदर्शन से उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स भी उत्साहित है। दिल्ली कैपिटल्स ने सोशल मीडिया में आशुतोष की सराहना करते हुए उनके लिए एक पोस्ट भी साझा की है। इससे पहले आईपीएल में दिल्ली के लिए आशुतोष ने पिछले दो आईपीएल सीज़न में एक फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाई थी।

मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल राष्ट्रमण्डल खेलों के फाइनल में पहुंचे

ग्लासगो । भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल यहां जारी राष्ट्रमण्डल खेलों के पुरुष वर्ग में 90 किलो वर्ग के फाइनल में पहुंच गये हैं। नरेन्द्र ने सेमीफाइनल मुकाबले में त्रिनिदाद और टोबैगो के मुक्केबाज नाइजेल पॉल को 5-0 से हराया। इस जीत के साथ ही भारत का रजत पदक पक्का हो गया है। सेमीफाइनल मुकाबले में इस भारतीय मुक्केबाज ने आक्रामक रुख अपनाते हुए अपने सटीक प्रहारों से विरोधी मुक्केबाज को बेबस कर दिया। नरेन्द्र ने शुरुआत से ही । मुकाबले में बढ़त बनाए रखी। इसी कारण पांचों जजों ने एकमत होकर भारतीय मुक्केबाज को विजयी करार दिया। इससे साफ है कि पूरे मुकाबले में बेरवाल हावी रहे।

अब स्वर्ण पदक के लिए होने वाले निर्णायक मुकाबले में नरेंद्र बेरवाल का सामना स्कॉटलैंड के अनुभवी मुक्केबाज रॉबर्ट मैकनल्टी से होगा। बेरवाल लगातार शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। इससे पहले उन्होंने जून 2026 में चेक गणराज्य में आयोजित प्रतिष्ठित यूरोपियन कप गोल्ड ग्रांड प्रिक्स में भी स्वर्ण पदक जीता था। उस टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने पेरिस ओलंपियन और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता उज्बेकिस्तान के जाखोंगिर जोकिरोव जैसे दिग्गज मुक्केबाज को हराया था। बेरवाल ने साल 2010 में अपने मुक्केबाजी करियर की शुरुआत की और बाद में भिवानी स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में गहन प्रशिक्षण लिया। उनके नाम कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक दर्ज हैं, जिनमें 2019 दक्षिण एशियाई खेलों का स्वर्ण, 2022 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप का कांस्य, 2023 एशियन गेम्स का कांस्य और 2025 विश्व बॉक्सिंग कप का रजत पदक प्रमुख हैं। अब पूरे देश की निगाहें बेरवाल पर टिकी हैं। प्रशंसकों को उनसे स्वर्ण पदक की उम्मीद है।

जंतर-मंतर विवाद पर बोले पीएम मोदी

भटके युवाओं को सजा नहीं, सही राह दिखाने की जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने और अपनी दिवंगत मां के खिलाफ इस्तेमाल की गई अभद्र भाषा पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस तरह की भाषा किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं है। हालांकि उन्होंने प्रदर्शन में शामिल युवाओं को माफ करने की बात कहते हुए समाज से उन्हें सही दिशा दिखाने और अपनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार रात अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि बचपन और युवावस्था गलतियों से सीखने तथा स्वयं को सुधारने का अवसर होती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ, उसे पूरे देश और दुनिया ने देखा। कुछ भटके हुए युवाओं ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से अपमानित किया गया और उनकी स्वर्गीय मां के बारे में भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। उन्होंने स्वीकार किया कि इस घटना से समाज में आक्रोश और सांस्कृतिक झटका महसूस किया गया, लेकिन इसके बावजूद उनका मानना है कि गलती करने वाले युवाओं को सुधारने का अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं को कानूनी मामलों या दंडात्मक कार्रवाई में उलझाने से सकारात्मक बदलाव नहीं आएगा। इसके बजाय समाज की जिम्मेदारी है कि उन्हें सही मार्ग दिखाए और बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रेरित करे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह कार्य कठिन अवश्य है, लेकिन यही समाज और देश के प्रति सभी का कर्तव्य भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके मन में किसी के प्रति प्रतिशोध की भावना नहीं है, बल्कि वह उन्हें क्षमा कर आगे बढ़ने का अवसर देना चाहते हैं।

युवाओं से संवाद का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये बच्चे भी इसी देश के हैं और सभी को मिलकर उनके बेहतर भविष्य के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपनी गलतियों से सीख लेने, सकारात्मक सोच अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।

इस बीच, प्रदर्शन को लेकर केंद्र सरकार और संबंधित पक्षों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत में भी यह सहमति बनी थी कि प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। ऐसे में प्रधानमंत्री का बयान उसी रुख को आगे बढ़ाने वाला माना जा रहा है। उनके संदेश को विवाद के बीच संयम, संवाद और सुधार पर आधारित दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें दंड की बजाय समझाइश और सामाजिक जिम्मेदारी पर अधिक जोर दिया गया है।

केजरीवाल का मोदी सरकार पर हमला- ट्रंप के दबाव में थोपा एथेनॉल

पेट्रोल की कीमतों पर रखी तीन मांगें

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल की बढ़ती कीमतों और ईंधन के इस्तेमाल को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया है कि मोदी सरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने के लिए देश पर जबरन एथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ई-20) थोप रहे है। आप नेता केजरीवाल ने देश की आम जनता के हितों का हवाला देकर मोदी सरकार के सामने तीन बेहद अहम मांगें रखी हैं।

केजरीवाल ने दावा किया कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा एथेनॉल उत्पादक है और भारत उससे भारी मात्रा में एथेनॉल आयात कर रहा है। उन्होंने लिखा, मोदी जी ट्रंप को खुश करने के लिए हमारे देश पर जबरदस्ती एथनॉल थोप रहे हैं‌ई20 लागू होने के बाद, भारत अमेरिका से 5 गुना अधिक एथनॉल इंपोर्ट करेगा। ट्रम्प को खुश करने के लिए मोदी जी देश की जनता को बर्बाद कर रहे हैं।

इन गंभीर आरोपों के साथ, केजरीवाल ने उपभोक्ताओं के हित में सरकार से तीन प्रमुख मांगें की हैं। उनकी पहली मांग है कि देश के हर पेट्रोल पंप पर ग्राहकों को अपनी पसंद का पेट्रोल चुनने का अधिकार मिले, यानी ई-20 के साथ-साथ शुद्ध पेट्रोल का विकल्प भी हमेशा मौजूद रहे।

परिसीमन और महिला आरक्षण बिल : दो-तिहाई वोटों की दीवार पार करने को तैयार मोदी सरकार?

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुका है, और केंद्र की मोदी सरकार की नजर अब दो अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयकों महिला आरक्षण बिल और लोकसभा-विधानसभा सीटों को बढ़ाने वाले परिसीमन विधेयक पर टिक गई है। एंटी पेपर लीक बिल जैसे महत्वपूर्ण विधायी कामकाज निपटाने के बाद, मोदी सरकार के सामने इन संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत की चुनौती खड़ी है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरु हुआ और 13 अगस्त तक चलेगा। शुरुआती सप्ताह पेपर लीक और छात्र आंदोलन के विरोध में हंगामे की भेंट चढ़ गए थे, लेकिन दूसरे सप्ताह में मोदी सरकार एंटी पेपर लीक बिल जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने में सफल रही। अब बचे हुए करीब नौ दिनों में केंद्र सरकार इन दोनों विधेयकों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर सकती है। चूंकि महिला आरक्षण और परिसीमन बिल संविधान संशोधन से जुड़े हैं, इसलिए इन्हें पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की जरुरत होगी। लोकसभा में कुल 543 सीटों में से तीन रिक्त हैं, इसके बाद 540 सदस्यों में से किसी भी विधेयक को पारित कराने के लिए 360 सांसदों का समर्थन अनिवार्य है।

मोदी सरकार ने पूर्व में भी परिसीमन बिल पेश किया था, लेकिन तब वह आवश्यक बहुमत नहीं जुटा पाई थी। हालांकि, हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों, जैसे तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) से सांसदों के दलबदल ने सरकार के संख्या बल को मजबूत किया है। वर्तमान में, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास करीब 293 सांसद हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ दलबदलुओं और वाईएसआरसीपी के 4 तथा एक निर्दलीय सांसद के समर्थन को मिलाकर, सरकार के पास करीब 324 सांसदों का आंकड़ा होने का अनुमान है। दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सांसदों की आवश्यकता है, जिसका अर्थ है कि सरकार को अभी भी लगभग 36 अतिरिक्त वोटों की जरूरत है। केंद्र की मोदी सरकार की नजर डीएमके के 22 और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) के 8 सांसदों पर थी। हालांकि, एंटी पेपर लीक के मुद्दे पर एनसीपी (एसपी) के आक्रामक रुख को देखकर उनका समर्थन हासिल करना अब मुश्किल प्रतीत हो रहा है। लेकिन मोदी सरकार ने अभी तक इन दोनों महत्वपूर्ण विधेयकों पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। राजनीतिक गलियारों में यह माना जा रहा है कि मोदी सरकार इन विधेयकों को तभी सदन में लाएगी, जब वह इनके पारित होने को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त होगी और आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का समर्थन जुटा लेगी।

अमेरिका में घर खर्च के लिए लेना पड़ रहा है लोन, महंगाई से बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका में बढ़ती महंगाई और ऊंची ब्याज दरों ने लाखों परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। हालात ऐसे बन गए हैं, बड़ी संख्या में लोगों को रोजमर्रा के घरेलू खर्च, किराया, बिजली-पानी के बिल, दवाइयों और बच्चों की शिक्षा जैसी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज लेने को मजबूर हो गए हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में खाद्य पदार्थों, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं और बीमा की लागत में लगातार वृद्धि हुई है। आम लोगों की आय उस गति से नहीं बढ़ी है।

आर्थिक सर्वेक्षणों के अनुसार बड़ी संख्या में अमेरिकी परिवार क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन और बाय नाउ, पे लेटर जैसी योजनाओं का सहारा लेकर कर्ज ले रहे हैं। इससे उनके ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। कई परिवार हर महीने अपनी आय का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज और किस्तों के भुगतान में खर्च कर रहे हैं। नतीजतन बचत में तेजी के साथ गिरावट आई है। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटना भी अमेरिका में रहने वालों के लिए कठिन होता जा रहा है।

अर्थशास्त्रियों का मानना है, महंगाई में कुछ कमी आने के बावजूद आवश्यक वस्तुओं की कीमतें अभी भी महामारी के समय पर जो महंगाई थी। उससे काफी ऊपर हैं। ऊंची ब्याज दरों के कारण नए कर्ज महंगे हो गए हैं। मध्यम और निम्न आय वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। कई लोग एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेने को विवश हैं। अमेरिका के नागरिक कर्ज के मकड़जाल में तेजी के साथ फंसते जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि रोजगार, आय वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन नहीं बना, तो अमेरिकी परिवारों पर वित्तीय दबाव और भी बढ़ सकता है। इसका असर केवल घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा। उपभोक्ता खर्च में कमी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी इसका प्रभाव पड़ना तय है।

कश्मीर के कुलगाम में हुए आतंकी हमले में दूसरे मजदूर की भी मौत

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के कीलम इलाके में शुक्रवार को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे दोनों की मौत हो गई। हमले के दौरान एक मजदूर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि दूसरे गंभीर रूप से घायल मजदूर को तुरंत बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, शनिवार को इलाज के दौरान दूसरे मजदूर की भी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकवादियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बता दें प्रारंभिक जांच में बताया गया कि आतंकियों ने धर्म पूछकर निशाना बनाया था।

यह हमला पिछले 10 दिनों के भीतर दक्षिण कश्मीर में दूसरी बड़ी आतंकी घटना है। इससे पहले 22 जुलाई को अनंतनाग जिले में अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक जवान की आतंकवादियों ने करीब से गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस घटना के कुछ ही दिनों बाद, कुलगाम के कीलम में अपनी आजीविका कमाने आए बाहरी मजदूरों को निशाना बनाया गया।

कश्मीर घाटी में गैर-स्थानीय या प्रवासी मजदूरों पर लगभग दो साल में यह पहला बड़ा हमला माना जा रहा है। इससे पहले 18 अक्टूबर 2024 को शोपियां जिले के वाची इलाके में बिहार के बांका जिले के रहने वाले एक प्रवासी मजदूर की अज्ञात आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से फोन पर बात की और सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के खिलाफ अपने अभियानों को तेज करने तथा दोषियों को जल्द से जल्द खत्म करने का सख्त निर्देश दिया। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं और पूरा देश इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। वहीं, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी इस जघन्य हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा की।

किसानों की समृद्धि ही देश की समृद्धि की आधारशिला- केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को वित्त वर्ष 2030-31 तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस योजना के लिए 3.15 लाख करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि किसानों की समृद्धि ही देश की समृद्धि की आधारशिला है और इसी उद्देश्य से पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के जरिए सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। यह योजना फरवरी, 2019 में शुरू की गई थी, जिसके तहत पात्र भू-स्वामी किसान परिवारों को हर साल 6,000 रुपए की वित्तीय मदद तीन समान किस्तों में दी जाती है।

स्वदेशी एक्सडब्ल्यूजी डीजल लॉन्च, माइनस 42 डिग्री में भी रहेगा

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने नई दिल्ली में स्वदेशी एक्सट्रेमे वेदर गार्ड (एक्सडब्ल्यूजी) डीजल लॉन्च किया। भारतीय सेना और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मिलकर इस विशेष डीजल को तैयार किया है। यह ईंधन बेहद ठंडे मौसम में लड़ाकू और लॉजिस्टिक्स वाहनों की आवाजाही, सुरक्षा और ऑपरेशनल उपलब्धता को बेहतर बनाएगा। यह तकनीक ऊंचाई वाले और कड़ाके की सर्दी वाले इलाकों में नागरिक उपयोग के लिए भी उपयोगी होगी। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सामान्य डीजल बहुत कम तापमान में गाढ़ा हो जाता है और फ्यूल फिल्टर को जाम कर सकता है। इससे ऊंचाई वाले और बर्फीले इलाकों में वाहनों के संचालन में परेशानी आती है। एक्सडब्ल्यूजी डीजल इस समस्या को दूर करता है और माइनस 42 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी प्रभावी रहता है। यह डीजल बीएस-6 मानकों और आईएस 1460:2025 के अनुरूप है। इसे भारतीय सेना के मौजूदा वाहन बेड़े में बिना किसी इंजन बदलाव या दोबारा होमोलोगेशन के इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस मौके पर सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने कहा कि एक्सडब्ल्यूजी एक स्वदेशी नवाचार है, जो बेहद कठिन मौसम में सेना की आवाजाही, ऑपरेशनल तैयारी और मिशन की विश्वसनीयता को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इस ईंधन के इस्तेमाल से कड़ी सर्दियों में वाहनों को चालू रखने के लिए पहले अपनाए जाने वाले तरीकों की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे जवानों की सुरक्षा और मनोबल दोनों बेहतर होंगे। सेना प्रमुख ने इस समाधान को एक साल के अंदर विकसित करने के लिए भारतीय सेना की टीम और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की तारीफ की। उन्होंने भरोसा जताया कि यह साझेदारी आगे भी अलग-अलग परिचालन जरूरतों के लिए विशेष ईंधन विकसित करने में मदद करेगी। सैन्य इस्तेमाल के अलावा यह तकनीक ऊंचाई वाले और अत्यधिक ठंड वाले क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए भी लाभदायक होगी।

क्या पीएम मोदी ने बीजेपी के गालीबाज ट्रोल्स को भी माफ कर दिया- चिदंबरम

पीएम मोदी कह चुके हैं विरोध प्रदर्शन में गाली देने वाले युवाओं को माफ करने की बात

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान गाली देने वाले युवाओं को लेकर पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर करके माफ करने की बात कही है। इसके बाद कांग्रेस ने पीएम मोदी पर तंज कसा। पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि क्या पीएम मोदी ने बीजेपी के गालीबाज ट्रोल्स को भी माफ कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चिदंबरम ने कहा कि बीजेपी को ट्रोल्स भी सोशल मीडिया पर भद्दी-भद्दी गालियां देते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार की आलोचना करते हैं उन्हें बीजेपी के ट्रोल्स गालियां देते हैं। वहीं पीएम मोदी ने शुक्रवार रात रील शेयर करते हुए कहा था कि गाली से किसी चीज का समाधान नहीं निकलता है। उन्होंने कहा था कि उन लोगों को सही रास्ता दिखाना चाहिए जो कि गलत रास्ते पर चले गए हैं।

वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी को विक्टिम कार्ड खेलना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा कि वह अपने पूर्ववर्तियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और कटु भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें बदनाम करने के लिए वह न केवल अपनी सार्वजनिक सभाओं में बल्कि संसद के अंदर भी बार-बार झूठ फैलाते हैं। संसद के अंदर और बाहर गाली-गलौज करने वालों की पूरी फौज को खुली छूट देते हैं और उन्हें पूरा संरक्षण भी प्रदान करते हैं।

रमेश ने आगे कहा कि आज पूरा देश इस बात का इंतजार कर रहा है कि पीएम मोदी एनटीए को पेपर लीक से ग्रस्त व्यवस्था के कारण लाखों युवाओं को हुई पीड़ा और छात्र आंदोलनों पर गृह मंत्रालय के संरक्षण में हुई बर्बर कार्रवाई के लिए माफ़ी मांगें। पूरा देश राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए चंदा चोरी, आस्था धोखा प्रकरण पर भी पीएम मोदी से माफी की अपेक्षा कर रहा है, जिसकी स्थापना की घोषणा उन्होंने स्वयं 5 फरवरी 2020 को लोकसभा में बड़े जोर-शोर से की थी। पूरा देश आज भी 8 नवंबर 2016 को लिए गए उनके तुगलकी फैसले के लिए उनकी माफी का इंतजार कर रहा है, जिसने करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी छीन ली और लाखों एमएसएमई बंद होने की कगार पर पहुंच गए।

रमेश ने कहा कि बीती रात पीएम मोदी ने आत्ममुग्धता की पराकाष्ठा दिखाते हुए कहा कि उन्होंने हमारे युवाओं को माफ कर दिया है। यह देश और उन युवाओं का अपमान है, जिन्होंने उनकी सरकार के दौरान पीड़ा झेली है और जो पूरी तरह न्यायोचित रूप से उनसे माफी की मांग कर रहे हैं। पीएम मोदी की इंस्टाग्राम सभाएं अब किसी को बेवकूफ नहीं बना सकती हैं।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने किया दावा

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में दान राशि में कथित गड़बड़ी का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मंदिर से हर साल करीब 18 करोड़ रुपये की चोरी हो रही है और इस संबंध में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लिखे गए एक पत्र का भी हवाला दिया। एमएनएस की छात्र इकाई महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना को 20वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में राज ठाकरे ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट के कुछ सदस्यों ने पत्र लिखकर दान राशि में कथित अनियमितताओं की शिकायत की है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि श्रद्धालुओं के दान की सुरक्षा नहीं हो पा रही है तो यह गंभीर चिंता का विषय है। राज ठाकरे ने कहा कि देश का युवा जब आस्था लेकर मंदिर जाता है और उसे वहां भी भ्रष्टाचार या चोरी की खबरें सुनने को मिलती हैं, तो उसका भरोसा कमजोर होता है। उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं का भी उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार से इस तरह के मामलों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भाजपा समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर होने वाली कथित ट्रोलिंग और अभद्र भाषा पर भी रोक लगाने की अपील की। उनका कहना था कि राजनीतिक असहमति के बावजूद व्यक्तिगत अपमान और गाली-गलौज स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। अपने संबोधन में राज ठाकरे ने युवाओं की बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक, छात्रों के विरोध-प्रदर्शन और विदेशों में पढ़ाई के लिए बढ़ते पलायन जैसे मुद्दे भी उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं की आकांक्षाओं की अनदेखी की जा रही है और सरकार को धार्मिक नारों के बजाय रोजगार, शिक्षा और बेहतर अवसरों पर ध्यान देना चाहिए।

केरल में भूस्खलन से 3 की मौत, कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात, रेड अलर्ट जारी

कई जिलों में भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई

तिरुवनंतपुरम। केरल में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिलों में हालात गंभीर हैं। मध्य केरल के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। सबसे ज्यादा असर पहाड़ी जिले इडुक्की में देखने को मिला, जहां शनिवार को भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई। मृत महिला की पहचान सुमति के रूप में हुई है। वह अडूरमाला क्षेत्र की रहने वाली थीं। शनिवार सुबह हुए भूस्खलन का मलबा उसके घर पर गिरा, जिससे मकान पूरी तरह तबाह हो गया। इसके अलावा 2 अन्य लोगों की भी मौत की खबर है। शनिवार को देश के कई इलाकों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया। कई जिलों में शनिवार को भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोगों ने सुमति के पति रवि और बेटे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों घायल थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन एवं बचाव सेवा, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाकर सुमति का शव बरामद किया। इडुक्की के वागामोन इलाके में भी भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति के घर में फंसे होने की सूचना मिली है। उसे बचाने के लिए राहत और बचाव अभियान जारी है। भूस्खलन के कारण कई सड़कों पर मलबा जमा हो गया, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हुआ और कट्टप्पना-वाझवारा मार्ग को बंद करना पड़ा। पुल्लकयार नदी के उफान पर आने से कोक्कायार का निचला पुल पानी में डूब गया। आसपास के कई घरों में पानी भर गया, जिसके बाद प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। भारी बारिश के कारण इडुक्की जिले में कई अन्य जगहों से भी भूस्खलन की खबरें सामने आई हैं। पड़ोसी कोट्टायम जिले में भी भारी बारिश से स्थिति खराब हो गई है। इरट्टुपेट्टा, कंजीरापल्ली, कूट्टिक्कल और एरुमेली क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। कई रिहायशी इलाके पानी में डूब गए और यातायात बाधित हो गया।

प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान तेज कर दिया है। पूंजार के पय्यानिथोट्टम में भूस्खलन की घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां मलबे में दब गईं। मृतक की पहचान जोसेफ के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, जोसेफ को मलबे से बाहर निकाल लिया गया था, लेकिन अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। उसकी मां की तलाश जारी है। वहीं, इडुक्की जिले के वागामोन इलाके में भी भूस्खलन से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रभाकरण नायर के रूप में हुई है, जो वैकोम के रहने वाला था।

इरट्टुपेट्टा शहर में रातभर में जलस्तर तेजी से बढ़ गया, जिसके बाद प्रशासन को गाड़ियों की आवाजाही रोकनी पड़ी। नडक्कल और मुरिक्कोली समेत कई इलाकों में घरों में पानी भर गया। बचावकर्मियों ने लोगों की मदद से घरों की ऊपरी मंजिलों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला। अधिकारियों के मुताबिक क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। वहीं, पथनमथिट्टा जिले के पहाड़ी क्षेत्रों से भी कई भूस्खलनों की जानकारी मिली है।

पंजाब कांग्रेस की बैठक में खुलकर दिखी गुटबाजी, राजा वड़िंग के भाषण के दौरान लगे चन्नी को वापस लाओ के नारे

पटियाला। पंजाब कांग्रेस की अंदरूनी कलह एक बार फिर सार्वजनिक मंच पर सामने आ गई। पटियाला के समाना में आयोजित पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के संबोधन के बीच कार्यकर्ताओं के एक समूह ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थन में जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। कार्यक्रम में चन्नी को वापस लाओ, पंजाब बचाओ और चन्नी को वापस लाओ, कांग्रेस बचाओ जैसे नारे लगाए गए, जिससे कुछ समय के लिए कार्यक्रम बाधित हो गया। नारेबाजी से नाराज अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने अपना भाषण बीच में रोक दिया और मंच से ही कार्यकर्ताओं को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पार्टी के आधिकारिक कार्यक्रम में अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्यक्रम में व्यवधान डालने वाले लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर मतभेद पहले से ही चर्चा में हैं। हाल के सप्ताहों में चरणजीत सिंह चन्नी समर्थक नेताओं ने प्रदेश नेतृत्व को लेकर असंतोष जताया था और संगठन में बदलाव की मांग भी उठाई थी। पार्टी नेतृत्व भले ही एकजुटता का दावा कर रहा हो, लेकिन अलग-अलग कार्यक्रमों और नेताओं की गतिविधियों से गुटबाजी के संकेत लगातार मिल रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए संगठनात्मक एकजुटता सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

हिस्से बंटवारे के विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई की डंडे हाथघूसों से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र की चरेगांव पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम गर्जन टोला में मकान के हिस्से बंटवारे को लेकर हुए विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई की लाठी और घूसों से मारपीट कर दी।

घायल युवक अक्षय पिता बाबूलाल सिरसाम 25 वर्ष को पहले लामता अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम गर्जन टोला निवासी अक्षय और उसका बड़ा भाई संजय सिरसाम दोनों मजदूरी करते हैं। अक्षय की शादी 2 साल पहले हुई थी। वह अपनी पत्नी प्रिया और 1 साल के बेटे के साथ बालाघाट के गर्रा में एक टाइल्स फैक्ट्री में रहकर काम करता है। अक्षय हर 15 दिन महीने में गांव आता-जाता रहता था। संजय अपने परिवार के साथ गर्जन टोला में ही रहता है।तीन दिन पहले अक्षय पत्नी और बच्चे के साथ गांव आया था। 29 जुलाई को संजय शराब पीकर घर पहुंचा और अक्षय को घर से निकल जाने तथा दोबारा न आने की बात कहने लगा। इसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। अक्षय ने कहा कि मकान में उसका भी हिस्सा है और उसे उसका हिस्सा चाहिए। विवाद बढ़ने पर संजय ने आवेश में आकर अक्षय के साथ हाथ मुक्के और डंडे से मारपीट कर दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना पर लामता पुलिस मौके पर पहुंची। घायल अक्षय को लामता अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल बालाघाट भेज दिया गया।लामता पुलिस ने अक्षय की शिकायत पर संजय सिरसाम के खिलाफ अश्लील गालियां देने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

डबल मनी के लालच ने फिर लूटी जिंदगी भर की कमाई

एक हफ्ते में पैसा दोगुना का झांसा देकर लगभग 17 लाख की ठगी

लांजी डबल मनी मामले के बाद भी लोग नही ले रहे सबक, नवेगांव थाना के कोसमी में वेनिमो एप के नाम पर लाखों रुपये हड़पे, आरोपी 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में करोड़ों रुपये के बहुचर्चित डबल मनी घोटाले की जांच अभी पूरी भी नहीं हुई है, लेकिन कुछ लोग अभी भी चंद दिनों में पैसा दोगुना करने का लालच देकर पैसे ले रहे हैं । लांजी क्षेत्र में सामने आए 500 से 600 करोड़ रुपये के कथित डबल मनी घोटाले के बाद पुलिस लगातार लोगों को जागरूक कर रही है कि किसी भी तरह की निवेश योजना, ऑनलाइन ट्रेडिंग एप अथवा डबल मनी स्कीम के झांसे में न आएं। इसके बावजूद लालच और भरोसे का फायदा उठाकर ठग आम लोगों की जीवनभर की जमा-पूंजी पर हाथ साफ कर रहे हैं। अब नवेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कोसमी से ऐसा ही एक नया मामला सामने आया है, जिसने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि डबल मनी का नेटवर्क जिले में पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, बल्कि नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम कोसमी निवासी अवधेश तारन ने नवेगांव थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले प्रिंस पिछोड़े ने उन्हें वेनिमो नामक मोबाइल एप के माध्यम से निवेश करने पर मात्र एक सप्ताह में रकम दोगुनी होने का लालच दिया। शुरुआत में आरोपी ने विश्वास कायम करने के लिए अवधेश की पत्नी मीनाक्षी तारन को अपने झांसे में लिया। उसने उन्हें भरोसा दिलाया कि यदि वे अपने जेवर गिरवी रखकर प्राप्त राशि निवेश करेंगी तो कुछ ही दिनों में रकम दोगुनी होकर वापस मिल जाएगी। इस विश्वास में मीनाक्षी ने करीब छह लाख रुपये के जेवर गिरवी रख दिए और पूरी राशि आरोपी के बताए अनुसार निवेश कर दी। इसके बाद आरोपी ने अवधेश तारन, उनके पुत्र देवांशु तथा रिश्तेदार संतोष रन्नेरे को भी इसी योजना में शामिल कर लिया। शिकायत के अनुसार अवधेश ने करीब ढाई लाख रुपये, उनके पुत्र देवांशु ने साढ़े तीन लाख रुपये तथा संतोष रन्नेरे ने लगभग 6.25 लाख रुपये आरोपी को सौंप दिए। बताया जा रहा की इस मामले में लगभग 17 लाख रूपये निवेस किये गये हैं साथ ही भरोसा दिलाने के लिए आरोपी ने अलग-अलग बैंकों के चेक भी दिए और कहा कि तय समय पूरा होते ही सभी की रकम दोगुनी कर वापस कर दी जाएगी। समय सीमा पूरी होने के बाद जब निवेशकों ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी लगातार बहाने बनाता रहा। पहले भुगतान में देरी का हवाला दिया गया, फिर कुछ दिनों बाद वह लोगों से बचने लगा और अंततः फरार हो गया। इसके बाद पीडितों को समझ आया कि उनके साथ सुनियोजित धोखाधड़ी की गई है। उन्होंने तत्काल पुलिस की शरण ली और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर नवेगांव पुलिस ने आरोपी प्रिंस पिछोड़े के साथ दो लोगो को गिरफ्तार किया गया। जिन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 316(2) तथा अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम-2019 की धारा 21(1), 21(2) और 21(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 1 अगस्त को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया। अब पुलिस इन चार दिनों में यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि इस पूरे नेटवर्क में प्रिंस पिछोड़े के साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं, निवेश की राशि कहां गई, कितने लोगों से पैसा लिया गया और क्या इसके तार किसी बड़े गिरोह या पहले से चल रहे डबल मनी नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आरोपी से पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं। जांच का फोकस इस बात पर भी रहेगा कि क्या यह अकेले प्रिंस का काम था या फिर उसके पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय है। यदि अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इधर, जिले के बहुचर्चित डबल मनी घोटाले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) भी लगातार कार्रवाई में जुटी हुई है। आरोपियों से जब्त रजिस्टरों के आधार पर निवेशकों की सूची जारी की जा रही है और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्पडेस्क पर बड़ी संख्या में निवेशक अपने दस्तावेज जमा कर रहे हैं। करोड़ों रुपये के इस मामले में पुलिस अब तक कई संपत्तियां और वाहन जब्त कर चुकी है तथा आरोपियों से लगातार पूछताछ जारी है। ऐसे समय में कोसमी का यह नया मामला पुलिस और प्रशासन के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। एक ओर करोड़ों रुपये के घोटाले की जांच चल रही है, वहीं दूसरी ओर ठग नए नाम, नए एप और नए लालच के साथ लोगों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति यदि कम समय में पैसा दोगुना, तिगुना अथवा असामान्य लाभ देने का दावा करे तो उस पर आंख बंद कर विश्वास न करें। किसी भी निवेश से पहले उसकी वैधता की पूरी जांच करें और यदि कोई संदिग्ध योजना सामने आए तो उसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

एक माह से लापता किशोरी का जंगल में पेड़ से लटका मिला सड़ा-गला शव

कपड़ों और चप्पलों से हुई पहचान, गुमशुदगी दर्ज होने के बाद से पुलिस कर रही थी तलाश, बैहर क्षेत्र में फैली सनसनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लगमा के जंगल में शुक्रवार को एक किशोरी का करीब एक माह पुराना शव पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव अत्यधिक सड़-गल चुका था। जिससे उसकी

पहचान करना संभव नहीं था। बाद में घटनास्थल पर मिले कपड़ों और चप्पलों के आधार पर परिजनों ने मृतिका की शिनाख्त रुक्मणी परते पिता रमेश परते 15 वर्ष ग्राम लगमा निवासी के रूप में की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक माह पहले घर से हुई थी लापता

प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 जून से रुक्मणी परते अपने घर से अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश करने के बाद नहीं मिली परिजनों ने बैहर थाना में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बैहर पुलिस इस नाबालिक लड़की का अपहरण करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अ. क्र. 111/026 धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर उसकी लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका था।

ग्रामीणों ने जंगल में देखा संदिग्ध दृश्य

बताया जाता है कि 31 जुलाई को कुछ ग्रामीण जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर एक पेड़ पर दुपट्टे से बने फंदे पर पड़ी। जब वे पास पहुंचे तो पेड़ के नीचे चप्पल, कपड़े और मानव शरीर के अवशेष दिखाई दिए। यह दृश्य देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल गांव में सूचना दी और बैहर थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी।

शव की हालत देख पहचान करना था मुश्किल

सूचना मिलते ही बैहर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि शव काफी पुराना होने के कारण बुरी तरह सड़-गल चुका था। शव की स्थिति ऐसी थी कि उसकी सीधी पहचान संभव नहीं थी। पुलिस ने घटनास्थल से कपड़े, चप्पल और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जप्त किए। बाद में परिजनों को मौके पर बुलाया गया। जिन्होंने बरामद कपड़ों और चप्पलों के आधार पर मृतका की पहचान रुक्मणी परते के रूप में की

मृत्यु के वास्तविक कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद हो सकेगी- बैहर थाना प्रभारी

बैहर थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले ने बताया कि प्रथम दृष्टया घटनास्थल की स्थिति से ऐसा प्रतीत होता है कि बालिका की मौत फांसी लगाने से हुई है। हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के बाद ही हो सकेगी। शव को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए जबलपुर भेजा गया है।पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

पुलिस ने शव को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद पोस्टमार्टम एवं अन्य जांच संबंधी कार्रवाई के लिए भेज दिया है। मामले की परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। गुमशुदगी से लेकर शव मिलने तक की पूरी घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि किशोरी की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट